THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

सीजेआई सूर्यकांत बोले-कल डेढ़ घंटा टहला, तबीयत बिगड़ गई-दिल्ली में प्रदूषण चिंताजनक, हल निकालना होगा

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के चलते सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ वर्चुअल मोड पर सुनवाई करने पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। हालांकि अभी कार्यवाही फिजिकल और वर्चुअल दोनों तरीकों से होती है। सीजेआई सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि कल मैं सुबह एक घंटे के लिए टहलने निकला तो मेरी तबीयत बिगड़ गई। हमें जल्द इसका हल निकालना होगा। सीजेआई सूर्यकांत ने उम्रदराज वकीलों के भी सुनवाई के लिए कोर्ट में आने पर चिंता व्यक्त की।

वर्ष-30 अंक : 241 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.7 2082 गुरुवार, 27 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संविधान राष्ट्र की पहचान : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में बुधवार को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत संविधान के निर्माण का कार्य संपन्न किया था। आज के दिन हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को अपनाया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'स्वाधीनता के बाद संविधान सभा ने भारत की अंतरिम संसद के रूप में भी कर्तव्य का निर्वाहन किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर हमारे संविधान के प्रमुख निर्माता में से थे। बाबा साहब के 125 वीं जयंती के वर्ष में यानी 26 नवंबर 2015 में प्रतिवर्ष संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था।' राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान राष्ट्र की पहचान की आधारशिला है और गुलामी की मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच अपनाने का मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने तीन तलाक, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), अनुच्छेद 370 समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई पर अंकुश लगाकर संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जीसएटी के रूप में आजादी के बाद सबसे बड़ा कर सुधार देश के आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से एक ऐसी बाधा हटी, जो देश के समग्र राजनीतिक एकीकरण में बाधा बन रही थी। राष्ट्रपति ने कहा, 'नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। इस वर्ष 7 नवंबर से हमारे राष्ट्रगान, वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव आयोजित किया जा रहा है।'

कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'महान विद्वानों, ड्राफ्टिंग कमिटी और संविधान सभा के सदस्यों ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए गहरी सोच दी। उनके बिना किसी स्वार्थ के योगदान ने भारत को आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया है। हमारा संविधान समझ और अनुभव, त्याग, उम्मीदों और आकांक्षाओं से बना है। हमारे संविधान की आत्मा ने साबित कर दिया है कि भारत एक है और हमेशा एक रहेगा।'

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, 2024 में जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में, बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे दुनिया को लोकतंत्र में हमारी आस्था का एहसास हुआ। हाल ही में हुए बिहार चुनावों में, विशेष रूप से महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने, हमारी मां भारती के लोकतंत्र के मुकुट में एक और अनमोल हीरा जड़ दिया है। संविधान सभा की महिला सदस्यों की ओर से दिया गया योगदान अतुलनीय था।'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अगर संविधान का अक्षरशः पालन किया जाए तो भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाएगा। बिरला ने कहा कि 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना हमारा सामूहिक लक्ष्य है और यह लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जब हम संविधान के मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करेंगे।

बिरला ने कहा कि अगर हम संविधान का अक्षरशः पालन करेंगे तो हम भावी पीढ़ियों के लिए एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जो विकास, न्याय, एकता, मैत्री और मानवता का उदाहरण होगा। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो प्रत्येक नागरिक की आवश्यकताओं का ध्यान रखता है और इसमें निहित सिद्धांतों का पालन करना हमारा कर्तव्य है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, पीएम नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और दूसरे सांसदों ने संविधान दिवस पर प्रस्तावना को जोर से पढ़ा।

तिरुपति लड्डू विवाद : मिलावटी घी से बने प्रसाद के बाद दो और मामले में जांच तेज

वाईएसआरसीपी नेताओं पर मंडराया गिरफ्तारी का खतरा!

तिरुमला, 26 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी में चढ़ाए जाने वाले लड्डू प्रसादम से जुड़ा एक और विवाद सामने आया है. मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सितंबर 2024 में पवित्र लड्डू प्रसादम बनाने में मिलावटी घी के इस्तेमाल का सनसनीखेज खुलासा किया था, जिसने श्रद्धालुओं और राजनीतिक हलकों को हिलाकर रख दिया है। उन्होंने लैब रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि लड्डू प्रसादम के लिए इस्तेमाल हुए मिलावटी घी में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल पाया गया था. उन्होंने इस लापरवाही के लिए पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार पर निशाना साधा. इसके लिए राज्य सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की घोषणा की और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी जांच के लिए एक टीम का गठन किया।

लड्डू प्रसादम बनाने वाले घी में मिलावट

सीबीआई की निगरानी में एसआईटी ने पिछले हफ्ते टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआरसीपी के राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी से घी में मिलावट के रैकेट के बारे में घंटों पूछताछ की थी. वाईवी सुब्बा रेड्डी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चाचा भी हैं. जांच कर रहे अधिकारियों का कहना है कि 2019 से 2024 के बीच लगभग 20 करोड़ लड्डू जिस घी में बनाए गए थे उसमें पाम ऑयल और इंडस्ट्रियल केमिकल मिलाया हुआ था. हालांकि, वाईवी सुब्बा रेड्डी ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और राजनीतिक विरोधियों पर आधी-अधूरी जानकारी लीक करने का आरोप लगाया है।

दानपेटी चोरी मामले में फिर जांच शुरू

एक और मामला परकामनी (दान और नकदी की गिनती) चोरी से जुड़ा है. आरोप है कि पेड्डा जीयर मठ के हेड क्लर्क और दानपेटी मामले के मुख्य आरोपी सीवी रवि कुमार को 29 अप्रैल, 2023 को दान दिए हुए खजाने से 900 डॉलर नकद चुराते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था. बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई. पुलिस ने 30 मई 2023 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। रवि कुमार और उनकी पत्नी सीवी राम्या ने तिरुपति और चेन्नई में स्थित 14.4 करोड़ रुपये (बाजार मूल्य 40 करोड़ रुपये) की सात संपत्तियां टीटीडी को दान कर दीं, जिसे तिरुपति ट्रस्ट ने 19 जून 2023 को स्वीकार कर लिया. 9 सितंबर 2023 को तिरुपति की लोक अदालत में रवि कुमार के साथ समझौता हुआ, जिसमें मामले का निपटारा कर दिया गया और रवि कुमार को बरी कर दिया गया।

सीआईडी और एसीबी कर रह पूछताछ

सरकार बदलने और राज्य में चंद्रबाबू नायडू के सत्ता में आने के बाद इस मामले की फिर से जांच शुरू की गई. आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने लोक अदालत के आदेश को रद्द कर सीआईडी और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को मामले की फिर से जांच करने और 2 दिसंबर तक सीलबंद लिफाफे में अपने निष्कर्ष कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया. इस मामले में सीआईडी ने अपनी जांच तेज कर दी है. कई पूर्व टीटीडी अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं और उनसे पूछताछ की है।

बीजापुर में एक साथ 41 नक्सलियों ने किया सरेंडर

बीजापुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को कुल 41 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से 32 पर भारी भरकम इनाम घोषित था, जिनकी कुल इनामी राशि लगभग एक करोड़ 19 लाख रुपये है।

9 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपये

पंडरू हपका उर्फ मोहन, उसकी पत्नी बंडी हपका, लक्खू कोरसा, बदरू पुनेम, सुखराम हेमला, उसकी पत्नी मंजूला हेमला उर्फ शांति, मंगली माडवी उर्फ शांति, जयराम कडियम और पांडो मडकम उर्फ चांदनी। ये आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन जैसे महत्वपूर्ण नक्सली संगठनों से जुड़े हुए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों ने भारतीय संविधान में आस्था व्यक्त की है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का संकल्प लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक नक्सली को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50-50 हजार रुपये तुरंत दिए जाएंगे। उन्हें पुनर्वास योजनाओं का लाभ मिलेगा जिससे वे समाज की मुख्यधारा में लौट सकें। अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस वर्ष 528 माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं और 560 माओवादी मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। वहीं, जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 144 माओवादी मारे गए हैं।

2 करोड़ से ज्यादा लोगों के आधार नंबर डिएक्टिवेट

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। आधार से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 2 करोड़ से ज्यादा ऐसे लोगों के आधार नंबरों को डिएक्टिवेट कर दिया है जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। यह अहम कदम रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया, राज्यों और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से मिली जानकारी के आधार पर उठाया गया है। अब परिवार के सदस्य भी 'MyAadhaar' पोर्टल पर अपने किसी प्रियजन की मृत्यु की सूचना दे सकते हैं। इससे आधार डेटाबेस को तुरंत अपडेट करने में मदद मिलेगी। यूआईडीएआई ने यह फैसला आधार डेटाबेस को हमेशा अपडेट रखने और किसी भी तरह के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए लिया है। मरे हुए लोगों के आधार नंबरों को हटाने से यह सुनिश्चित होगा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सिर्फ उन्हीं लोगों तक पहुंचे जो इसके हकदार हैं।

'राजनीतिक दल डर पैदा कर रहे'

> एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मामलों को लेकर सुनवाई जारी है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच सुनवाई कर रही है।

केरल में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से विस्तृत जवाब मांगा है। कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अलग से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। कोर्ट ने कहा कि चूंकि केरल में अभी स्थानीय निकायों के चुनाव चल रहे हैं, इसलिए मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को टालने की मांग पर बिना आयोग को सुने कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। चुनाव आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। इस मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए। पश्चिम बंगाल से जुड़े मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। राज्य की ओर से पेश वकील कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अत्यधिक दबाव के कारण अब तक 23 बीएलओ की मौत हो चुकी है। तमिलनाडु में एसआईआर से जुड़े मामले की सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

कोर्ट ने कहा कि तीनों राज्यों के मामलों में चुनाव आयोग की राय सुने बिना कोई रोक लगाने जैसा आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने बताया कि यह मामला पहले मद्रास हाईकोर्ट में भी गया था, जहां स्टेट इलेक्शन कमीशन ने कहा था कि उन्हें एसआईआर प्रक्रिया से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने बताया कि 99 फीसदी वोटरों को फॉर्म मिल चुके हैं और 50 फीसदी से अधिक डेटा डिजिटाइज हो चुका है। राकेश द्विवेदी ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे पर लोगों में अनावश्यक भय पैदा कर रहे हैं। इधर, याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया बहुत जल्दबाजी में चलाई जा रही है और बीएलओ पर अत्यधिक दबाव है। उन्होंने दावा किया कि असम में लागू फॉर्म की पद्धति की पूरे देश

'मैंने पीएम मोदी की तारीफ नहीं की'

शशि थरूर ने अब ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सासंद शशि थरूर ने हाल ही में पीएम मोदी के भाषण की सराहना की थी। जिसको लेकर कांग्रेस के खेमे में बेचैनी देखने को मिल रही है। इसको लेकर पार्टी के लोगों की तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कांग्रेस नेताओं ने शशि थरूर की आलोचना भी की। अब इस पर शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अपनी बात को स्पष्ट किया है।

दरअसल, दुबई में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आज की राजनीति इतनी ध्रुवीकृत हो चुकी है कि एक तटस्थ टिप्पणी को भी संदेह की नजर से देखा जाता है। उन्होंने पीएम मोदी के भाषण पर अपनी एक्स पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने भाषण को आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान 'बताया था। मैंने प्रशंसा का एक शब्द भी नहीं कहा, बस वर्णन किया। फिर भी, इसे पीएम की तारीफ मान लिया गया।' यह वही माहौल है जो हमारे देश में फैला हुआ है-जहां हर कोई वैचारिक शुद्धतावादी बनना चाहता है, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होता। शशि थरूर ने उस राजनीतिक परिदृश्य पर दुख व्यक्त किया जिसमें हर किसी को वैचारिक रूप से शुद्धतावादी होना पड़ता है, (और) दूसरे पक्ष में कोई योग्यता नहीं देखेगा या दूसरे पक्ष के किसी व्यक्ति से बात नहीं करेगा।

संविधान और न्याय को आदर्श बनाए रखना बार के सदस्यों की जिम्मेदारी : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका आयोजन सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रहे। सीजेआई सूर्यकांत ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि जब कोर्ट को संविधान का पहरेदार माना जाता है, तो बार के सदस्य उस मशाल को उठाते हैं जो हमें संवैधानिक फैसले लेने में मदद करती है। बार के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे लगातार न्याय और संविधान के आदर्शों को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और बार के सदस्यों ने हमेशा संविधान के आदर्शों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बार को संविधान के संरक्षक और न्याय के मार्गदर्शक के रूप में पहचान दी। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस का यह अवसर उनके लिए बेहद खास है क्योंकि यह उनका पहला सार्वजनिक भाषण है, और इस दिन का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसी दिन भारत के लोगों ने अपने लिए संविधान का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज अपनाया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी अपने संबोधन में संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में सभी वर्गों के प्रतिनिधि थे और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इसे बड़ी सावधानी और समझदारी से तैयार किया। मेघवाल ने कहा कि संविधान ने आपातकाल के कठिन समय में भी देश को सही दिशा दिखाई और भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जाए। कानून मंत्री ने इंडस्ट्री 4.0 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान हमें इन बदलावों का सामना करने की ताकत देता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल राजनीतिक क्षेत्र में बराबरी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में भी समानता और न्याय सुनिश्चित करता है। वहीं, एसजी तुषार मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान की यात्रा 1946 में शुरू हुई और इसे केवल कुछ व्यक्तियों ने नहीं, बल्कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा के सभी सदस्यों ने 165 दिनों तक बहस और विचार-विमर्श के बाद तैयार किया।

'एसआईआर के पीछे असली मंशा एनआरसी'

सीएम ममता बनर्जी का बड़ा बयान

कोलकाता, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पीछे असली मंशा एनआरसी है। संविधान दिवस के अवसर पर रेड रोड स्थित बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी लोगों की नागरिकता पर सवाल उठाया जा रहा है।

एक दिन पहले एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ममता ने कहा कि जब लोकतंत्र दांव पर हो, धर्मनिरपेक्षता खतरे में हो और संघवाद को ध्वस्त किया जा रहा हो, तो लोगों को संविधान से मिले मूल्यवान मार्गदर्शन की रक्षा करनी चाहिए। सीएम बनर्जी ने कहा कि संविधान राष्ट्र की रीढ़ है, जो भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और समुदायों की विविधता को कुशलतापूर्वक एक साथ पिरोता है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इस संविधान दिवस पर मैं हमारे महान संविधान और भारत में हमें जोड़ने वाले महान दस्तावेज के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।'

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले राज्यसभा सचिवालय ने सदस्यों को संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन को लेकर नया बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन में सदन की गंभीरता बनाए रखने के लिए नारेबाजी समेत जय हिंद, वंदे मातरम, थैंक यू जैसे शब्दों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसे लेकर सवाल पूछे जाने पर मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, 'अब आप सोचिए, देश में क्या चल रहा है।

खड़गे बोले-कर्नाटक सीएम विवाद सोनिया, राहुल और मैं सुलझाऊंगा

बेंगलुरु, 26 नवंबर (एजेंसिया)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि पार्टी हाईकमान इस समस्या को सुलझा लेंगे, जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता भी करेंगे। उन्होंने बातचीत में कहा, वहां की जनता ही बता सकती है कि सरकार कैसा काम कर रही है। लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि में राहुल गांधी, सोनिया गांधी एक साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे।

इधर, कर्नाटक बीजेपी ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एआई वीडियो जारी किया। इसमें शिवकुमार लैपटॉप में ऑनलाइन मुख्यमंत्री कुर्सी खरीद रहे हैं, लेकिन जैसे ही वह इसे कार्ट में जोड़ते हैं, स्क्रीन पर 'आउट ऑफ स्टॉक' लिखा आता है। साथ ही कैप्शन में लिखा-'डीके शिवकुमार अभी।'

उधर, कर्नाटक कांग्रेस के कई विधायकों ने कहा है कि नेतृत्व बदलने की अटकलों से जो भ्रम पैदा हुआ है, उसे जल्द खत्म किया जाए, नहीं तो पार्टी की छवि को बड़ा नुकसान हो सकता है। पिछले एक हफ्ते से शिवकुमार राहुल गांधी से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद राहुल गांधी ने वाट्सएप मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था-'कृपया प्रतीक्षा करें, मैं कॉल करूंगा।' इस पर बुधवार को शिवकुमार ने कहा-अगर जरूरत हुई तो मैं हाईकमान से समय मांगूंगा। मुझे 4 एमएलसी सीटों के उम्मीदवार तय करने हैं। इसके साथ ही मैं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ट्रस्ट और पार्टी की संपत्तियों के पुनर्गठन पर भी वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करना चाहता हूं। रमणागारा के विधायक इकबाल हुसैन ने कहा-हाईकमान जैसा फैसला करेगा, वे सब उसका पालन करेंगे। उन्होंने दावा किया कि 100% नहीं, बल्कि 200% शिवकुमार ही जल्द मुख्यमंत्री बनेंगे। मैदूर के विधायक केएम उदय ने बताया- विधायकों ने हाईकमान से मंत्रिमंडल विस्तार में नए और युवा चेहरों को मौका देने की मांग रखी है।

6 साल की मासूम से रेप को लेकर गुस्सा, लोगों ने किया चक्का जाम, एसपी को पद से हटाया गया

रायसेन, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से रेप की घटना ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया है। वारदात को चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस देरी ने न सिर्फ लोगों में गुस्सा बढ़ाया है, बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के बाद से ही जिले में विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है। अलग-अलग इलाकों में चक्काजाम किया जा रहा है, जिससे आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने जगह-जगह धरने दिए और प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और पीड़िता को न्याय दिलाया जाए।

'सीएम ही नहीं पीएम पद के भी दावेदार हैं मेरे पिता'

कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने क्यों कही ये बात?

बंगलूरू, 26 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ राज्य के दिग्गज नेताओं की बैठकों ने सियासी पारा गरमा दिया है। इस मुद्दे पर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे की प्रतिक्रिया सामने आई है। क्या कर्नाटक में सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे के सवाल प्रियांक खरगे ने कहा कि सब कुछ ठीक है और आलाकमान जो भी फैसला लेता है, उसका पालन सभी कर रहे हैं, चाहे वह अभी के लिए हो या भविष्य में।

'राज्य में चुनाव हों या संसदीय चुनाव मेरे पिता प्रभावशाली '

कर्नाटक के मंत्री शिवानंद पाटिल की कथित टिप्पणी पर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, 'जब भी राज्य में चुनाव होते हैं, मल्लिकार्जुन खरगे मुख्यमंत्री पद के दावेदार होते हैं। जब भी संसदीय चुनाव होते हैं, वह प्रधानमंत्री पद के दावेदार होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, संख्या मायने रखती है और मल्लिकार्जुन खरगे को जो भी कहना है, वह कहेंगे।'

राहुल गांधी से मुलाकात पर क्या बोले?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात पर उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी बेंगलुरु टेक समिट के लिए आने वाले थे। उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर्सनल कंप्यूटर लॉन्च करना था। मैंने उनसे समय मांगा था। इसलिए हम वहां गए और उन्हें एआई पीसी दिखाया। क्या मुझे अपने हाईकमान को विभाग की ओर से किए जा रहे असाधारण काम को नहीं दिखाना चाहिए?'

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर भाजपा पर बरसे प्रियांक

प्रियांक खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'जब हम सब एक ही सुर में बोल रहे हैं, तो उनकी दुविधा कहां है? भाजपा को कोई मुद्दा ही नहीं मिल रहा है। जब भी वे कोई मुद्दा उठाते हैं, वे औंधे मुंह गिर पड़ते हैं। समस्या उनमें है, हममें नहीं।' नेतृत्व परिवर्तन पर विपक्षी भाजपा नेता आर अशोक के बयान पर प्रियांक ने कहा, 'अशोक अब बेरोजगार हैं। ढाई साल हो गए हैं जब से वे क्रांति-क्रांति चिल्ला रहे हैं। क्रांति उनकी पार्टी में हुई है। उन्होंने यतनाल को निकाल दिया। क्रांति उनकी पार्टी में हो रही है। वे विपक्ष के नेता और भाजपा अध्यक्ष बने रहने की भीख मांग रहे हैं। अपनी पार्टी की कमजोरियों को छिपाने के लिए वे ऐसा दिखावा कर रहे हैं जैसे कांग्रेस में कोई बड़ी क्रांति हो रही है।'

ड्रग तस्कर की 70 लाख की संपत्ति जब्त

इस साल 12.70 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी हुई अटैच

उधमपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी है। पुलिस ने बुधवार को कुख्यात ड्रग पेडलर तारिक हुसैन की करीब 70 लाख रुपए की अचल संपत्ति एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त कर ली। आरोपी तारिक हुसैन पुत्र शाह मोहम्मद, निवासी चक (उधमपुर) लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त था।

पुलिस स्टेशन रहम्बल में उसके खिलाफ इस साल दर्ज एफआईआर नंबर 135/2025 (धारा 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट) की जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि चक क्षेत्र में खसरा नंबर 1624/1625 पर बना उसका आलीशान मकान पूरी तरह ड्रग्स की काली कमाई से बनाया गया है। जांच अधिकारी ने ठोस सबूत जुटाने के बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 68(एफ) के तहत यह संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया। बुधवार सुबह पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रॉपर्टी पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया और सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कीं। पुलिस ने बताया कि ड्रग माफिया की कमर तोड़ने के लिए हम उनकी अवैध संपत्ति को लगातार जब्त कर रहे हैं। तारिक हुसैन लंबे समय से युवाओं को नशे की लत में धकेल रहा था।

अब उसकी गाढ़ी कमाई का यह घर सरकारी खजाने में जाएगा। गौरतलब है कि साल 2025 में उधमपुर पुलिस ने अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 12.70 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त की है। इसमें घर, दुकानें, जमीन और लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं। पुलिस ने साफ कर दिया है कि नशे के कारोबार से कमाई गई एक-एक पाई अब बख्शी नहीं जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और बड़े ड्रग तस्करों की संपत्ति कुर्क की जाएगी।

राबड़ी देवी की याचिका पर कोर्ट ने सीबीआई को भेजा नोटिस

मामले को दूसरे जज को ट्रांसफर करने का किया था अनुरोध

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की उस याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा जिसमें आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले को किसी अन्य न्यायाधीश के पास स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया।

हालांकि, अदालत ने सीबीआई मामले में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी और कहा था कि उन्हें आशंका है कि उन्हें निष्पक्ष न्याय नहीं मिलेगा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री को चार मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिनमें नौकरी के लिए जमीन और आईआरसीटीसी घोटाला मामला शामिल है, जिनकी सुनवाई विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कर रहे हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष राबड़ी देवी द्वारा प्रस्तुत याचिका में कहा गया, आवेदक (राबड़ी देवी) को यह वास्तविक और उचित आशंका है कि विशेष न्यायाधीश द्वारा निष्पक्ष और निष्पक्ष न्याय नहीं किया जाएगा और सभी मामलों में कार्यवाही के दौरान विशेष न्यायाधीश का आचरण अभियोजन पक्ष के प्रति अनुचित रूप से झुका हुआ और पक्षपातपूर्ण प्रतीत होता है, जिसे मामले की कार्यवाही/आदेश के कई उदाहरणों से देखा जा सकता है।

याचिका में दावा किया गया कि पक्षपात की उचित आशंका है और न्याय के हित में, मामलों को सक्षम क्षेत्राधिकार वाले किसी अन्य न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। इसके बाद न्यायाधीश ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 6 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

दिल्ली लाल किला बम धमाका

उमर नबी को पनाह देने वाले शोएब को एनआईए ने किया गिरफ्तार

दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने गिरफ्तार किए 7 लोग

1 आमिर राशिद अली, पुलवामा के पंपोर से है
2 जासिर बिलाल वानी, अनंतनाग से है
3 डॉ मुजम्मिल शकील पुलवामा से है
4 डॉ अदील अहमद, अनंतनाग से है
5 डॉ शाहीन सईद लखनऊ से है
6 मुफ्ती इरफान अहमद शोपियां से है
7 शोएब फरीदाबाद के धौज से है

लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप

एनआईए ने बताया कि शोएब ने न केवल आतंकी को पनाह दी, बल्कि उसे हर तरह की लॉजिस्टिक सपोर्ट भी दी थी। इसमें रहने की जगह, सामान और दूसरी मदद शामिल थी। इस केस में शोएब सातवां आरोपी है जिसे गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले एनआईए ने उमर के छह अन्य साथियों को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने पहले भी इस मामले में कार बम हमलावर उमर के छह नजदीकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई केस नंबर आरसी-21/2025/ एनआईए/डीआईएल के तहत की गई है।

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके मामले में एनआईए ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, यह आरोपी धमाके से पहले मुख्य आतंकी उमर उन नबी का साथ दिया था और उसे छिपने की जगह और जरूरी मदद उपलब्ध करा रहा था।

आतंकी को पनाह देने का आरोप

गिरफ्तार आरोपी का नाम शोएब है। वह हरियाणा के फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। जांच में सामने आया है कि शोएब ने आतंकी उमर को धमाके से ठीक पहले अपने यहां छुपाया था।

देशभर में छापेमारी जारी

एजेंसी आत्मघाती धमाके से जुड़े सुरागों पर काम कर रही है और कई राज्यों में स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी कर रही है। इसका मकसद इस हमले में शामिल अन्य लोगों को पहचानना और पकड़ना है। साजिश की गुत्थी सुलझाने की कोशिश इस घातक आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए जांच अब भी जारी है। एनआईए का कहना है कि जल्द ही इस पूरी साजिश का खुलासा किया जाएगा।

शीतलहर तेज, पांवटा को छोड़ सभी स्थानों पर न्यूनतम पारा 10 डिग्री से कम, कोहरे का अलर्ट

शिमला, 26 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सर्दी का सितम शुरू हो गया है। कई इलाकों में शीतलहर तेज हो गई है। लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 6.8 दर्ज किया गया है। राज्य में पांवटा साहिब को छोड़कर सभी स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी 28 नवंबर तक मैदानी जिलों में कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। शिमला में भी रात का पारा लगातार गिरने से ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं सुंदरनगर, मंडी और बिलासपुर में घना कोहरा दर्ज किया गया है।

केरल हाईकोर्ट बोला-कमाने के काबिल पत्नी गुजारा भत्ता की हकदार

अस्थायी इनकम पर्याप्त नहीं; सिलाई करने वाली महिला पति से अलग रह रही थी

कोच्चि, 26 नवंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने तलाक के केस में कहा कि अगर पत्नी कमाने के काबिल है, लेकिन उसकी आमदनी स्थायी नहीं है या अपना खर्च नहीं उठा पा रही है, तो वह भरण-पोषण की हकदार है। उसे इससे वंचित नहीं किया जा सकता। जस्टिस कौसर एडप्पगाथ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कमाई करने की क्षमता और वास्तव में पर्याप्त कमाई करने में फर्क है। मामला एक महिला की याचिका से जुड़ा है, जिसने वह अपने पति से अलग रहने के बाद अपने और दो बच्चों के लिए भरण-पोषण की मांग की थी। महिला ने बताया कि वह सिलाई जानती है, लेकिन स्थायी काम नहीं है और आमदनी भी पर्याप्त नहीं है। उसने पति पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाया और कहा कि इसी कारण वे अलग रह रहे हैं।

पहले मामले को जानिए

यह मामला केरल का है। महिला का आरोप है कि पति उसके साथ मारपीट करता था। इसके कारण दोनों अलग रह रहे थे। दोनों के दो बच्चे हैं, जो महिला के साथ रहते हैं। महिला ने बच्चों और अपने लिए पति से भरण-पोषण की मांग की थी।

महिला ने बताया कि सिलाई का काम जानती है, लेकिन उसकी कमाई दोनों बच्चों और खुद के भरण-पोषण के लिए काफी नहीं है। महिला ने बताया कि उसे हर रोज काम भी नहीं मिलता।

जबकि उसका पति भी एक दर्जी है और वह पत्नी और बच्चों को भरण-पोषण देने के लिए पर्याप्त कमाता है। महिला ने अपने पति से अपने लिए 15,000 प्रति माह और अपने दोनों बच्चों के लिए 10-10 हजार रुपए प्रति माह भरण-पोषण की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का हवाला दिया

जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने उल्लेख किया कि सुप्रीम कोर्ट ने शैलजा एवं अन्य बनाम खोबन्ना (2018) केस में कहा था कि एक ऐसी पत्नी जो सच में अपना भरण-पोषण करने के लिए पर्याप्त कमा रही है और एक ऐसी महिला जो 'सक्षम' है, लेकिन भरण पोषण के लायक कमाई नहीं कर रही है, के बीच अंतर है। हाईकोर्ट ने रजनेश बनाम नेहा एवं अन्य (2021) केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए, दोहराया कि अगर पत्नी कमा रही हो, तो भी वह उसे भरण-पोषण का दावा करने से नहीं रोकेगी।

इंदौर में ठगों ने सुनार को दिया ऐसा चकमा, आधा किलो सोना उड़ाया

इंदौर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां ठगों ने शहर के एक सुनार से लगभग आधा किलोग्राम सोना ठग लिया था। भंवरकुआं थाना पुलिस ने इस केस में तेजी से कार्रवाई करते हुए गिरोह के चार सदस्यों को ऋषिकेश और जोधपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 50 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद किया है पुलिस को बताया कि ठगी की पूरी योजना बहुत ही सुनियोजित तरीके से बनाई गई थी।

आरोपियों ने सुनार से वाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया और पांच रानी हार बनाने का ऑर्डर दिया। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने आप को विश्वसनीय ग्राहक बताते हुए भरोसा जीता, जिसके बाद 15 नवंबर को उनमें से एक आरोपी दुकान पर पहुंचा और असली सोने के रानी हार लेकर चला गया।

नकली सोना देकर असली ले गए

आरोपी ने सुनार को नकली सोने जैसा दिखने वाला कच्चा माल पकड़ा दिया और मौके से फरार हो गया। जब बाद में सुनार को धोखे का एहसास हुआ, तो उसने तुरंत पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर भंवरकुआं थाने में मामला दर्ज किया गया। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। मोबाइल लोकेशन की मदद से सबसे पहले पुलिस ने आरोपी संतोष को गिरफ्तार किया। पूछताछ में संतोष ने मुख्य आरोपी संजय सोनी का नाम बताया, जिसके बाद पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे गिरफ्तार किया।

साजिश या हादसा?

नासिक में पूर्व विधायक को कार ने मारी टक्कर, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

नासिक, 26 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट की पूर्व विधायक निर्मला गावित सड़क हादसे का शिकार हो गईं। वह शाम को अपने पोते के साथ घर के बाहर टहल रहीं थी। इसी दौरान पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में निर्मला गावित घायल हो गई हैं। जिन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो बार की पूर्व विधायक निर्मला गावित अपने पोते के साथ घर के बाहर टहल रही थीं। तभी पीछे से आई कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान कार वाला मौके से फरार हो गया। वहीं, निर्मला के साथ टहल रही उनकी पोती बाल-बाल बची। निर्मला गावित को गंभीर चोटों के कारण आईसीयू में रखा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें यह साफ-साफ दिख रहा कि घटना जानबूझकर की गई है। यानी सोची-समझी साजिश है। क्योंकि, सड़क पर इतनी जगह थी कि कार आराम से जा सकती थी। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, कार पूर्व विधायक से कुछ मीटर पीछे धीमी भी हुई, फिर उसने अपनी गति बढ़ा दी और पीछे से उन्हें टक्कर मार दी।

टक्कर मारने और पूर्व विधायक के पोते को बाल-बाल बचाने के बाद - कार का चालक मदद के लिए नहीं रुका, बल्कि तेजी से उस क्षेत्र से भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता माणिकराव होडल्या गावित की बेटी निर्मला गावित इगतपुरी विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुकी हैं। वह 2019 में कांग्रेस छोड़कर शिवसेना में शामिल हो गईं। शिवसेना के दो धड़ों में बंट जाने के बाद, वह इस साल मई में एकनाथ शिंदे के खेमे में शामिल हो गईं।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बोले- पीएम मोदी करें संविधान की रक्षा; ममता बनर्जी की राजनीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद इमरान मासूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संविधान दिवस पर देशवासियों को लिखे पत्र और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने संविधान, नेतृत्व और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार और नेताओं की आलोचना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए इमरान मासूद ने कहा कि संविधान का महत्व हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह करता हूं कि यह संविधान भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी मार्गदर्शक बना रहे ताकि आपके बाद भी कोई व्यक्ति समाज में मेहनत करके ऊंचाई तक पहुंच सके।

पीएम मोदी को संविधान को कमजोर नहीं करना चाहिए। इमरान मसूद ने ममता बनर्जी के हालिया बयान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी को पहले यह तय करना चाहिए कि वह क्या करना चाहती हैं। अगर वह लड़ना चाहती हैं, तो उन्हें समझना चाहिए कि राहुल गांधी को छोड़कर देश में कोई ऐसा नहीं है जिसे पूरे राष्ट्र ने स्वीकार किया हो। सांसद ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पश्चिम बंगाल सरकार पर लगाए गए आरोपों पर भी सवाल उठाए।

कमला पसंद पान मसाला के मालिक की बहू ने आत्महत्या की

दिल्ली के घर में शव मिला; पति ने दो शादियां कीं, दूसरी पत्नी साउथ एक्ट्रेस

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। देश के मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (40) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में शाम आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दीप्ती का शव पंखे से लटका हुआ मिला।

दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। नपुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है।

दीप्ति ने डायरी में लिखा है कि अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। पुलिस के मुताबिक, दीप्ति और उनके पति अलग-अलग घरों में रहते थे। दीप्ति की 2010 में हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी। दोनों का 14 साल का एक बेटा है। बताया जा रहा है कि हरप्रीत ने दो शादियां की हैं। दूसरी पत्नी दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक्ट्रेस हैं। दीप्ति के परिजन ने खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

कानपुर में छोटी सी गुमटी से शुरू हुई थी कंपनी

कमला पसंद पान मसाला के संस्थापक कमलाकांत चौरसिया और कमल किशोर चौरसिया हैं। कंपनी 1973 में रजिस्टर्ड हुई थी। हालांकि, पान मसाला और गुटखा बनाने-बेचने का असल व्यापार 1980 के दशक में शुरू हुआ था। कंपनी की शुरुआत यूपी के कानपुर में फीलखाना मोहल्ले में एक छोटी से गुमटी से हुई थी। आज कंपनी का अरबों रुपए का टर्नओवर है। समय के साथ कंपनी ने पान मसाला के अलावा तंबाकू, गुटखा, इलायची, और अन्य एफएमसीजी उत्पादों के साथ रियल एस्टेट, लोहा व्यापार में भी कदम बढ़ाए। कमला पसंद पान मसाला का मालिकाना हक कमला पसंद (केपी) ग्रुप और कमलाकांत कंपनी के पास है। बाजार विश्लेषक कंपनी के अनुसार, देश में पान मसाला का कारोबार करीब 46,882 करोड़ रुपए का है। इसमें कमला पसंद का बाजार 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है।

कमला पसंद से जुड़े प्रमुख विवाद

1. सरोगेट विज्ञापन विवाद (2021)- कमला पसंद ने इलायची ब्रांड के नाम से विज्ञापन चलाए, जबकि कंपनी का बिजनेस पान-मसाला और गुटखा से जुड़ा है। सरोगेट विज्ञापन को लेकर अमिताभ बच्चन ने कंपनी के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया और पूरी फीस लौटा दी थी।

2. जीएसटी और कर चोरी के आरोप- कंपनी पर 1,568 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले की जांच चल रही है। कई बार जीएसटी विभाग और डीजीजीआई कंपनी के कारखानों और डिस्ट्रीब्यूटरों पर छापेमारी कर चुकी है।

3. नकली कमला पसंद गुटखा मामले- अलग-अलग राज्यों में नकली कमला पसंद गुटखा फैक्ट्रियों पर छापेमारी हुई। नकली उत्पादों की वजह से कंपनी की ब्रांड-इमेज प्रभावित हुई।

4. स्वास्थ्य और प्रतिबंध विवाद- पान मसाला और गुटखा कैंसर को बढ़ावा देता है। इसके स्वास्थ्य खतरे के कारण कई राज्य सरकारों ने कपंनी के गुटखा और सुगंधित सुपारी पर प्रतिबंध लगाए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 27 नवंबर, 2025

सुविचार

जब आप क्रोधित होते हैं तो बहुत सारी शक्ति नष्ट हो जाती है, अतः शक्ति का प्रयोग बुद्धिमता से करें

राजनीतिक लाभ के लिए कई बार संविधान का उल्लंघन किया है कांग्रेस ने : राव

> संविधान दिवस पर भाजपा एससी मोर्चा द्वारा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि आज़ादी के बाद से कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए कई बार संविधान का उल्लंघन किया है और उसे संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

वे भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब में भाजपा एससी मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान को कमजोर करने की साज़िश कर रही है। कांग्रेस नेता संविधान की असली भावना समझे बिना मात्र संविधान की किताब उठाकर घूमते हैं और झूठ फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को किताबें दिखाने के बजाय संविधान का सम्मान करना सीखना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने कई बार संविधान का मज़ाक उड़ाया है और आज भी झूठे प्रचार के माध्यम से ऐसा कर रही है।

उन्होंने डॉ. बी. आर. आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान निर्माता आंबेडकर से जुड़े पाँच प्रमुख स्थलों का विकास पंचतीर्थ के रूप में करवाया है। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही संविधान की रक्षा करती है। राव ने आरोप लगाया कि जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध ठहराया, तब कांग्रेस ने संविधान की अवहेलना करते हुए आपातकाल थोप दिया, जिसमें बच्चों सहित अनेक लोगों को जेल में डाला गया। यूपीए शासन के दौरान कई राज्य सरकारों को भी बर्खास्त किया गया, जो संविधान का स्पष्ट उल्लंघन था। राव ने कहा कि राष्ट्र किसी भी संकट का समाधान संविधान से ही खोज सकता है। भारतीय संविधान दुनिया के विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन कर उनकी सकारात्मक विशेषताओं को अपनाकर बनाया गया है और इसे 26 नवंबर 1949 को अनुमोदित किया गया था। संविधान निर्माण में बाबासाहेब आंबेडकर के साथ छह तेलुगु व्यक्तियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को समझना चाहिए कि संविधान को पढ़ना और उसका सम्मान करना क्यों आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर कुछ लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अनुचित बातें कहकर दूसरों को आहत करते हैं और यहां तक कि भारत माता का अपमान भी करते हैं। देश की विविध भाषाओं और संस्कृतियों के बीच एकता ही भारतीय संविधान की महानता है, उन्होंने कहा। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव आयोग के खिलाफ भी झूठा प्रचार कर रही है। चुनाव हारने पर कांग्रेस ईवीएम पर सवाल उठाती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में जीतने पर ईवीएम उन्हें ठीक लगती है। बिहार में भाजपा की जीत के बाद फिर से ईवीएम पर झूठा आरोप लगाना कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पुरानी आदत है। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियाँ संविधान को महत्व नहीं देतीं। बीसी आरक्षण के मुद्दे पर भी इन दलों ने संविधान का दुरुपयोग किया है। इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संविधान का सम्मान करते हुए शासन चला रही है। उन्होंने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संविधान सर्वोपरि है, और भाजपा उसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

माधापुर में फर्जी आईटी कंपनी का खुलासा

सैकड़ों नौकरी चाहने वालों से 3-3 लाख लेकर फरार हुआ निदेशक

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर स्थित एक फर्जी आईटी कंपनी द्वारा सैकड़ों युवाओं से करोड़ों रुपये ठगे जाने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रबंधन ने नौकरी के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षण और सप्लेमेंट का झांसा देकर मोटी रकम वसूली और बाद में फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, एनएसएन नामक कंपनी ने हैदराबाद के आईटी हब माधापुर में अपना कार्यालय खोलकर 400 से अधिक उम्मीदवारों से 3-3 लाख रुपये लिए। कंपनी के निदेशक स्वामी नायडू ने दावा किया था कि प्रशिक्षण पूरा होते ही सभी को कंपनी में नौकरी दे दी जाएगी। इस भरोसे पर युवाओं ने बड़ी रकम जमा कर दी, लेकिन प्रशिक्षण का कोई इंतजाम किए बिना ही नायडू अचानक पैसे लेकर फरार हो गया। धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित युवाओं ने साइबराबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से शिकायत की।

बीआरएस पार्षदों की मेयर विजयलक्ष्मी से बिना शर्त माफी की मांग

दुर्व्यवहार के आरोप, बोले-ज़बान नहीं संभाली तो होंगे गंभीर परिणाम

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की राजनीति में बुधवार को तनाव बढ़ गया, जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से जुड़े पार्षदों ने मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। पार्षदों ने आरोप लगाया कि मेयर ने परिषद की हालिया बैठक में बीआरएस सदस्यों के साथ अपमानजनक भाषा का उपयोग किया और बदले की भावना से व्यवहार किया।

तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में बीआरएस पार्षद सुनीता और देदीप्य राव ने कहा कि मेयर ने बैठक के दौरान उनके माइक्रोफोन बंद कर दिए, जबकि उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें चुप कराने की कोशिश की गई। सुनीता ने आरोप लगाया कि मेयर ने उनके साथ शारीरिक रूप से बदसलूकी करने की भी कोशिश की। पार्षदों ने मेयर को याद दिलाया कि वह बीआरएस के टिकट पर चुनाव जीतकर मेयर बनी हैं। सुनीता ने चुनौती देते हुए कहा कि यदि मेयर में साहस है, तो वह इस्तीफा देकर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ें और जीतकर दिखाएँ। पार्षदों ने चेतावनी दी कि मेयर यदि इसी तरह का व्यवहार जारी रखती हैं, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। दलित संगठनों ने भी मेयर पर दलित पार्षद का अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे तत्काल माफी की मांग की है। बीआरएस पार्षदों ने कहा कि मेयर सिंहासन पर बैठी रानी की तरह व्यवहार कर रही हैं और तानाशाह की तरह फैसला ले रही हैं। पार्षदों ने सवाल उठाया कि शहर की भूमि सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने में क्या गलत है। उन्होंने कहा कि मेयर को सभी दलों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि बीआरएस पार्षद मेयर के नौकर नहीं हैं।

पीजी मेडिकल में 85% स्थानीय कोटा पर रोक

> उम्मीदवारों ने सरकार से मजबूत कानूनी लड़ाई की मांग की

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मेडिकल कॉलेजों में पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल मैनेजमेंट कोटा (एमक्यू-1) के तहत 85 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई अंतरिम रोक के बाद स्थानीय अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ गई है।

उम्मीदवारों का कहना है कि यह मुद्दा सैकड़ों स्थानीय मेडिकल स्नातकों के भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ है। बुधवार को स्थानीय पीजी मेडिकल उम्मीदवारों ने राज्य सरकार सहित सभी हितधारकों से अपील की कि वे इस मामले में हस्तक्षेप कर प्रभावी कानूनी लड़ाई लड़ें, ताकि तेलंगाना के छात्रों के हित सुरक्षित रह सकें।

"संबंधित तेलंगाना पीजी उम्मीदवारों के प्रतिनिधि' ने अपने बयान में कहा कि 21 नवंबर को उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीओ) 200 और 201 के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। इन आदेशों के लागू होने से एमक्यू-1 की लगभग 318 सीटें स्थानीय उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित हो जातीं, जिसे अभ्यर्थियों ने ऐतिहासिक जीत बताया। उम्मीदवारों ने स्पष्ट किया कि वे अदालत के अंतरिम आदेश का विरोध नहीं कर रहे, लेकिन अंतिम निर्णय में इस नीति को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार से मजबूत और तथ्यात्मक कानूनी बचाव की उम्मीद कर रहे हैं। स्थानीय विद्यार्थियों ने सरकार से दिसंबर मध्य तक विस्तृत प्रति-शपथपत्र दाखिल करने की मांग की, जिसमें स्थानीय आरक्षण के औचित्य और इसके सार्वजनिक स्वास्थ्य व शैक्षिक समानता पर सकारात्मक प्रभाव को स्पष्ट रूप से बताया जाए। अभ्यर्थियों ने कहा कि आंध्र प्रदेश में इसी प्रकार का 85% स्थानीय कोटा पहले से लागू है, इसलिए यह मॉडल कानूनी और प्रशासनिक दृष्टि से पहले से स्थापित है। उन्होंने टीजेयूडीए और एचआरडीए सहित अन्य चिकित्सा संगठनों से भी इस प्रयास में शामिल होने का आग्रह किया। उम्मीदवारों ने चेतावनी दी कि 85 प्रतिशत कोटा लागू न होने की स्थिति में सैकड़ों स्थानीय मेडिकल स्नातकों को नुकसान होगा और राज्य में स्थानीय विशेषज्ञ डॉक्टर्स की संख्या प्रभावित होगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

'संविधान हमें एक राष्ट्र के रूप में बांधता है' : बीजेपी सांसद डॉ. लक्ष्मण

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ बीजेपी नेता डॉ. के. लक्ष्मण ने बुधवार को कहा कि भारतीय संविधान सनातन धर्म की भावना में निहित है और यह नागरिकों को एक राष्ट्र के रूप में जोड़ता है। उन्होंने लोगों से दुनिया के सबसे बड़े लिखित संविधान की विरासत को बनाए रखने का आग्रह किया। केशव मेमोरियल शैक्षिक संस्थानों, नारायणगुडा में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन (सीबीसी) द्वारा आयोजित संविधान दिवस की फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए डॉ. लक्ष्मण ने संविधान को एक जीवित दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह संतुलित अधिकारों और कर्तव्यों के माध्यम से समानता सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात मुख्यमंत्री कार्यकाल की एक घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार संविधान को सजाए गए अम्बारी में रखकर भव्य जुलूस निकाला गया था, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान को दर्शाता है। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया, जिसे 2015 से पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और अन्य संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वागत भाषण में, श्रुति पाटिल, अतिरिक्त महानिदेशक, पीआईबी ने कहा कि यह दिवस 1949 में संविधान को अपनाने की स्मृति में मनाया जाता है और युवाओं को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने के लिए सीबीसी की पहलोंफोटो पैनल, क्विज़ और सेल्फी बूथ को उजागर किया। प्रदर्शनी में संविधान के विकास को दर्शाने वाले 33 पैनल और 150 वर्षों के वंदे मातरम के विशेष खंड को शामिल किया गया है। छात्रों और आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए ऑनलाइन क्विज़, डिजिटल सेल्फी किओस्क और सेल्फी पॉइंट लगाए गए हैं। यह प्रदर्शनी 30 नवंबर तक खुली रहेगी। सीबीसी, पीआईबी और केएमईएस के अधिकारी डॉ. ए.वी. सुब्रह्मण्यम, एल. प्रभाकर रेड्डी और डॉ. वाणी अक्किपेड्डी उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेजों से लिए गए बैंक ऋण में ईडी को बड़ी सफलता

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), हैदराबाद ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए प्राप्त धोखाधड़ी वाले बैंक ऋण से जुड़े धन शोधन के एक मामले में दोषसिद्धि हासिल की है। नामपल्ली स्थित एमएसजे कोर्ट ने बुधवार को मल्लिका इन बार एंड रेस्टोरेंट के मालिक एल. श्रीनिवास गौड़ को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने गौड़ और उनकी कंपनी पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

ईडी के अनुसार, गौड़ ने अपनी मां की संपत्ति के दस्तावेजों में हेराफेरी की और एक जालसाज की मदद से फेडरल बैंक से धोखे से ऋण लिया। घर के नवीनीकरण के नाम पर लिए गए इस ऋण को बाद में अन्य कामों में खर्च किया गया, जिससे बैंक को 44.8 लाख रुपये का नुकसान हुआ। मुकदमे के दौरान गौड़ कई बार अदालत में पेश होने से बचता रहा, जिसके कारण उसके खिलाफ कई गैर-जमानती वारंट जारी किए गए।

जुबली हिल्स में सड़क खुदाई से जनजीवन प्रभावित

खुली नालियों और धीमे काम पर निवासियों में नाराज़गी

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स क्षेत्र में सड़क खुदाई और भूमिगत जल निकासी कार्यों की धीमी रफ्तार ने स्थानीय निवासियों का जीवन मुश्किल बना दिया है। उपचुनाव से कुछ दिन पहले शुरू किया गया यह काम अब भी अधूरा है और कई जगहों पर खाइयाँ खुली छोड़ दी गई हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

एसबीएच कॉलोनी, कमलापुरी कॉलोनी, शालिवाहन नगर कॉलोनी, एलआईसी कॉलोनी, सत्य साईं निगमगमम के पास मुख्य मार्ग और येल्लारेड्डीगुडा जैसे क्षेत्रों में नागरिक परियोजनाओं के कारण आवाजाही बाधित है। कई परिवारों ने शिकायत की है कि उन्हें रोज़मर्रा की आवाजाही में भारी दिक्कत हो रही है।

निवासियों ने कहा कि सड़क मरम्मत और नए भूमिगत नालों के काम की धीमी प्रगति से उनका दैनिक जीवन ठप हो गया है। कमलापुरी और एलआईसी कॉलोनी के लोगों ने बताया कि खुली खाइयों और अवरुद्ध सड़कों के चलते गाड़ी चलाना और पैदल चलना बेहद मुश्किल हो गया है। एक निवासी ज्योत्सना ने कहा कि वे नई सीसी सड़क का स्वागत करती हैं, लेकिन काम पूरा होने की कोई स्पष्ट समयसीमा न होने से लोग परेशान हैं। इसी तरह, श्री सत्य साईं निगमग्राम के पास मुख्य मार्ग पर गहरी खुदाई के कारण सड़क लगभग बंद हो चुकी है, जिससे जुबली हिल्स चेक-पोस्ट और पुजागुट्टा मेट्रो स्टेशन की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को बड़ी समस्या हो रही है। जीएचएमसी अधिकारियों ने देरी का कारण चुनाव प्रचार गतिविधियों और रात के समय काम में आने वाली बाधाओं को बताया। इंजीनियरिंग विंग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सभी कार्य संक्रांति से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

हैदराबाद में ओजी कुश ले जाते युवक की गिरफ्तारी

टास्क फोर्स ने 3 लाख रुपये की ड्रग्स बरामद की

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल आबकारी टास्क फोर्स ने बुधवार को एक युवक को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर उच्च गुणवत्ता वाले मादक पदार्थ 'ओजी कुश' को ले जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के कसोल निवासी सुजीत राव और नव्या नाम के दो ड्रग डीलर ओजी कुश खरीदकर कूरियर सेवा के जरिए हैदराबाद में अपने संपर्क कुमार श्रीवास्तव को भेज रहे थे। आरोप है कि ये लोग वीडियो कॉल के माध्यम से खरीदारों से संपर्क कर शहर के युवाओं को ड्रग्स बेचने की योजना बना रहे थे। गुप्त सूचना पर टास्क फोर्स ने सुचित्रा के पास कुमार श्रीवास्तव को पकड़ लिया और उसके पास से 3 लाख रुपये कीमत का 260 ग्राम ओजी कुश बरामद किया। बताया गया कि सुजीत राव और नव्या इस रैकेट के मुख्य सप्लायर हैं और दोनों अभी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है।

गांधी अस्पताल में दुर्लभ वायुमार्ग सर्जरी सफल

24 वर्षीय मरीज की जान बचाई

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियोथोरेसिक सर्जन और बहु-विषयक चिकित्सा टीम ने 24 वर्षीय युवक पर अत्यंत जटिल वायुमार्ग सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। मरीज विजय कुमार को अवरुद्ध श्वासनली के कारण गंभीर सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगस्त में जहर खाने की घटना के बाद निजी अस्पताल में उनकी ट्रेकियोस्टोमी की गई थी। छुट्टी मिलने के बाद उनकी श्वासनली में गंभीर संकुचन विकसित हो गया, जिससे सांस लेने और निगलने में कठिनाई बढ़ती गई।

गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. एस. वाणी के अनुसार, यह प्रक्रिया निजी अस्पतालों में 10 से 15 लाख रुपये तक की होती है, लेकिन अस्पताल में इसे नि:शुल्क किया गया। उन्होंने बताया कि यह सर्जरी अत्यंत महंगी और जोखिमपूर्ण होती है। कार्डियोथोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के प्रमुख डॉ. जी. रविन्द्र ने टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि ट्रेकिअल रिसेक्शन और प्राइमरी एनास्टोमोसिस कहा जाने वाला यह ऑपरेशन अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। इसमें श्वासनली के क्षतिग्रस्त हिस्से को हटाकर स्वस्थ भागों को सावधानीपूर्वक जोड़ना पड़ता है।

डीजीपी कार्यालय में संविधान दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय में बुधवार को संविधान दिवस का आयोजन गरिमापूर्ण और सार्थक ढंग से किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। अतिरिक्त डीजीपी (शांति एवं सुरक्षा) महेश एम. भगवत, अतिरिक्त डीजीपी (मल्टी ज़ोन-II) डी.एस. चौहान और अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिरिक्त डीजीपी के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सम्मानपूर्वक पाठ किया और सामूहिक रूप से प्रतिज्ञा ली। इस प्रस्तावना में भारत के लोगों के संकल्प को दोहराया गया कि वे देश को एक सार्वभौमिक, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाएँ और सभी नागरिकों के लिए न्याय सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास और पूजा की स्वतंत्रता; अवसर और स्थिति में समानता; और भ्रातृत्व को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता सुनिश्चित करें। सभी पुलिस कर्मियों ने संवैधानिक मूल्यों का पालन करने, नागरिक अधिकारों की रक्षा करने और ईमानदारी व समर्पण के साथ अपने कर्तव्य निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एआईजी (शांति एवं सुरक्षा) रमण कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, डीजीपी कार्यालय के मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य कर्मी उपस्थित थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम के मालिक शिवकुमार की मौत

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। गोमती इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक शिवकुमार बंसल (49) की बुधवार को अपोलो डीआरडीओ अस्पताल में गंभीर जलने के कारण मौत हो गई। दो दिन पहले उनके शाहलीबंदा स्थित शोरूम में देर रात विस्फोटों की एक के बाद एक श्रृंखला हुई, जिसके बाद आग ने पूरे परिसर को घेर लिया था। घटना सोमवार रात करीब 11 बजे हुई, जब दुकान में अचानक तीन धमाके हुए और कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई। इस दौरान शिवकुमार बंसल गंभीर रूप से झुलस गए और दुकान के अंदर बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसी घटना में दुकान के पास खड़ा लगभग 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ। उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुगलपुरा पुलिस ने आग और विस्फोटों के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रूप से संदेह है कि बिजली की खराबी या किसी ज्वलनशील पदार्थ से आग भड़की हो सकती है, हालांकि पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और जल्द ही स्पष्ट जानकारी मिलेगी। पुलिस ने नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि घटना में मारे गए अज्ञात व्यक्ति की पहचान कराने में मदद करें।

हैदराबाद मेट्रो रेल ने संविधान दिवस मनाया प्रारंभिक प्रस्तावना का पाठ किया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) ने बुधवार को गर्व के साथ संविधान दिवस मनाया और भारतीय संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर, एचएमआर के मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (सीईई) डी.वी.एस. राजू ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया।

हैदराबाद मेट्रो रेल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व के सिद्धांतों को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर बोलते हुए, राजू ने संविधान दिवस के महत्व पर जोर दिया और बताया कि यह प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का दिन है। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल का कार्यबल सुरक्षित, प्रभावी और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित करके समानता और सामाजिक न्याय के संवैधानिक दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस उत्सव का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा यह संकल्प लेकर हुआ कि वे जनता की सेवा ईमानदारी, समर्पण और संवैधानिक मूल्यों के सम्मान के साथ जारी रखेंगे।

लखीमपुर-खीरी जिले में दर्दनाक हादसा, नदी में गिरी कार, डूबने से पांच लोगों की मौत

लखीमपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी जिले में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बारात से लौट रही आल्टो कार में चालक समेत छह लोग सवार थे। गांव मझरा पूरब में कार पुल से सुटिया नदी में गिर गई, जिसमें डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक बहराइच जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वहीं, कार चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पहुंची पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में हार पर मंथन करेगी कांग्रेस

61 प्रत्याशियों से मांगी जाएगी रिपोर्ट

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अब व्यापक समीक्षा की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए 27 नवंबर को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में बड़ी बैठक बुलाई गई है, जिसमें बिहार कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता, विधायक और प्रत्याशी शामिल होने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव के तुरंत बाद से ही बिहार कांग्रेस के अंदर असंतोष और गुटबाजी खुलकर सामने आ चुकी है।

प्रत्येक प्रत्याशी को प्रस्तुत करनी होगी विस्तृत रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार, बैठक में कांग्रेस के उन सभी 61 प्रत्याशियों को बुलाया गया है, जिन्होंने इस चुनाव में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया था। प्रत्येक प्रत्याशी को अपने क्षेत्र की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि किस वजह से हार का सामना करना पड़ा, स्थानीय स्तर पर कौन से मुद्दे प्रभावी रहे और संगठनात्मक कमियों ने कितनी भूमिका निभाई। यह रिपोर्ट चुनावी रणनीति की समीक्षा का आधार बनेंगी।

बिहार में इस बार 61 सीटों पर चुनाव लड़ी थी कांग्रेस

कांग्रेस ने इस बार बिहार में 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से मात्र छह सीटें ही उसके खाते में आईं। पार्टी इसे अब भविष्य की रणनीति तय करने का अवसर मान रही है। बैठक में यह भी समीक्षा होगी कि महागठबंधन के भीतर कांग्रेस की पकड़ कमजोर क्यों पड़ गई और संगठनात्मक रूप से पार्टी किन मोर्चों पर पिछड़ गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बैठक बिहार में कांग्रेस की साख बचाने और संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम साबित हो सकती है। पार्टी की कोशिश होगी कि हार के कारणों को समझकर आगामी चुनावों के लिए बेहतर और प्रभावी रणनीति बनाई जा सके।

43 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी

बिहार कांग्रेस में नतीजों के बाद से ही विवाद और आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। टिकट वितरण को लेकर उठी नाराजगी शांत होने का नाम नहीं ले रही है। चुनाव बाद पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में 43 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और सात नेताओं को निष्कासित कर दिया था। इसके बावजूद एक नाराज गुट दिल्ली में डेरा डाले हुए है और राहुल गांधी से मुलाकात की मांग कर रहा है। पार्टी के अंदर चल रही यह उठा पटक आगामी बैठक को और भी संवेदनशील बना देती है। 27 नवंबर की बैठक में जीतने वाले छह विधायकों के साथ प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, सांसद शकील अहमद खान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। चुनावी प्रदर्शन पर सभी अपने-अपने क्षेत्र की तस्वीर पार्टी नेतृत्व के सामने रखेंगे।

कातिल ने हथौड़ा मारकर मां-बेटी के सिर की हड्डी तोड़ी

गोरखपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में बुजुर्ग मां और बेटी को कातिल ने एक झटके में मार दिया। दोनों के सिर पर इतनी तेज हथौड़ा मारा कि उनकी सिर की हड्डी 4-5 टुकड़ों में टूट गई। मर्डर के पीछे 1 मकान का विवाद बताया जा रहा है, जिसकी कीमत 4 करोड़ रुपए हैं। मां और बेटी इसी मकान के ग्राउंड फ्लोर पर रहती थीं। क्राइम सीन कुछ ऐसा है कि घर में कातिल के साथ कहीं भी कोई स्ट्रगल के निशान नहीं मिले हैं। इससे पुलिस को लग रहा है कि शांति देवी (90) और उनकी बेटी विमला जायसवाल (55) कातिल को पहले से जानती थीं। कातिल भी घर के पूरे स्ट्रक्चर को समझ रहा था, यहीं वजह कत्ल के बाद वो घर के मेन गेट को अंदर से लॉक करके पीछे के रास्ते से भाग निकला। पैदल ही उसने घर के पीछे की गली को पार किया। पुलिस जब मेन गेट को तोड़कर अंदर पहुंची, तो शांति देवी की बॉडी ड्राइंग रूम के सोफे पर थीं। जबकि उनकी बेटी की लाश अंदर बेडरूम में थी। ऐसे में पुलिस 3 लाइन पर जांच कर रही है

मधेपुरा और सोनपुर में मर्डर

आरजेडी ने कहा- 'मोदी जी सिक्सर की गोलियां आपके राज में

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के अलग-अलग जिलों में बीते दो-तीन दिनों में कई घटनाएं हुई हैं। इसको लेकर आरजेडी की ओर से नीतीश कुमार, पीएम मोदी और सम्राट चौधरी को घेरा जा रहा है। आरजेडी के एक्स हैंडल से कई पोस्ट किए गए हैं। बुधवार (26 नवंबर, 2025) को राष्ट्रीय जनता दल ने अपने एक पोस्ट में कई घटनाओं का जिक्र किया और इसे मोदी-नीतीश का महाजंगलराज बताया।

आरजेडी ने लिखा, मधेपुरा में बढ़ई की गोली मारकर हत्या! सीतामढ़ी में गोलीबारी, युवक को लगी गोलियां! सोनपुर में अपराधियों ने गोली मार की शिक्षक की हत्या! बेतिया में बारात पर ताबड़तोड़ फायरिंग, कई को लगी गोली, गोपालगंज में शादी समारोह में फायरिंग, कई को लगी गोली, मोदी-नीतीश का महाजंगलराज, जातिवादी मीडिया का रामराज्य! मोदी जी सिक्सर की गोलियां आपके समर्थक अब गरीब लोगों पर चला रहे हैं।

पीएम मोदी ने किया था सिक्सर के गोली का जिक्र

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विधानसभा चुनाव के दौरान बिहार आए थे तो उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए आरजेडी को भोजपुरी गाने के बोल के जरिए निशाने पर लिया था। उस वक्त पीएम मोदी ने मारी सिक्सर के छह गोली... का जिक्र करते हुए आरजेडी पर हमला किया था। अब उन्हीं की बातों से आरजेडी ने बिहार में ही रही आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए पलटवार किया है।

आरजेडी की ओर से किए गए अलग-अलग पोस्ट

1) बिहार में जंगलराज! पटना के होटल में खाना खाया, पैसे मांगे तो बरसा दी दनादन गोलियां

2) मधुबनी में अपराधियों का आतंक, 3 युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग! भाजपाई जंगलराज में अपराधी बने सम्राट!

3) भागलपुर में 4-5 दर्जन मोदी समर्थक सम्राट अपराधियों ने मंगलराज समझ बारात पर किया हमला! अनेक घायल, बारातियों से जेवरात, गहने और पैसे लूटे, महिलाओं के साथ छेड़खानी की, मोदी है तो मुमकिन है बोल-दूल्हा जान बचाकर भागा!

4) पटना में खून ही खून! अब हुआ ट्रिपल मर्डर! अपराधियों ने कानून व्यवस्था का बजाया घंटा, बड़बोले गृहमंत्री का मुंह लटका!

5) रोहतास में गोलीबारी से तीन लोगों की मौत! ये अपराध जंगलराज की श्रेणी में नहीं आएंगे क्योंकि बीजेपी सरकार में अचेत मुख्यमंत्री और बड़बोला गृहमंत्री है। बाकी सिस्टम वही है।

कहां गायब हैं नेहा सिंह राठौर

क्यों तलाश रही लखनऊ और वाराणसी पुलिस, नोटिस का भी नहीं दे रहीं जवाब

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)। लोकप्रिय भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर इन दिनों पुलिस के रडार पर हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर सोशल मीडिया में की गई कथित भड़काऊ पोस्ट के मामले में वाराणसी और लखनऊ पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही है। वाराणसी के लंका थाने में नेहा सिंह राठौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा लखनऊ के हजरतगंज थाने में भी एक अलग मामला दर्ज किया गया है। दोनों जगह पुलिस ने नेहा को कई बार नोटिस भेजे, लेकिन अभी तक वह जांच में शामिल नहीं हुई हैं। वाराणसी पुलिस नेहा के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित फ्लैट पर पहुंची। घर बंद मिला तो दरवाजे पर जांच में शामिल होने का नोटिस चिपका दिया गया। वाराणसी पुलिस का कहना है कि नेहा अभी तक अपना बयान दर्ज कराने नहीं आई हैं। दूसरी तरफ हजरतगंज पुलिस ने भी नेहा सिंह राठौर को दो बार नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया, लेकिन वह पेश नहीं हुईं। इसी बीच उन्होंने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है, मगर कोर्ट में अपना पक्ष रखने और बयान दर्ज कराने भी नहीं पहुंचीं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों शहरों की टीमें उनके ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और जल्द ही उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी। नेहा सिंह राठौर अक्सर अपने गानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सामाजिक-सियासी मुद्दों पर बेबाक राय रखती रही हैं, जिसके कारण पहले भी कई बार विवादों में घिरी हैं।

स्कूल जा रही छात्राओं को डंपर ने उड़ाया

वैशाली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। वैशाली में बुधवार सुबह स्कूल जा रही 2 छात्राओं को डंपर ने उड़ा दिया। ट्रक की स्पीड ज्यादा थी। ड्राइवर दोनों को करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद उसने गाड़ी रोकी। गांव के लोगों ने दोनों छात्राओं को डंपर के नीचे से निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की हालत गंभीर बनी है। नाराज परिवार के लोगों ने सड़क जाम कर दी। आगजनी कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें 2 लड़कियां साइकिल से स्कूल जाती दिख रही हैं। सर्विस रोड से जैसे ही वो मेन रोड पर आती हैं सामने से डंपर आ जाता है। डंपर की स्पीड ज्यादा थी। वो लड़कियों को उड़ाते हुए करीब 200 मीटर तक घसीटता है। हादसा लालगंज के रामपुर चौक पर फकुली मुख्य मार्ग पर हुआ। घायल छात्राओं के नाम आशा कुमारी और लक्ष्मी कुमारी हैं। छात्राओं की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। आशी कुमारी को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर और लक्ष्मी कुमारी को पटना रेफर किया गया है।

शादी के 10वें दिन भागी दुल्हन, गहने-नकदी लूट ले गई

शामली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। शामली में एक लुटेरी दुल्हन शादी के 10वें दिन फरार हो गई। वह ससुराल में रखे गहने और नकदी भी साथ ले गई। बिचौलियों ने 20 लाख रुपए लेकर व्यापारी की शादी कराई थी। घटना के समय पति किसी काम से बाहर गया हुआ था। घर के बाकी लोग सो रहे थे। ससुराल वाले सोकर उठे तो देखा दुल्हन घर में नहीं दिखी। इसके बाद बेटे को फोन किया। घर पहुंचे बेटे ने देखा तो कमरे की आलमारी खुली हुई थी। सारा सामान गायब था।

युवक ने सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। मामला सिटी क्षेत्र के नाला पटरी आर्यपुरी का है। नाला पटरी आर्यपुरी के रहने वाले अर्चित ने बताया कि उसकी शादी 11 नवंबर को कुरुक्षेत्र की रहने वाली रिंकी से हुई थी। कार्तिक, अनुज, मोनू पांचाल और टीनू ने मेरी शादी कराई थी। इसके बदले उन्होंने मुझसे 2 लाख रुपए लिए थे। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मेरी रिंकी की शादी काली जी के मंदिर में हुई। इसके बाद रिंकी मेरे साथ शामली आ गई। शादी के बाद वह मेरे साथ में घूमने और खरीदारी पर भी जाती रही। 20 नवंबर की दोपहर को रिंकी घर से सोने-चांदी के जेवर, 1 लाख 30 हजार रुपए नकद और फोन के अलावा कीमती सामान लेकर गायब हो गई।

इसके बाद हम लोगों ने शादी कराने वाले लोगों से संपर्क किया।बिचौलियों ने सोमवार तक रिंकी को वापस भेजने का वादा किया। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर मैंने पुलिस में इसकी शिकायत की। कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शादी कराने वाले बिचौलियों और दुल्हन के रिलेशन की जांच की जा रही है।

युवती की मौत पर मचा बवाल, भाई ने लिव-इन-पार्टनर पर लगाया आरोप

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 19 साल की युवती अफसरी बानो की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवती रायबरेली के गदागंज मंडी क्षेत्र की रहने वाली थी। पिछले दो महीने से अपने लिव-इन पार्टनर के साथ लखनऊ में रह रही थी। मृतका के भाई रईस ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी बहन की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर ने की है। घटना के बाद से वह फरार है और उसका मोबाइल फोन भी रात से स्विच ऑफ आ रहा है। मामला गोमती नगर के विभूति खंड क्षेत्र का है। रईस के अनुसार, उनकी बहन अफसरी करीब दो महीने पहले रायबरेली के ही एक युवक के साथ घर से चली गई थी।

बिजनौर में एक ही गांव की 3 लड़कियां गायब

तीनों की अलग-अलग कहानियां; पुलिस भी रह गई हैरान

बिजनौर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर के महावतपुर बिल्लौच गांव की तीन युवतियां अचानक रहस्यमय ढंग से गायब हो गई हैं। इन युवतियों की उम्र 19 से 20 वर्ष के बीच बताई जा रही है। परिवारों ने पहले खुद ढूंढने की कोशिश की, लेकिन जब कोई पता नहीं चला तो स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अधिकारियों ने तुरंत पुलिस की तीन अलग-अलग टीमें गठित कीं और तलाशी अभियान तेज़ कर दिया। इसी बीच, पुलिस को तीनों लड़कियों के बारे में एक चौंकाने वाली बात पता चली। पुलिस क्षेत्राधिकारी नितेश प्रताप सिंह के अनुसार, तीनों युवतियां मानसिक तनाव का सामना कर रही थीं।

उनमें से दो युवतियां एक-दूसरे की बहुत करीबी दोस्त थीं। उनके परिवार उनकी दोस्ती नहीं करते थे और अक्सर उन्हें डांट-फटकार कर अलग रहने की सलाह देते थे। लगातार लग रही रोक-टोक और डांट से परेशान होकर दोनों ने घर छोड़ने और कहीं बाहर नौकरी तलाशने का फैसला कर लिया था। वे बिना किसी को बताए घर से चुपचाप निकल पड़ीं।

24 घंटे के अंदर पुलिस ने पता लगाया

उधर, बिजनौर पुलिस लगातार तकनीकी इनपुट, कॉल डिटेल्स और मोबाइल लोकेशन की मदद से उनकी तलाश में जुटी रही। तीन टीमों ने तालमेल बनाकर तेजी से काम किया और आखिरकार 24 घंटे के भीतर दिल्ली में तीनों युवतियों का लोकेशन ट्रेस कर लिया। पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बरामद कर लिया और परिजनों को सूचना दी। तीनों के सुरक्षित लौटने पर घरवालों ने राहत की सांस ली। गांव में भी इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

सम्राट चौधरी का बड़ा फैसला—बिहार में एंटी रोमियो स्क्वायड की शुरुआत

छेड़खानी पर पिंक पुलिस करेगी तुरंत एक्शन

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ जैसे ही सम्राट चौधरी ने गृह विभाग संभाला, बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर एक नया दौर शुरू होता दिखा। 1972 के बाद पहली बार किसी गैर-मुख्यमंत्री ने गृह मंत्रालय की कमान ली है और सम्राट चौधरी ने आते ही घोषणा कर दी। छेड़खानी हुई तो आरोपी ही नहीं, जिम्मेदार पुलिसकर्मी भी कार्रवाई होगी। अपराधियों-कुख्यातों की संपत्ति जब्ती से लेकर साइबर अपराध पर 'सफाई अभियान' पर सख्त फैसला लिया। पदभार ग्रहण करते ही सम्राट चौधरी शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने साफ कर दिया कि अब बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एंटी रोमियो स्क्वॉड और पिंक पुलिस तैनात होगी

सम्राट चौधरी ने महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि एंटी रोमियो स्क्वॉड यूपी मॉडल पर तैयार किया जाएगा। हर स्कूल-कॉलेज के छुट्टी समय के आसपास पिंक पुलिस तैनात रहेगी और किसी भी तरह की छेड़खानी पर सीधे कार्रवाई होगी। उन्होंने साफ कहा -अगर किसी युवती, छात्रा या महिला से छेड़खानी हुई, तो आरोपी तो गिरफ्तार होगा ही, लेकिन लापरवाही करने वाली पुलिस पर भी कार्रवाई होगी।

डिजिटल अपराध के खिलाफ सफाई अभियान

साइबर क्राइम और डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए गृहमंत्री ने बड़ा अभियान चलाने का एलान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर अपशब्द, भड़काऊ पोस्ट, आपत्तिजनक फोटो-वीडियो डालने वालों की पहचान तत्काल की जाए और कार्रवाई में देरी न हो। जेल प्रशासन को भी कड़ी चेतावनी दी गई है। जेल में मोबाइल मिलने पर जेल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी। डॉक्टर की अनुमति के बिना कैदियों को बाहर से भोजन भेजने पर रोक होगी।

400 माफियाओं की संपत्ति जब्ती की प्रक्रिया शुरू

सम्राट चौधरी ने कहा कि संगठित अपराध का नेटवर्क तोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू हो गई है। राज्य में बालू, शराब और जमीन से जुड़े करीब 400 कुख्यात अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए सूची तैयार है। दो माफियाओं की संपत्ति जब्ती की अनुमति कोर्ट से मिल चुकी है। गृहमंत्री ने कहा— बिहार में अपराध करके करोड़ों की संपत्ति खड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। स्पीडी ट्रायल चलेगा और सजा सुनिश्चित की जाएगी।

कानून-व्यवस्था सुधारने की तैयारी

पदभार संभालने के तुरंत बाद सम्राट चौधरी ने पांच पूर्व डीजीपी और निगरानी ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में अपराध नियंत्रण, जेल मॉनिटरिंग, स्पेशल कोर्ट बढ़ाने और आर्म्स एक्ट मामलों में समयबद्ध सजा सुनिश्चित करने पर सुझाव मिले।

उन्होंने कहा कि सभी सुझावों को लागू किया जाएगा और पुलिस प्रशासन को और मजबूत किया जाएगा।

बिहार में सुशासन कायम रहेगा

अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में कानून का राज और सुशासन को और मजबूत किया जाएगा। यूपी मॉडल की चर्चा पर उन्होंने कहा कि बिहार अपना मॉडल भी प्रभावी तरीके से लागू करेगा।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के खिलाफ हिंदू महासभा

जिलाध्यक्ष बोलीं- कब्र तैयार है, बाबरी मस्जिद को लेकर दिया बड़ा बयान

आगरा, 26 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा में टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के बयान के बाद अखिल भारतीय हिंदू महासभा में नाराजगी है। यमुना नदी के किनारे कब्र खोदकर हुमायूं कबीर के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश में कहीं भी बाबरी मस्जिद की नींव रखने नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या छावनी मठ के संत जगद्गुरु परमहंस ने भी टीएमसी विधायक के बयान पर नाराजगी व्यक्त की है। इस मौके पर महासभा की तरफ से कब्र खोदकर प्रतीक के रूप में टीएमसी विधायक के पुतले को दफन किया गया।

देश में कहीं भी बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने दी जाएगी

उत्तर प्रदेश के आगरा में हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर के नेतृत्व में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कहा कि देश में कहीं भी मस्जिद की नींव रखने नहीं दी जाएगी। बाबरी मस्जिद को लेकर जो कोई भी सोचेगा उसे भी खत्म कर दिया जाएगा। इसीलिए हुमायूं कबीर की कब्र खोद रखी है। उसने घोषणा की है कि 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी तो 7 दिसंबर को उसे कब्र में दफन कर दिया जाएगा। हमारे गुरुजी ने एक करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। इनाम के साथ मैं अपनी सोने की चार चूड़ियां भी उसको इनाम में दूंगी।

गजवा हिंद की सोच रखता है विधायक

हिंदू नेता ने कहा कि टीएमसी का मुर्शिदाबाद विधायक हुमायूं कबीर गजवा हिंद की सोच रखता है। बाबर के वंश को आगे बढ़ना चाहता है। अभी तो बिहार में सुपड़ा साफ हुआ है। अब पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का भी जंगल राज खत्म करेंगे। टीएमसी विधायक नींव रखने की बात कर रहा है। जम्मू कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कहीं भी बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने दी जाएगी। ऐसी मानसिकता वाले लोगों के लिए ही यह कब्र खोदी गई है। इस मौके जमकर नारेबाजी की गई।

संविधान दिवस : सीएम योगी बोले-हमारा संविधान सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक, हर नागरिक को समान अधिकार

लखनऊ, 26 नवंबर (एजेंसियां)। 76वें संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजन हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य के कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार भी शामिल रहा। यहां संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ और शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। न्याय, समता और बंधुता भारत के संविधान की मूल भावना हैं। 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की अद्भुत दृष्टि, प्रखर विचार और अथक परिश्रम से निर्मित हमारा संविधान विश्व के सबसे सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। संविधान, राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का आधार होने के साथ ही हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर भी प्रदान करता है।

रेलवे में 'हलाल मीट' परोसे जाने पर उठे सवाल

शिकायत के बाद एनएचआरसी ने रेलवे बोर्ड को भेजा नोटिस; 2 हफ्ते में मांगी एक्शन रिपोर्ट

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भारतीय रेलवे में केवल 'हलाल मीट' परोसे जाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है। आयोग ने इस मामले पर दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। दरअसल, एनएचआरसी को एक व्यक्ति ने शिकायत दी है कि भारतीय रेलवे की खानपान सेवाओं में केवल हलाल तरीके से तैयार किया गया मीट ही परोसा जाता है, जिसके कारण हिंदुओं, सिखों और अनुसूचित जाति के लोगों के मानवाधिकार का हनन होता है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में एनएचआरसी से ये भी कहा है, हलाल मीट परोसे जाने के कारण हिंदू, सिख या अनुसूचित जाति के जो मीट कारोबारी हैं, उन्हें रेलवे में खाद्य आपूर्ति और व्यापार का उचित अवसर नहीं मिल पाता है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एनएचआरसी ने इस मामले पर संज्ञान लिया है और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है।

आयोग ने निर्देश दिया है कि रेलवे इस मामले में क्या कार्रवाई कर रहा है, इसकी पूरी जानकारी (एटीआर) दो सप्ताह के अंदर आयोग को सौंपी जाए। दरअसल, रेलवे में सिर्फ हलाल मीट परोसे जाने को लेकर सार्वजनिक बहस और शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। इसे लेकर कई कारण और दावे सामने आते हैं, हालांकि भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने आधिकारिक तौर पर 'हलाल' सर्टिफिकेशन की अनिवार्यता से इंकार किया है।

'3 हफ्ते में हलफनामा दायर नहीं किया तो अगली सुनवाई में राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा

पुलिस थानों में सीसीटीवी को लेकर एससी की राज्य सरकारों को चेतावनी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस स्टेशनों में खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने 14 अक्टूबर को मामले पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकारों से जवाब मांगा था, लेकिन अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने जवाब देने के लिए 3 हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि अगर पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरों के काम न करने पर 3 हफ्ते में जवाब नहीं दिया गया, तो अगली सुनवाई में राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होना पड़ेगा।

एससी ने दिया 3 हफ्ते का समय

सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे के अनुसार, अभी तक सिर्फ 11 राज्यों ने ही सुप्रीम कोर्ट के सवालों का जवाब दिया है। वहीं, केंद्र सरकार ने भी एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के संबंध में अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। केंद्र की तरफ से कोर्ट में मौजूद अटॉर्नी जनरल तुषार मेहता ने अदालत से 3 हफ्ते का समय मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार,

16 दिसंबर को मामले की फिर से लिस्टिंग होगी। अगर तब तक किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने अपना हलफनामा दायर नहीं किया, तो संबंधित राज्य एजेंसियों के मुख्य सचिवों को अपने एप्लीकेशन के साथ कोर्ट में पेश होना होगा।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कस्टोडियल डेथ पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले पर कार्यवाही शुरू की थी। पिछले 7-8 महीनों में पुलिस कस्टडी में 11 लोगों की मौत हुई है। दिसंबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। हालांकि, कोर्ट के इस आदेश का पूरी तरह से पालन नहीं किया गया।

राजधानी में दो संदिग्ध मौतें, एक ने लगा ली फांसी, दूसरे का शव नाले में मिला; इलाके में हड़कंप

भोपाल, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल के पंचशील नगर इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पिछले पंद्रह दिन से वह अपनी ससुराल में था। वहां से दोपहर लौटा था। घर में ताला लगा मिला तो वह बालकनी से अंदर दाखिल हुआ तथा कमरे में फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट न मिलने के कारण आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। इधर करोंद इलाके से निशातपुरा पुलिस ने एक युवक की लाश बरामद की है। टीटी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनि गायकवाड़ पिता संजय गायकवाड़ (25) पंचशील नगर में रहता था। वह पुताई का काम करता है। उसके परिवार में भी सभी लोग प्राइवेट काम तथा मजदूरी करते हैं।

'मुझे और बच्चों को सुनने पड़ रहे ताने'

थार मालिक ने क्यों भेजा हरियाणा के डीजीपी को नोटिस

गुरुग्राम, 26 नवंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के एक थार मालिक ने हरियाणा डीजीपी ओम प्रकाश सिंह के थार मालिकों पर दिए बयान को अपमानजनक बताते हुए उन तक अपने वकील के माध्यम से लीगल नोटिस पहुंचाया है। नोटिस में बयान वापस लेने और सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। मालिक का आरोप है कि बयान के बाद लोगों ने ताने मारने शुरू कर दिए हैं, यहां तक कि उसके बच्चे भी स्कूल में सुनने को मजबूर हैं। आठ नवंबर को गुरुग्राम में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डीजीपी ओपी सिंह ने थार और बुलेट पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, पुलिस सारी गाड़ियों को नहीं पकड़ेगी, केवल थार और बुलेट वालों को पकड़ेंगे।

थार और बुलेट से सारे बदमाश चलते हैं। जिस तरह की गाड़ी का च्वाइश है वो माइंड सेट शो करता है। थार लेंगे, स्टंट करेंगे। जिसके पास भी थार होगी उसका दिमाग घूमा हुआ होगा। थार गाड़ी नहीं है यह एक स्टेटमेंट है, कि हम ऐसे हैं। ठीक है भुगतो जी। दोनों

मजे थोड़ा ना होंगे, दादागिरी भी हो और फंसे भी ना, दोनों कैसे होगा।

इस बयान को अपमानजनक मानते हुए अब एक गुरुग्राम के थार मालिक ने नोटिस में लिखा कि डीजीपी के बयान के बाद समाज में उनका मजाक बनाया जाने लगा। इससे परेशान होकर उन्होंने थार चलानी छोड़ दी। इसलिए वह अपने बयान को लेकर माफी मांगें। अगर 15 दिन में उन्होंने ऐसा नहीं किया तो वह कानूनी कार्रवाई कराएंगे। गुरुग्राम के सेक्टर-102 में रहने वाले सर्वो मित्र ने अपने एडवोकेट वेदांत वर्मा के जरिए डीजीपी को लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में उन्होंने लिखा कि उन्होंने जनवरी 2023 में 30 लाख रुपये से ज्यादा की कीमत देकर थार गाड़ी खरीदी थी। थार की मजबूती परिवार के साथ ड्राइव के लिए अच्छी रहती है। लेकिन डीजीपी के बयान के बाद उन्हें ताने सुनने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीजीपी का बयान अपमानजनक, मजाक उड़ाने वाला और मानसिक रूप से अस्थिर बताने जैसा था। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे उन्हें रिश्तेदारों, पड़ोसियों और जान-पहचान वालों के बीच शर्मिंदगी, मजाक और मानसिक तनाव झेलना पड़ा। सर्वो मित्र ने यह भी कहा कि उनका एक बेटा पढ़ता है और दूसरा नौकरी करता है। उन्हें भी लोग चिढ़ाने लगे। इससे उनकी छवि खराब हुई। यह ग्रुप डिफेमेशन है, जो कानून के अनुसार अपराध है।

बयान बिल्कुल आधारहीन था। इससे पहले पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने भी अपने एक्स मीडिया हैंडल पर सीएम नायब सैनी को टैग करते हुए पूछा था कि क्या आपने भी कभी थार या बुलेट चलाई है? इस पोस्ट में दुष्यंत ने अपने और पूर्व सीएम एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की बुलेट चलाते ही फोटो डाली थी। इसके ऊपर दुष्यंत ने डीजीपी का बयान लिखा है कि थार और बुलेट से बदमाश चलते हैं। फोटो के नीचे सवाल लिखा था कि डीजीपी साहब! क्या ये भी।

आईआईटी बॉम्बे के नाम पर राजनीति

केंद्रीय मंत्री के बयान पर बिफरे राज ठाकरे, बोले- कड़वाहट बाहर आई

मुंबई, 26 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं। इस बीच आईआईटी बॉम्बे का नाम चर्चा में आ गया है। दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता राज ठाकरे ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के एक बयान पर तीखी टिप्पणी की और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जितेंद्र सिंह का बयान सरकार की सोच दिखाता है।

दरअसल केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की और इस दौरान अपने संबोधन में कहा था, 'जहां तक आईआईटी बॉम्बे की बात है, भगवान का शुक्र है कि इसका नाम अभी भी यही है। आपने इसे बदलकर मुंबई नहीं किया है।

यह आपकी एक और तारीफ है और मद्रास की भी क्योंकि वह भी आईआईटी मद्रास ही रहेगा।' केंद्रीय मंत्री के बयान पर तीखी टिप्पणी करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि मंत्री का बयान साफ तौर पर सरकार की सोच की निशानी लगता है।

क्या बोले राज ठाकरे

मनसे प्रमुख ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा कि मुंबई, जो हमेशा से मराठी लोगों का रहा है, उसे महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश को मराठी नेताओं और जनता ने नाकाम कर दिया। राज ठाकरे ने लिखा, 'हमारी मराठी मुंबई, महाराष्ट्र में ही रही। दशकों से इनके पेट में जो कड़वाहट भरी हुई थी, वह अब एक बार फिर बाहर निकलने लगी है। मुंबई के लोगों और पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में रहने वाले सभी मराठी लोगों को अब अपनी आंखें खोल लेनी चाहिए।

'मुंबई' नाम उन्हें (सत्तारूढ़ सरकार को) परेशान करता है क्योंकि इसका नाम मुंबई की असली देवी मुंबादेवी के नाम पर रखा गया है। उनके बच्चे मराठी लोग हैं जो पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को पंजाब के नियंत्रण से छीनने की कोशिश की, लेकिन बाकी सभी पार्टियों के विरोध के बाद सरकार पीछे हट गई।' ठाकरे ने कहा, 'मुंबई के मामले में भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। शहर पर चुपचाप कब्जा करने की कोशिश जरूर चल रही है। पहले मुंबई, और फिर पूरे एमएमआर इलाके पर कब्जा करके उसे गुजरात से जोड़ दिया जाएगा। मराठी लोगों को जाग जाना चाहिए।'

विहिप ने सेना में मिशनरी कट्टरता की घुसपैठ पर जताई चिंता, रोकने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सेना में मिशनरी कट्टरता की घुसपैठ पर चिंता जताई है, साथ ही उसपर रोकथाम पर जोर दिया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि मिशनरियों की कट्टर मानसिकता हमारी सेना में भी घुसपैठ करने की तैयारी में थी, लेकिन उस पर सर्वोच्च न्यायालय ने समय पर रोक लगा दी। सेना के जिस रेजीमेंट का अधिकारी, वह उसी रेजीमेंट के नियमों को पालने से सिर्फ इसलिए इंकार करने लगा क्यों कि ईसाइयत उसे ऐसा करने से मना करती है।

विभिन्न न्यायालयों से होता हुआ जब मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा तो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि 'गुरुद्वारा सबसे पंथनिरपेक्ष स्थान में से एक है।।।' उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 अनिवार्य धार्मिक परंपराओं की रक्षा करता है लेकिन हर भावना की नहीं। ईसाई धर्म में मंदिर प्रवेश करना कहां वर्जित है।

पीठ ने कहा कि अधिकारी ने एक स्थानीय पादरी की सलाह को भी नजरअंदाज कर दिया जिसने कथित तौर पर कहा था कि सर्वधर्म स्थल में प्रवेश करना ईसाई धर्म का उल्लंघन नहीं होता। एक बार एक वरिष्ठ ईसाई न्यायाधीश ने भी स्वधर्म का हवाला देकर एक सरकारी सार्वजनिक कार्यक्रम में जाने से मना कर दिया था जिसकी संपूर्ण देश ने निंदा की थी।

आज ये गुरुद्वारा प्रवेश से मना कर रहे हैं, कल ये ' भारत माता की जय' और वंदे मातरम् से और परसों कहेंगे कि सामने शत्रु एक ईसाई सैन्यकर्मी है इसलिए हम हथियार नहीं उठाएंगे! विहिप प्रवक्ता ने कहा कि प्रश्न उठता है कि।।।ईसाई मिशनरियों द्वारा फैलाई गई मजहबी कट्टरता देश को आखिरकार कहां तक लेकर जाएगी? मिशनरियों द्वारा बोया गया यह सांप्रदायिक जहर क्या हमारी वीर सेना की रेजिमेंट में भी घुसपैठ की कोशिश में है?

'यह सिखों का अपमान': शहीदी दिवस पर पंजाब नहीं आए मोदी, आप हमलावर, अमन अरोड़ा बोले- जवाब दें पीएम

चंडीगढ़, 26 नवंबर (एजेंसियां)। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समारोह पर आनंदपुर साहिब में आयोजित कार्यक्रम को लेकर पंजाब सरकार ने भव्य आयोजन किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न आने पर राजनीति तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एवं अन्य केंद्रीय मंत्रियों के न आने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इतने ऐतिहासिक अवसर होने के बावजूद पीएम मोदी नहीं पहुंचे। यह सिखों का अपमान है। साथ ही पंजाब के प्रति उनकी नफरत को भी उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए कि वह शहीदी दिवस के समारोहों में क्यों नहीं पहुंचे। अमन अरोड़ा ने कहा कि 25 अक्तूबर से श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत, शिक्षाओं और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नगर कीर्तन, लाइट-

एंड-साउंड शो, ड्रोन शो सहित कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह पूरी तरह गैर-राजनीतिक कार्यक्रम था, जिसमें सभी समुदायों, सभी विचारों के लोगों को आमंत्रित किया गया। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों को निमंत्रण भेजा गया, लेकिन प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक दिन आनंदपुर साहिब नहीं आए। साथ ही पंजाब भाजपा के नेता भी नहीं पहुंचे, जिन्हें सीएम भगवंत मान ने खुद पत्र लिखकर आमंत्रित किया था।

अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान स्थली पर सिर झुकाने नहीं पहुंचे। यह सिख पंथ और पंजाब की भावना की अनदेखी है। गुरु साहिब की शहादत न होती तो आज हिंदुस्तान का स्वरूप वैसा नहीं होता जैसा आज है। इसलिए यह दिन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की आत्मा से जुड़ा क्षण है।

मंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र से आनंदपुर साहिब की दूरी मात्र कुछ मिनट की हवाई उड़ान की है, फिर भी प्रधानमंत्री शहीदी समारोह में शामिल नहीं हुए। किसानों की मुद्दों पर बात करते हुए अरोड़ा ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के साथ खड़ी है, लेकिन उनकी अधिकांश मांगें केंद्र से संबंधित हैं। ऐसे में जब केंद्रीय कृषि मंत्री चंडीगढ़ आएं, तो उन्हें किसानों से जमीन पर बैठकर बात करनी चाहिए और सिर्फ औपचारिकताओं व फोटो तक बात सीमित नहीं रहनी चाहिए।

एसआईआर! जबलपुर में 3 बीएलओ सस्पेंड, 5 की सैलरी रोकने के आदेश

जबलपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में जारी एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन ने प्रशासनिक सख्ती को बढ़ा दिया है। इस बीच बीएलओ कर्मचारियों पर काम का अत्यधिक दबाव और लगातार बढ़ते हादसों ने पूरे सिस्टम को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है। जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने लापरवाही बरतने पर तीन बीएलओ को निलंबित करने तथा 5 बीएलओ की वेतनवृद्धि रोकने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही बेहतर काम करने वाले बीएलओ को सम्मानित कर यह स्पष्ट किया है कि बेहतर काम करने वालों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

हालांकि, राज्य में बीएलओ की लगातार हो रही मौतों ने व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर किया है। अब तक 6 बीएलओ अपनी ड्यूटी के दौरान दम तोड़ चुके हैं। शहडोल के सोहागपुर में बीएलओ मनीराम नापित मतदाता फार्म संग्रह के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से चल बसे। नर्मदापुरम के पिपरिया में शिक्षक और बीएलओ सुजान सिंह रघुवंशी सर्वे से लौटते समय ट्रेन हादसे का शिकार हुए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

मंडीदीप में ऑनलाइन बैठक के तुरंत बाद बीएलओ रमाकांत पांडे बेहोश हुए और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। झाबुआ में बीएलओ भुवन सिंह को हाल ही में लापरवाही में निलंबित किया गया था, जिसके बाद सदमे और तनाव के कारण उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी मृत्यु हो गई। दमोह और बालाघाट जिलों में भी दो बीएलओ लगातार दबाव और भागदौड़ के कारण बीमार पड़े और इलाज के दौरान चल बसे।

राजधानी भोपाल में भी दो बीएलओ, कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक का शिकार हुए और फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। रीवा, भिंड सहित कई जिलों से हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज के मामलों की रिपोर्टें सामने आ रही हैं।

राबड़ी देवी के बाद बेटे तेज प्रताप को भी बंगला खाली करने का नोटिस, जानें क्यों मिला ये आदेश

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद लालू परिवार को बड़ा झटका लगा है। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने लालू परिवार के दो महत्वपूर्ण सरकारी आवासों को खाली करने का नोटिस भेजा है। इनमें राबड़ी देवी का सरकारी आवास (10 सर्कुलर रोड) और लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का आवास शामिल है। बता दें कि तेज प्रताप इस बार का विधानसभा चुनाव महुआ सीट से हार चुके हैं। इसलिए विधायक न रहने पर उनका ये आवास खाली करना ही होगा। विभाग ने ये दोनों आवास नए मंत्रियों और विधान परिषद के नेता को आवंटित कर दिए हैं, जिसके बाद यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा है।

10 सर्कुलर रोडः दशकों पुराना ठिकाना छूटा

राबड़ी देवी को जो आवास खाली करने का नोटिस मिला है, वह सालों से लालू परिवार का मुख्य ठिकाना हुआ करता था। 10 सर्कुलर रोड, जिसे राबड़ी आवास के नाम से जाना जाता है, लालू परिवार का 2006 से ठिकाना था। बिहार विधान परिषद की नेता प्रतिपक्ष होने के नाते, राबड़ी देवी को केन्द्रीय पूल आवास संख्या-39, हार्डिंग रोड आवंटित किया गया है।

तेज प्रताप को भी आवास खाली करने का आदेश

वहीं, लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को भी अपना मौजूदा सरकारी आवास खाली करने का नोटिस मिला है। तेज प्रताप यादव फिलहाल 26एम स्टैंड रोड पर रहते हैं। यह आवास अब अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग के मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन को आवंटित कर दिया गया है। भवन निर्माण विभाग ने ये आवंटन नई सरकार गठित होने के बाद मंत्रियों को सुविधा देने के उद्देश्य से किए हैं।

सुशासन बाबू का विकास मॉडल- रोहिणी आचार्य का हमला

लालू परिवार को आवास खाली करने का नोटिस मिलने के बाद रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने आवास खाली कराने के निर्णय को 'अपमान' बताते हुए लिखा, सुशासन बाबू का विकास मॉडल। करोड़ों लोगों के मसीहा लालू प्रसाद यादव का अपमान करना पहली प्राथमिकता। घर से तो निकाल देंगे, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। सेहत नहीं तो कम से कम लालू जी के राजनीतिक क़द का ही सम्मान रखते।

कोबरा के सिर पर लगे 80 टांके ...और बच गई जान

उज्जैन, 26 नवंबर (एजेंसियां)। विक्रम नगर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में चल रहे कार्य के दौरान एक सांप गंभीर घायल हो गया था। घायल हालात में घूम रहे इस सांप की सूचना लोगों ने सर्प मित्रों को दी थी। उसके बाद वह घायल सांप को लेकर पशु चिकित्सालय पहुंचे थे। वहां डॉक्टर ने सांप के सिर और पीछे की ओर 80 टांके लगाकर सांप की जान बचा ली। इन दिनों विक्रम नगर इंडस्ट्रियल क्षेत्र निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें जेसीबी का उपयोग किया जा रहा है। मंगलवार रात को जेसीबी की चपेट में आकर एक कोबरा सांप घायल हो गया। सांप घायल अवस्था में ही तड़पता हुआ इधर-उधर घूम रहा था।

उसके सिर और पीछे की ओर काफी चोट लगी थी। सर्प की पीड़ा देख क्षेत्र के लोग भी विचलित हो गए। लोगों ने सर्प मित्र राहुल और मुकुल को घटना की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही दोनों मौके पर पहुंचे और सांप को रेस्क्यू कर उदयन मार्ग स्थित पशु चिकित्सालय ले गए। वहां पशु चिकित्सक मुकेश जैन ने सांप का दो घंटे तक जटिल ऑपरेशन किया और सांप को 80 टांके लगाकर उसकी सर्जरी की गई।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन बनेगा देश का सबसे ऊंचा 16 मंजिला मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, होंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

अहमदाबाद, 26 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में अहमदाबाद के लोगों को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने वाली हैं, यहां के कालूपुर रेलवे स्टेशन के नाम से चर्चित रेलवे स्टेशन को भारत का सबसे ऊँचे 16 मंजिला मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। जिसमें पार्किंग से लेकर, ऑफिस और एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का करीब 24 हजार करोड़ की लागत से पुनर्विकास का काम किया जा रहा है। जिसका मकसद स्टेशन को मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाना है। जो देश का सबसे ऊंचा स्टेशन होने के साथ तमाम आधुनिक सुविधाओं से लेस होगा और 35 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला होगा।

इस मामले पर पश्चिम रेलवे के डीआरएम वेद प्रकाश ने कहा कि अहमदाबाद स्टेशन दुनिया के सबसे बड़े स्टेशन डेवलेपमेंट का हिस्सा है। इसमें 16 मंजिल फ्लोर का बिल्डिंग बनना है, इसके 15 मंजिल का हिस्सा बनकर तैयार हो गया है। नीचे दो अंडरग्राउंड और ऊपर के दो फ्लोर के पिलर भी बन गए हैं। स्टेशन तक आने के लिए एलिवेटेड रोड भी बनकर तैयार हो गए हैं। डीआरएम ने कहा कि यहां दो से तीन लाख लोग आसानी आ जा सकते हैं। ये कंप्लीट मॉडल होगा, यानी चाहे मेट्रो, बस, बुलेट ट्रेन में जाना होगा तब कनेक्ट होगा। जगह-जगह एस्केलेटर, सीढ़ियां और लिफ्ट लगाई जाएंगी, जिससे किसी को कोई परेशानी नहीं होगी।

2027 तक पुनर्निमाण कार्य पूरा होने का अनुमान

इस स्टेशन का पुनर्निमाण कार्य साल 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। यहां पर यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं होंगी ये मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब रेल, मेट्रो, बस और बुलेट ट्रेन के नेटवर्क से जुड़ा होगा। ख़ास बात ये है कि इसका डिज़ायनर और स्ट्रक्चर न्यूयॉर्क के हडसन हाई लाइन से प्रेरित है। इस स्टेशन पर तीन हजार गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था होगी। इसके अलावा इसमें दफ़्तर, होटल, गार्डन और मॉर्डन मॉल भी बनाए जाएंगे। इस स्टेशन के ग्राउंड लेवल पर पारंपरिक ट्रेन होंगी। जबकि अंडरग्राउंड लेवल सबवे का निर्माण किया जा रहा है। अपर लेवल से बुलेट ट्रेन की कनेक्टिविटी की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 नवंबर- 2025

दलबदलुओं से परेशान एमवीए!

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक साल बाद भी विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) अपने समर्थकों को एकजुट रखने के लिए संघर्ष में जुटी है। इसके 43 उम्मीदवार सत्तारूढ़ महायुति में शामिल हो गए हैं, जिनमें से अधिकांश भाजपा में गए हैं। यह बात अलग है कि महायुति के घटक दलों के कुछ उम्मीदवारों ने भी चुनाव बाद पार्टी बदली है। कुल 46 उपविजेताओं में से 26 भाजपा में शामिल हो गए हैं, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में 13 और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में ऐसे 7 उम्मीदवार शामिल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों में, महायुति ने कुल 288 सीटों में से 235 सीटें जीत कर पूरे देश को चकित कर दिया था। भाजपा को 132 सीटें मिलीं, जबकि शिवसेना और एनसीपी को क्रमशः 57 और 41। एमवीए को केवल 50 सीटों से ही संतोष करना पडा था। जबकि उसके प्रमुख सहयोगी, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) को क्रमशः 20, 16 और 10 सीटें मिलीं। ये दलबदल मुख्यतः उन क्षेत्रों में हुए हैं जिन्हें पारंपरिक रूप से शिवसेना (यूबीटी) का गढ़ माना जाता है। विधानसभा चुनावों में भारी जीत के बाद महायुति ने अपने आधार को मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाया है। वजह साफ है कि विपक्षी नेताओं को शामिल करने से कई उद्देश्य पूरे होते हैं। दूसरे स्थान पर रहने वाले नेताओं को अपने पाले में लाने से विपक्ष के पलटवार करने की संभावना समाप्त हो जाती है। इसके साथ ही नगर निकाय चुनाव में भी इसका लाभ मिलना तय हो जाता है। कुछ सीटें ऐसी भी हैं जहाँ सत्तारूढ़ दलों ने उन क्षेत्रों के नेताओं को अपने पाले में कर लिया है जहाँ उनके सहयोगी जीते हैं। यह दूरदर्शी राजनीति का हिस्सा है जो 2029 के विधानसभा चुनावों की योजना बनाते समय नियंत्रण रखने में भी मदद करता है। इसमें शिवसेना (यूबीटी) को इन दलबदलुओं का सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ है, जिसके 19 दूसरे स्थान पर रहे उम्मीदवार चुनाव के बाद महायुति खेमे में चले गए। एनसीपी (एसपी) के 13 उम्मीदवार सत्तारूढ़ गठबंधन में चले गए, जबकि कांग्रेस के 10 नेताओं के दलबदल का रास्ता अपनाया है। एमवीए समर्थित तीन निर्दलीय और पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) का एक दूसरे स्थान पर रहा उम्मीदवार भी महायुति में शामिल हो गया है। कटोल विधानसभा सीट पर दूसरे स्थान पर रहे एनसीपी (सपा) उम्मीदवार सलिल देशमुख ने पिछले हफ़्ते अपनी पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया है, हालाँकि उन्होंने अभी तक अपनी भविष्य की योजनाओं का खुलासा नहीं किया है। इसलिए, उनका नाम 47 दलबदलुओं की सूची में शामिल नहीं है। सूची का क्षेत्रवार विश्लेषण दर्शाता है कि भाजपा ने मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्रों में तोड-फोड ज्यादा किया है। मराठवाड़ा में एमवीए के 16 उपविजेताओं ने पाला बदला है जिनमें से आधे भाजपा में शामिल हो गए हैं। पाँच एनसीपी में शामिल हो गए हैं और बाकी तीन शिवसेना में गए हैं। उत्तर महाराष्ट्र में महायुति में शामिल हुए 11 एमवीए उम्मीदवारों में से 10 भाजपा में शामिल हो गए हैं। गुलाबराव देवकर, जो जलगांव ग्रामीण सीट पर एनसीपी (एसपी) के टिकट पर शिवसेना उम्मीदवार से दूसरे स्थान पर रहे थे, एनसीपी अजित गुट में शामिल हो गए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के पारंपरिक गढ़ कोंकण में, एमवीए के 10 उपविजेताओं में से पाँच भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें से तीन दलबदलुओं को शिवसेना ने अपने पाले में कर लिया है, जबकि बाकी दो एनसीपी के हो गए हैं। इस तरह की घेराबंदी से निराश शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता हर्षल प्रधान ने आरोप लगाया कि भाजपा में कोई प्रतिभा नहीं है और उसके पास जनसमर्थन वाले नेताओं की कमी है।

चीन से दोस्ती और वफा की उम्मीद न करे भारत

मनोज अग्रवाल

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पैमा यांगजोम घोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साचित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत को आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए 'इनवैलिड पासपोर्ट' का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है।

पूरे मामले की शुरुआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को 'इनवैलिड' बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में 'अरुणाचल प्रदेश, भारत' लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है।

चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं।

दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में 'जांगनान' कहता है और बार-बार 'दक्षिण तिब्बत' का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका 'तथाकथित अरुणाचल प्रदेश' के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन' कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वार्ताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दर्रे तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है।

दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

अरुणाचाल हमेशा से भारत का अभिन्न हैं और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समक्ष है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे। लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

क्या शीतकालीन सत्र में फिर वही सियासत होगी?

कमलेश पांडेय

कभी लोकतंत्र की जनभावनाओं को स्पष्ट करते हुए फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर ने कहा था कि मैं आपके विचार से सहमत नहीं हो सकता लेकिन उसे कहने के आपके अधिकार की रक्षा आखिरी दम तक करूंगा।₹ लेकिन यह विशुद्ध रूप से संस्कारवान नीति की बात है। आज जबकि लोकतांत्रिक सियासत का विकृत चेहरा घटना दर घटना सामने आ चुका है और चाहे उच्च सदन हो या निम्न सदन, दोनों की विभिन्न कुसंस्कारी घटनाएं कुछ गलत नजीर/नजरिया प्रदान कर चुकी हैं तो इनकी निरन्तरता को लेकर अब प्रशासनिक और न्यायिक सख्ती की जरूरत आन पड़ी है क्योंकि अब राजनीतिक आचार संहिता भी पक्षपात पूर्ण प्रतीत होने लगी हैं। ऐसे में फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर के विचारों से पूर्णतया सहमत नहीं हुआ जा सकता है।

चूंकि भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र आगामी 1 दिसंबर 2025 से शुरू होगा। इसलिए सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी नकारात्मक अतीत से सबक लेकर सकारात्मक दृष्टांत प्रस्तुत करना चाहिए। इसे जनहित के विषय पर स्वस्थ बहस का मंच बने रहने देना चाहिए। राजनेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि उनकी सियासत तो होती रहेगी लेकिन इस क्रम में जो अनैतिक परंपराएं विधायिका के ऊपर हावी होती चली जा रही हैं, उसे रोकने की प्राथमिक जिम्मेदारी हमारे माननीय सांसद बंधुओं पर ही है क्योंकि लोकसभा व राज्यसभा की ही नकल अब विधानसभा व विधानपरिषद में ही होने लगी है। खासकर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि के नाम पर बयानबाजी व गुटबाजी तथा झड़प को रोकने की जरूरत है।

यही वजह है कि सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है जिसमें सदस्यों के लिए 'करने' और 'न करने' वाली बातों का जिक्र किया गया है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नही की जानी चाहिए। यही स्वस्थ संसदीय परंपरा समझी जाती है। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है।

जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को अतीत की अपेक्षा और बेहतर बनाना है लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना की जगह समालोचना हो तो और अच्छी बात होगी लेकिन सियासी कुलोचना कतई नहीं होनी चाहिए और न ही इसे बर्दास्त किया जाना चाहिए। इस प्रकार से देखा जाए तो राज्यसभा का बुलेटिन सदन की बेहतरी में ही मदद करेगा। चूंकि यह उच्च सदन है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी भी ज्यादा बनती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का ही हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका पुरजोर स्वागत किया जाना चाहिए। कुछ यही पवित्र भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। उसके फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। इस प्रकार आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह सबकुछ संभव ही न होता।

लेकिन सदन में विपक्ष से तनाव न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हर बात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी ही है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम बात है। वाकई पिछले कई उदाहरण है, जहां विपक्ष और आसन (चेयर) के बीच तनाव भरे रिश्ते देखने को मिले थे। सच कहूं तो पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में यह तनाव बिल्कुल चरम पर था और इसी गफलत की भेंट भी वह चढ़ गए या चढ़ा दिए गए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की एक टिप्पणी को लेकर राज्यसभा की प्रिविलेज कमिटी में मामला चल रहा है, जो उसी तनाव का नतीजा है। लिहाजा, इस तरह की प्रवृत्ति से नए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को सचेत रहना चाहिए। जहां तक लोकतांत्रिक मर्यादा के ख्याल का सवाल है तो यह कहना उचित होगा कि लोकतंत्र में कोई भी आलोचना के परे नहीं कहा जा सकता लेकिन यह तो बिल्कुल बेहतरी का जरिया है। बहरहाल, राज्यसभा बुलेटिन से ऐसा भी लग सकता है कि सांसदों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाया जा रहा है, जिसका संदेश अच्छा नहीं जाएगा। हां, इस बात का ख्याल सभी को रखना चाहिए कि अभिव्यक्ति या आलोचना का अधिकार भी कुछ सीमाओं के साथ लागू होता है। इसलिए इन्हें पहचानने और मानने की दरकार है, ताकि स्वस्थ आलोचनात्मक परंपरा फलती फूलती रहे।

यही वजह है कि संसदीय सत्र की शीतकालीन बैठक बेहद चुनौती पूर्ण रह सकती है। खासकर राज्यसभा व लोकसभा दोनों में, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मात खाया विपक्ष अब एसआईआर को लेकर आक्रामक होगा।इससे विपक्षी एकता को भी बल मिलेगा, जो निज सियासी स्वार्थवश नारंगी की तरह भीतर से विभाजित, पर ऊपर से एक होने का नया स्वांग रचेगा। इस प्रकार शीतकालीन सत्र सरकार और विपक्ष के संबंधों की नई आजमाइश साबित होने वाली है। चूंकि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के लिए यह पहला सत्र है, इसलिए उन्हें चौकन्ना रहना होगा। वैसे भी बीते मॉनसून सत्र का अनुभव अच्छा नहीं था। तब राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.88% थी और केवल 41.15 घंटे काम हो पाया था। इस बार भी SIR का मुद्दा गरम है। लिहाजा राधाकृष्णन के सामने संतुलन बनाने की चुनौती होगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि लोकसभा का भी हाल कुछ ऐसा ही रहेगा क्योंकि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष कब क्या कर बैठेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता है।

वही लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके शहंशाह गृहमंत्री अमित शाह कब कौन सी रणनीति लेकर विपक्ष पर टूट पड़ेंगे, पूर्वानुमान लगाना कठिन है। वैसे भी लालकिला दिल्ली आतंकी बम ब्लास्ट की घटना से सरकार के तेवर आतंक परस्त विपक्ष को लेकर आक्रामक है। इंडिया गेट अर्बन नक्सली कांड से सरकार गम्भीर हो चुकी है। एसआईआर पर कांग्रेस और ममता के तेवर से सरकार चौकन्नी हो चुकी है। इसलिए विपक्ष को भी राष्ट्रवादी संवेदनशीलता दिखानी होगी, अन्यथा सियासी महाभारत तय है। जब युद्ध या प्रेम होगा तो स्वाभाविक रूप से सबकुछ जायज ठहराने की नापाक कोशिश होगी ही। अबतक भी तो यही सब कुछ हुआ है न!

राम ध्वज के नीचे जन्म लेता नया भारत

आरके जैन

अयोध्या की सुबह, सरयू की लहरों के साथ जैसे राम की वापसी का गान गा रही थी। सूरज की पहली किरण मंदिर के शिखर पर पड़ रही थी, और वहां खड़े थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी—साधारण वेश में, लेकिन आंखों में अटूट संकल्प लिए। हाथों में 22 फुट ऊंचा 'धर्म ध्वज', भगवा रंग (सूर्य, 'ओम' और कोविदार वृक्ष का प्रतीक) में लिपटा, जैसे राम के न्याय, त्याग और सत्य का प्रतीक है। जैसे ही ध्वज हवा में लहराया, लाखों दिल धड़क उठे। यह क्षण केवल एक उत्सव नहीं था; यह था गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का बिगुल। मोदी जी की आवाज, शांत लेकिन गरजती हुई, बोलीः सदियों पुराने घाव अब भर रहे हैं। और फिर वह ऐतिहासिक वादा—अगले दस वर्षों में भारत को 'गुलामी की मानसिकता' से पूरी तरह आजाद करना। यह रोडमैप कोई कागजी योजना नहीं, बल्कि एक जीवंत क्रांति है, जो हर भारतीय को राम की तरह संघर्षशील बनाएगी, अपनी जड़ों से जुड़ाएगी। अयोध्या, जहां राम मंदिर अब खड़ा है, वहां 45 करोड़ से ज्यादा लोग दर्शन कर चुके हैं—यह संख्या नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो बताता है कि राम सिर्फ मंदिर में नहीं, हर दिल में बसते हैं।

गुलामी की मानसिकता—यह क्या है? वह अदृश्य जहर जो 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने बोया, शिक्षा के नाम पर हमें अपनी संस्कृति से दूर करना, हमें पश्चिमी सोच का गुलाम बनाना। आज भी वह जहर हमारे विचारों में बहता हैः अपनी भाषा को कमतर समझना, पश्चिमी संस्कृति को श्रेष्ठ मानना, राम को सिर्फ कहानी मानना। मोदी जी ने इसे सीधे चुनौती दी—हमारी आजादी अधूरी है, क्योंकि मन अभी गुलाम है। दस वर्षों का यह रोडमैप इसी जहर को निकालने का है।

पहला पड़ावः सांस्कृतिक जागरण। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मैकॉले की छाया से मुक्त करना, स्कूलों में रामायण को जीवंत बनाना। जहां बच्चे न सिर्फ पढ़ें, बल्कि राम के गुणों—धैर्य, दया, नेतृत्व—को जीएं। जैसे राम ने वनवास में भी संकल्प नहीं छोड़ा, वैसे ही हर बच्चा अपनी जड़ों से मजबूत बने। यह होगा राष्ट्र का नया निर्माण, जहां भारत अपनी विरासत पर गर्व करे, न कि किसी विदेशी सोच पर। मोदी जी ने कहा, राम व्यक्ति नहीं, मूल्य हैं—जो हमें दिशा देते हैं। और यह मूल्य अब भारत की अर्थव्यवस्था में भी दिखेंगेः आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जल्द तीसरी बनेंगे। लेकिन असली जीत तब होगी जब हम आर्थिक स्वावलंबन को राम के स्वदेशी से जोड़ें। यह रोडमैप सरल है, लेकिन अप्रतिम—क्योंकि यह राम राज्य के सपने पर टिका है। राम राज्य में क्या था? न्याय की धारा हर घर तक, पर्यावरण का सम्मान जहां जटायु और गिलहरी भी योगदान दें, समाज जहां कोई भेदभाव न हो। मोदी जी ने अयोध्या को इसी का प्रतीक बताया—यहां का सामूहिक प्रयास विकसित भारत 2047 का रोडमैप है। दस वर्षों में, हमें 'मेक इन इंडिया' को राम की उद्यमिता से सशक्त करना है। युवाओं को स्टार्टअप्स में राम सेतु जैसा पुल बनाना सिखाना—छोटे प्रयासों से बड़ा लक्ष्य।

अयोध्या, अब हजारों तीर्थों का मॉडल बनेगी। पर्यटन से अर्थव्यवस्था बूम करेगी, लेकिन साथ में सांस्कृतिक दूतावास भी। युवाओं की भूमिका यहां सबसे दमदार है। आज की पीढ़ी, जो सोशल मीडिया पर खोई है, उसे राम की कहानी से जोड़ना। मोदी जी का आह्वान—युवा उठो, राम के धनुष को उठाओ। दस वर्षों का दूसरा चरणः युवा सशक्तिकरण। सोशल मीडिया पर राम कथा वायरल करना, एनजीओ से ग्रामीण भारत में राम मेलों का आयोजन। जैसे राम ने लक्ष्मण और हनुमान के साथ टीम बनाई, वैसे ही युवा एकजुट हों। लेकिन यह सिर्फ शब्द नहीं—व्यावहारिक कदम, जैसे डिजिटल रामायण ऐप्स, जहां युवा राम के संघर्ष से प्रेरणा लें और अपनी जिंदगी में लागू करें।

अनुपम बात यह है कि यह रोडमैप समावेशी है। राम राज्य में कोई भेदभाव नहीं—दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, सबका साथ। मोदी जी ने कहा, राम के कण-कण में भारत, भारत के कण-कण में राम। दस वर्षों का तीसरा चरणः सामाजिक सद्भाव। जाति की दीवारें राम नाम से तोड़ना, त्योहारों को साझा बनाना। कल्पना कीजिए, एक भारत जहां त्योहार राम की तरह साझा हों, जहां गिलहरी जैसा छोटा योगदान भी बड़ा बने।

लेकिन चुनौतियां हैं—विपक्ष की आलोचना, सेकुलरिज्म के नाम पर सांस्कृतिक अस्मिता को दबाना। मोदी जी का जवाब साफ—संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास। यह दस वर्ष 2047 तक विकसित भारत की नींव रखेंगे, जब आजादी के सौ साल पूरे होंगे। तब भारत न सिर्फ आर्थिक महाशक्ति बनेगा, बल्कि विश्व गुरु भी—राम के आदर्शों से। अयोध्या का यह ध्वजारोहण 500 साल पुराने संकल्प की पूर्ति है, लेकिन नई शुरुआत भी।

सदियों पुराने घाव भर रहे हैं, क्योंकि राम मंदिर अब सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि एकता का प्रतीक है। सरल शब्दों में कहें तो यह वादा हर भारतीय का है। मोदी जी की वाणी जैसे राम की वाणी—शांत, लेकिन अटूट। हमारी विरासत पर गर्व करो, गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो जाओ। युवाओं, सुनो—यह तुम्हारा समय है। राम के जैसे संघर्ष करो, लक्ष्य पर नजर रखो। दस वर्षों में, हम मैकॉले की किताबों को रामायण से बदल देंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण पर घमासान

विजय सहगल

बिहार राज्य के सफल और शांत चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात जब से भारतीय चुनाव आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों मे एस॰आई॰आर॰ का दूसरा चरण शुरू कराने का निर्णय लिया है, तब से पूरे देश मे पक्ष और विपक्ष के बीच घमासान चरम पर है। एसआईआर का कार्य 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक कर्मचारियों के प्राशिक्षण से शुरू होगा। 4 नवंबर 2025 से इस प्रक्रिया का मुख्य कार्य बीएलओ (ब्लॉक लेबल ऑफिसर) द्वारा घर घर जा कर गणना प्रपत्रों का वितरण 4 दिसम्बर 2025 तक, पूरा करने का लक्ष्य रक्खा गया है। इस पूरे कार्य मे इन बारह राज्यों के, 51 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन कर उनको मतदान के लिये आवश्यक योग्यता, पात्रता और अहर्ता की कसौटी पर कसा जाएगा। इस कार्य का समापन 7 फरवरी 2026 तक फाइनल सूची के प्रकाशन के साथ पूर्ण करने का लक्ष्य रक्खा गया है। यह कार्य मतदाता सूची को अद्यतन करने का एक अभियान है।

विदित हो कि बिहार राज्य के विधान सभा के लिये हुए चुनाव के पूर्व किए गए इस एस॰आई॰आर॰ अभियान के पहले चरण मे 68 लाख अयोग्य/स्थानांतरित/मृत मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिये गए थे।

विपक्षी दलों के महागठबंधन का मानना है कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के दौरान हटाये गए, इन लाखों मतदाताओं के कारण ही उन्हे भारी पराजय का मुँह देखना पड़ा। कॉंग्रेस के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने तो जगह जगह अपनी चुनावी रैली मे चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ मोदी सरकार की इस मिलीभगत को वोट चोरी के नाम से उद्धृत कर इसे देश के साथ धोखाधड़ी बतलाया। कॉंग्रेस के दिग्गज नेताओं यथा राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, प्रियंका गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने तो अपनी चुनावी रैलियों मे मोदी सरकार पर वोट चोर, गद्दी छोड़ जैसे संगीन आरोप भी लगाये इसके बावजूद बिहार के चुनावी जनादेश 2025 को अपने पक्ष मे करने पर असफल रहे। 23 नवंबर 2025 को राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, ₹भारत दुनियाँ के लिए सॉफ्टवेयर बनाता है मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर अड़ा है!! जब राहुल गांधी के उक्त वक्तव्य को चुनावों मे ईवीएम की जगह कागजी मतदान पत्रों के इस्तेमाल के परिपेक्ष्य मे देखते है तो उनकी सॉफ्टवेयर वाली सोच मे विरोधाभास, स्पष्ट नज़र आता है। कॉंग्रेस ने वोट चोरी और एस॰आई॰आर॰ के विरुद्ध 14 दिसम्बर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान मे एक विशाल रैली का आयोजन भी किया है।

देश के 12 राज्यों मे शुरू हुई इस विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया मे सबसे ज्यादा तीखा विरोध पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी द्वारा राज्य मे जगह जगह विरोध रैलियाँ के रूप देखने को मिला। उन्होने तो 20 नवंबर 2025 को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिख मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को तत्काल रोकने को कहा है।

उन्होने आरोप लगाते हुए इस प्रक्रिया को अनियोजित, खतरनाक बतलाते हुए इस अभियान मे शामिल बीएलओ और अन्य कर्मचारियों के ऊपर भारी चुनावी कार्य के बोझ के दबाव के कारण कुछ ब्लॉक लेवल अधिकारियों द्वारा आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने पर अपनी चिंता प्रकट की और चुनाव की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किये।

चेयर के जादू को समझिए

डॉ. सुरेश कुमार

साहब, यह जो 'ऑफिस' नाम की संस्था है न, यह बड़ी अजब चीज़ है। यह एक रंगमंच है, जिसके पर्दे कभी गिरते नहीं, बस कलाकार बदल जाते हैं। आप 'चेयर' के जादू को समझिए। यह कुर्सी, जिसे हम 'पद' कहते हैं, असल में चमड़े की बनी एक माया है। माधोस्वरूप शर्मा, जिसे अब लोग 'शर्मा जी' या कभी-कभी फुसफुसाहट में 'द ग्रेट' भी कहते थे, ठीक एक बजे अपनी कुर्सी पर बैठा करते थे। यह कुर्सी नहीं थी, साहब, यह उनका सिंहासन था। कमरे की दीवारों का रंग पिछले पंद्रह साल में चार बार बदला, कार्पेट तीन बार, पर कुर्सी की जगह, उसका रुतबा, और उस पर बैठने वाले का तेवर कभी नहीं बदला।

शर्मा जी का रुतबा, नेमप्लेट पर लिखे चार शब्दों में कैद थाः माधोस्वरूप शर्मा, निदेशक (प्रशासन)। यह नेमप्लेट पीतल की थी, वज़नदार, जैसे पीतल भी उनके पद की गंभीरता को जानता हो। यह नेमप्लेट इतनी चमकदार थी कि कमरे में घुसते ही पहले नेमप्लेट दिखती थी, फिर शर्मा जी। शर्मा जी को लगता था, यह कमरा उनका है, यह पीतल उनका है, और यह रुतबा तो जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने इस कमरे में कितने ही 'अंडर डॉग्स' को सबक सिखाया था। उनकी हुकूमत का आलम यह था कि दफ्तर की घड़ी उनके बोलने के बाद ही पाँच बजने का साहस करती थी। कर्मचारी उनके नाम की स्पेलिंग रटते थे।

और फिर, एक दिन, नेमप्लेट बदलने का वह अलौकिक, मगर अत्यंत साधारण, क्षण आया। शर्मा जी रिटायर हो गए थे। बाजे-गाजे, माला-फूल, और 'आपके अमूल्य योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता' टाइप की स्पीचें हुईं। एक बड़ा सा गुलदस्ता मिला, जिस पर लगी रद्दी पॉलीथीन की तरह ही, प्रशंसा की सारी बातें भी बेजान थीं। अगले दिन, सुबह ठीक नौ बजे, एक आदमी आया। उसका नाम कोई नहीं जानता था। वह एक साधारण-सा, सरकारी 'कारीगर' था। उसके हाथ में एक छोटा सा, काला सा, 'पॉकेट-फ्रेंडली' टूल-किट था। न शोर, न उद्घोषणा, न बैंड-बाजा। उसने चुपचाप, अपने पुराने, जंग लगे पेचकस से, शर्मा जी की वज़नदार पीतल की नेमप्लेट का पहला स्क्रू खोला। यह एक स्क्रू नहीं था, साहब। यह इतिहास का लीवर था, जिसे घुमाते ही पूरी कहानी बदल जाती है।

पहला स्क्रू खुलते ही नेमप्लेट थोड़ी-सी टेढ़ी हुई, जैसे पद अपना संतुलन खो रहा हो। दूसरा स्क्रू खुला, और धड़ाम! वह पीतल की वज़नदार नेमप्लेट, जो पंद्रह साल से उनकी पहचान थी, उस कारीगर के हाथ में आकर, 'कबाड़' के ढेर में जाने को तैयार एक टुकड़ा भर रह गई। किसी ने न ध्यान दिया, न कोई सिहरन हुई। यह दुनिया का सबसे बड़ा 'शांत तख्तापलट' था। कारीगर ने तुरंत, उसी जगह पर, प्लास्टिक की एक नई, हल्की-फुल्की नेमप्लेट लगाई। उस पर लिखा थाः विजयकांत शुक्ला, निदेशक (प्रशासन)। नया स्क्रू कसा गया। विजयकांत शुक्ला आ गए। कमरा वही रहा, फर्नीचर वही रहा, मगर अंदर बैठी हुई 'सत्ता' की आत्मा बदल गई। अब घड़ी विजयकांत शुक्ला के बोलने के बाद पाँच बजाएगी।शर्मा जी अब घर पर थे। वे शाम को अपनी पत्नी से ऑफिस की बातें करने की कोशिश करते, पर पत्नी को 'प्रशासनिक फैसले' या 'अनुशासनात्मक कार्रवाई' में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

राम मंदिर के ध्वज पर बने हैं ॐ सहित तीन विशेष चिन्ह

योध्या में भव्य ध्वजारोहण होने जा रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान राम के भव्य मंदिर पर केसरिया रंग के को ध्वज फरहाएंगे। यह ध्वज बेहद ही खास है क्योंकि, इस ध्वज पर ओम, सूर्यदेव और कोविदार वृक्ष को चित्रित किया गया है। इन तीनों चिन्हों को विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं इन तीनों चिन्ह का क्या अर्थ है जानें विस्तार से।

कैसा है ध्वज ?

राम मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज केसरिया रंग का है और ध्वज की लंबाई 22 फुट और चौड़ाई 11 फुट है। बता दें कि राम मंदिर में एक ध्वज नहीं बल्कि राम मंदिर के परकोटा के छह मंदिरों में भी ध्वज फहराया जाएगा। बता दें कि यह भी ध्वज अहमदाबाद में ही तैयार किए गए हैं।

ध्वज में ओम का क्या है अर्थ

अयोध्या के राम मंदिर पर फहराया जानें वाला ध्वज पर ओम का चिन्ह हैं। ओम को सनातन धर्म में बहुत ही शुभ माना गया है। यह हिंदू धर्म के शुभ प्रतीकों में से एक है। ऐसा मान्यता है कि इसके प्रभाव से विशेष सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। सनातन धर्म में मंत्रों में भी ओम का उच्चारण किया जाता है। ओम को सभी भगवानों का संयुक्त रूप माना जाता है।

ध्वज में सूर्य के चिन्ह का क्या अर्थ है

राम मंदिर के इस ध्वज पर सूर्य का चिन्ह भी बनाया गया है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम सूर्यवंशी थे। सूर्य देवता के पुत्र वैवस्वत मनु से यह सूर्यवंश का प्रारंभ हुआ था। ऐसा कहा जाता है कि जिस समय भगवान राम का जन्म हुआ था। उस समय सूर्यदेव का रथ रुक गया था। उस समय एक महीने तक रात ही नहीं हुई थी। साथ ही भगवान राम भी सूर्यदेव की साधना करते थे। साथ ही रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए भी भगवान राम ने महर्षि अगस्त्य के कहने पर सूर्यदेव की विशेष पूजा की थी।

कोविदार वृक्ष का महत्व

कोविदार वृक्ष का पौराणिक ग्रंथों में विशेष महत्व बताया गया है। यह अयोध्या का पावन वृक्ष था। यह उस समय ध्वज पर अंकित किया जाता था। मान्यताओं के अनुसार, भगवान भगवान राम माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ वनवास के लिए जा रहे थे तो उस समय भरत उन्हें रोकने के लिए सेना के साथ जाते हैं सेना का शोर सुनकर जब भगवान राम लक्ष्मण जी से पूछते हैं कि यह शोर कैसा है तो वह उत्तर की तरफ से आ रही सेना तो देखते हैं वह सेना के ध्वज पर बने कोविदार वृक्ष को देखकर पहचानते हैं की सेना अयोध्या की है। इसलिए इन तीन चिन्हों को ध्वज के ऊपर अंकित किया गया है।

205 दिन बाद बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद

सेना के बैंड की धुन पर थिरके भक्त; जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में होगी शीतकालीन पूजा

उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट मंगलवार दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। धाम में सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। कपाट बंद होने से ठीक पहले देश के प्रथम गांव माणा में तैयार किया गया घृत कंबल भगवान बद्रीनारायण को ओढ़ाया गया।

परंपरा के अनुसार उद्धव और कुबेर की प्रतिमाओं को भी गर्भगृह से बाहर लाया गया, शीतकालीन प्रवास के दौरान भक्त अब भगवान बद्रीनाथ के दर्शन पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी में कर सकेंगे।

कपाट बंदी की प्रक्रिया के दौरान गढ़वाल राइफल्स का बैंड भी तैनात रहा, जिसने परंपरा के अनुसार अंतिम धुनें बजाईं। जिसमें मंदिर परिसर में खड़े श्रद्धालु खूब थिरक। 'जय बद्रीविशाल' और 'जय बद्रीनाथ' के जयकारे गूंजते रहे।

इस खास अवसर पर मंदिर को 12 क्विंटल गेंदे को फूलों से सजाया गया। इस सीजन 16 लाख 50 हजार से ज्यादा लोग बद्रीविशाल के दर्शन करने पहुंचे हैं।

2 दिनों की यात्रा कर नरसिंह मंदिर में पहुंचेगी शंकराचार्य की गद्दी ...

26 नवंबर को शंकराचार्य की गद्दी के साथ उद्धव जी और कुबेर जी की डोली लगभग 30 किलोमीटर दूर पांडुकेश्वर पहुंचेगी, यहां पर यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। उद्धव जी और कुबेर जी की डोली शीतकालीन के लिए यहीं पर रहेंगी, जबकि रात्रि विश्राम के बाद अगली सुबह यानी की 27 नवंबर को शंकराचार्य की गद्दी करीब 30 किलोमीटर और आगे जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में पहुंचेगी, शीतकाल में भगवान बद्री विशाल की पूजा इसी पवित्र मंदिर में होगी।

भगवान शिव के इस ज्योतिर्लिंग में हिंदू-सिख आस्था का अनोखा संगम

पांडवों ने की थी मंदिर की स्थापना

शिव महापुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में 12 ज्योतिर्लिंगों का जिक्र किया गया है, जो देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित हैं. महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में इन्हीं 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक औंधा (उल्टा) नागनाथ मंदिर है, जो सिर्फ हिंदू धर्म की आस्था को नहीं दिखाता बल्कि इसका इतिहास सिख धर्म से जुड़ा है. हिंदू और सिख, दोनों धर्मों में इन्हें पूरी पवित्रता के साथ पूजा जाता है. मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं और हर कार्य सिद्द हो जाते हैं. आइए जानते हैं भगवान शिव के इस मंदिर के बारे में।

गुफा से होकर जाते हैं बाबा नागनाथ के दर्शन को

महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के पास मराठवाड़ा में भगवान शिव का प्राचीन मंदिर औंधा (उल्टा) नागनाथ मंदिर स्थापित है. मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का चांदी के आवरण से ढका शिवलिंग स्थापित है, जिसके दर्शन के लिए हिंदू और सिख दोनों धर्मों के भक्त आते हैं. मंदिर के गर्भगृह में एक गुफा भी मौजूद है. गुफा बहुत संकरी है, जिसमें एक बार में एक ही भक्त जा सकता है. गुफा के अंदर जाने के लिए रस्सी का सहारा लिया जाता है. माना जाता है कि इस गुफा से होकर जो भी बाबा नागनाथ के दर्शन करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है. मंदिर परिसर में अन्य ज्योतिर्लिंगों को समर्पित 12 छोटे मंदिर, 108 अन्य देवी-देवताओं को समर्पित छोटे मंदिर और 68 तीर्थस्थलों को भी दर्शाया गया है, जो एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देते हैं।

पांडवों ने की थी स्थापना

माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना पांडवों ने की थी. अपने अज्ञातवास के दौरान इसी स्थल पर पांचों पांडवों ने कुछ समय गुजारा था. पौराणिक कथा की मानें तो पांडवों की गाय पास की नदी के पास जाकर पानी पीती थी और नदी में ही अपना दूध बहा देती थी. जब पांडवों ने इस चमत्कार को देखा तो धर्मराज युधिष्ठिर को महसूस हुआ कि आस-पास कोई दिव्य शक्ति है. ढूंढने पर उन्हें नागनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन हुए और उन्होंने मंदिर की स्थापना की।

मंदिर का जिक्र गुरु ग्रंथ साहिब में

इस मंदिर का जिक्र 'गुरु ग्रंथ साहिब' में भी मिलता है जिसमें भक्त नामदेव की कथा प्रचलित है. नामदेव भगवान शिव के बड़े भक्त हुआ करते थे. वे मंदिर में भगवान शिव के दर्शन के लिए जाते थे लेकिन नीची जाति का होने की वजह से मंदिर के पुजारी उन्हें बाहर भगा देते थे. एक दिन इन सब बातों से दुखी होकर नामदेव मंदिर के पीछे बैठकर भगवान से प्रार्थना करने लगे कि क्यों उन्हें ऐसी छोटी जाति में जन्म दिया. भक्त नामदेव की पुकार और भक्ति सुनकर भगवान शिव ने मंदिर का मुंह उस जगह घुमा दिया, जहां नामदेव बैठकर पूजा कर रहे थे. तब से ये मंदिर सिख धर्म के लिए भी धार्मिक स्थल की तरह पूजा जाता रहा है।

इस साल चारधाम में पहुंचे 50 लाख श्रद्धालु

209 दिन चली यात्रा, केदारनाथ में रिकॉर्ड टूटा; आपदा के कारण यमुनोत्री पर असर

उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होते ही इस साल की चारधाम यात्रा भी संपन्न हो गई है। इस साल 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आए। यात्रा अक्षय तृतीया के दिन, यानी 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुलने से शुरू हुई थी।

पूरे 6 महीनों तक उत्तराखंड की वादियां 'जय बद्री-विशाल' और 'हर-हर महादेव' की गूंज से भरी रहीं। पिछले साल की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां 2024 में केदारनाथ और बद्रीनाथ में दर्शन करने वालों ने रिकॉर्ड बनाए थे, वहीं 2025 ने यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, केदारनाथ में 2024 में 16 लाख 52 हजार 76 लोग पहुंचे और इस साल 17 लाख 68 हजार 795 से ज्यादा लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। वहीं बद्रीनाथ में 2024 में 14 लाख 35 हजार 341 और इस साल 16 लाख 60 हजार 224 लोगों ने बद्री विशाल के दर्शन किए।

इसके अलावा यमुनोत्री में 2024 में 7 लाख और इस साल 6 लाख 44 हजार 505 से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। वहीं गंगोत्री में 2024 में 7 लाख और 2025 में 7 लाख 57 हजार 10 से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए। गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा उत्तरकाशी में आपदा के कारण प्रभावित रही। इसका असर लोगों की संख्या पर साफ दिखा। प्रदेश में शीतकालीन चारधाम यात्रा 24 अक्टूबर से शुरू हो गई थी।

चार धाम की विशेषता और रूट मैप

1. यमुनोत्री- चारधाम यात्रा का पहला धाम यमुनोत्री, मां यमुना का पवित्र स्थल माना जाता है। 2025 की यात्रा में उत्तरकाशी जिले में आई आपदा ने भले ही कई बार रास्तों को बाधित किया हो, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था डगमगाई नहीं। धाम के कपाट 30 अप्रैल 2025 (अक्षय तृतीया) के शुभ दिन विधि-विधान, वेद मंत्रोच्चारण और डोली यात्रा के साथ खोले गए।

वहीं, 23 अक्टूबर 2025 (भैया दूज) के दिन पारंपरिक अनुष्ठान, विशेष पूजा और वेद मंत्रोच्चारण के बीच धाम के कपाट शीतकाल के लिए दोपहर 12:30 बजे बंद कर दिए गए थे।

यमुना मंदिर का निर्माण टिहरी गढ़वाल के महाराजा प्रताप शाह ने करवाया था।

फेमस जगह और मंदिर: यमुनोत्री मंदिर, सप्तऋषि कुंड, सूर्य कुंड, दिव्य शिला, हनुमानचट्टी, खरसाली।

2. गंगोत्री- उत्तरकाशी में समुद्र तल से 3200 मीटर की ऊंचाई पर गंगोत्री है। यह वही स्थान है जहां भागीरथी नदी (गंगा की मुख्य धारा) बहती हुई दिखाई देती है और गंगा अवतरण की पौराणिक कथा से जुड़ा है। 30 अप्रैल 2025 (अक्षय तृतीया) को गंगोत्री धाम के कपाट विधिवत पूजा और वेद मंत्रोच्चारण के साथ खोले गए थे।

हालांकि, गंगोत्री के कपाट 22 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजकर 36 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद हो चुके हैं।

फेमस जगह और मंदिर: भोजबासा, गंगनानी, केदारताल, गौमुख, गंगोत्री मंदिर, भैरोंघाटी, जलमग्न शिवलिंग, तपोवन।

3. केदारनाथ- भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ धाम इस साल फिर आस्था का केंद्र बना रहा। समुद्र तल से 11,755 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह पवित्र धाम हर साल लाखों भक्तों को अपनी ओर खींचता है। 2025 की यात्रा भी किसी महाकुंभ से कम नहीं रही।

2 मई 2025 को विधि-विधान, डोलियों के स्वागत और वेद मंत्रोच्चारण के बीच केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे और केदारनाथ के कपाट 23 अक्टूबर 2025 को भैया दूज के दिन सुबह 8:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो गए थे।

फेमस जगह और मंदिर: गांधी सरोवर, फाटा, सोन प्रयाग, त्रियुगी नारायण मंदिर, चंद्रपुरी, कालीमठ, वासुकी ताल, शंकराचार्य समाधि, गौरीकुंड।

4. बद्रीनाथ- बद्रीनाथ धाम, जिसे बद्री नारायण मंदिर भी कहा जाता है, उत्तराखंड के चार धामों में सबसे प्रमुख और पवित्र धाम है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जहां वे 'बदरी-विशाल' के रूप में विराजमान हैं। इस साल 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

वहीं आज यानी 25 नवंबर को विधि विधान के साथ 2 बजकर 56 मिनट पर कपाट बंद कर दिए गए हैं। इस दौरान तकरीबन 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के मौजूद रहे।

फेमस जगह और मंदिर: पांडुकेश्वर, योगध्यान बद्री मंदिर, माणा गांव, सतोपंथ झील, तप्त कुंड, नीलकंठ शिखर, चरण पादुका, माता मूर्ति मंदिर, नारद कुंड, भीम पुल, गणेश गुफा, ब्रह्म कपाल, शेषनेत्र, व्यास गुफा आदि।

दिसंबर में बनेगा गजकेसरी योग, फिर लौटेगी खुशहाली

ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी योग को सबसे शुभ और शक्तिशाली योगों में से एक माना जाता है। यह योग तब बनता है जब देवगुरु बृहस्पति और मन के कारक चंद्रमा एक-दूसरे से केंद्र भाव में स्थित होते हैं।

गज का अर्थ है हाथी और केसरी का अर्थ है सिंह इसलिए यह योग व्यक्ति को ज्ञान, धन, मान-सम्मान और अपार सफलता दिलाता है। गुरु 4 दिसंबर 2025 को रात 8 बजकर 39 मिनट पर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इसके अलावा 5 दिसंबर को रात 10 बजकर 15 मिनट पर चंद्रमा मिथुन राशि में गोचर करेंगे। दिसंबर 2025 में, ग्रहों की स्थिति में होने वाले विशेष बदलाव के कारण यह शुभ योग कुछ राशियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाला है। इस दौरान, इन भाग्यशाली राशियों को धन, करियर और व्यक्तिगत जीवन में चमत्कारी परिणाम देखने को मिलेंगे।

मेष राशि

मेष राशि के लिए, चंद्रमा और गुरु का यह संयोग विशेष रूप से भाग्य और धर्म से संबंधित नवम भाव और करियर व कर्म से संबंधित दशम भाव को प्रभावित करेगा। कार्यक्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति और वेतन वृद्धि के योग बनेंगे। व्यापार में विस्तार होगा और नए लाभकारी सौदे होंगे। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। भाग्य का साथ मिलने से धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और आध्यात्मिक शांति मिलेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं और गुरु के साथ उनका योग आपके लिए लाभ और इच्छापूर्ति के एकादश भाव और भाग्य के नवम भाव में बन सकता है।दिसंबर का महीना धन वर्षा वाला साबित हो सकता है। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। आय में वृद्धि के साथ-साथ बचत भी बढ़ेगी। लंबे समय से अटकी हुई मनोकामनाएं पूरी होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आप अपनी योजनाओं में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और महत्वपूर्ण लोगों से संबंध बनेंगे।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए यह योग विवाह और साझेदारी के सप्तम भाव और कर्म व करियर के दशम भाव को सक्रिय करेगा। व्यापार में नए और बड़े पार्टनरशिप के योग बनेंगे, जो भविष्य में बड़ा लाभ देंगे। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर और मजबूत होंगे। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। आपकी बुद्धि और कार्यशैली की सराहना होगी, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अचानक धन लाभ के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।

धनु राशि

धनु राशि के स्वामी स्वयं देवगुरु बृहस्पति हैं। यह योग आपके लिए संतान, शिक्षा और प्रेम के पंचम भाव तथा रोग, ऋण और शत्रु के षष्ठम भाव को प्रभावित करेगा। विद्यार्थियों के लिए यह समय उत्कृष्ट है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी। ज्ञान और बुद्धिमत्ता में वृद्धि होगी। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। जो लोग संतान प्राप्ति की इच्छा रखते हैं, उनके लिए यह समय अनुकूल है। कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी और शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा और पुराने कर्जों से मुक्ति मिलने की संभावना है।

धर्मेंद्र इतनी बड़ी जमीन भतीजों को सौंप गए, पिताजी ने कहा था- ये हमारे पुरखों की है, इसे संभालकर रखना

बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान कायम कर चुके धर्मेंद्र रियल फैमिली फैन भी थे। धर्मेंद्र वो कलाकार के तौर पर जाने जाते रहे जो फिल्मी दुनिया के चकाचौंध में कभी

अपनों को नहीं भूले। उन्होंने न केवल अपने परिवार की देखभाल और उनकी जिम्मेदारी ताउम्र निभाई बल्कि गांव में चाचा-भतीजों के लिए दिल खोलकर प्यार बरसाया। धर्मेंद्र का ये किस्सा उनके पैतृक गांव डांगो का है, जहां उन्होंने अपनी ढेर सारी जमीन अपने भतीजों को दे दी। ये एक्टर के उस लगाव की झलक पेश करता है जो उन्हें उनके हर अपनों से था।

बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र का जन्म हुआ को नसराली में था लेकिन उनके दिल हमेशा अपने पिता के गांव डांगो में बसता था। वहां के लोग उनसे बेहद प्यार करते हैं। एक अच्छे संतान की तरह धर्मेंद्र को अपने बाप-दादा की जमीन की चिंता भी थी और उस धरती से काफी लगाव था। धर्मेंद्र के पिता के हिस्से की जो जमीन थी वो उन्होंने चाचा के बेटे को दे दी।

धर्मेंद्र को उनके पिता ने कहा था कि ये हमारे पुरखों की जमीन है, इसे संभालकर रखना। कहते हैं कि धर्मेंद्र ने पिता की इन्हीं बातों को हमेशा जगह दी और अपना ये जमीन अपने चाचा के बच्चों के नाम कर दी। उनका मकसद था कि वे गांव में रहकर अपने पुरखों की जमीन को हमेशा संभालकर रख सकें।

धर्मेंद्र ने भतीजों के नाम 19 कनाल 11 मरले जमीन दे दी

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि धर्मेंद्र की चाची प्रीतम कौर गांव में ही रहती हैं और अब उनकी उम्र 95 साल है। धर्मेंद्र के पिता जब नसराली में थे तो धर्मेंद्र का जन्म वहां हुआ था और बताया जाता है कि उसके बाद पिता ने धर्मेंद्र और उनकी मां को अपने गांव डांगों में रखा था। जब धर्मेंद्र तीन साल के हुए तो तब पिता साहनेवाल स्कूल में थे तो परिवार को लेकर साहनेवाल चले गए। धर्मेंद्र ने भतीजों के नाम 19 कनाल 11 मरले जमीन दे दी थी। वो उन्हें अपना खून और जड़ समझते थे। उनके भतीजे का नाम बूटा सिंह है जो लुधियाना की एक कपड़ा मिल में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में कोई किसी को आधा किला भी नहीं देता लेकिन धर्मेंद्र उन्हें अपना खून मानते थे और इतनी बड़ी जमीन परिवार को सौंप गए।

दादा जी घर से कभी खोया कभी साग बनाकर ले जाते

उन्होंने बताया तकि जब धर्मेंद्र मुंबई चले गए तो उनके दादा जी घर से खोया (मावा) बनवाकर उनके लिए मुंबई ले जाते थे। ट्रेन से मुंबई पहुंचने में उन्हें 24 घंटे लग जाते थे। बूटा सिंह ने 'भास्कर' से बातचीत में कहा- वे कभी उनके लिए बर्फी तो कभी साग बनाकर ले जाते थे और धर्मेंद्र बहुत चाव से ये सब खाते थे। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र हमेशा कहते थे कि जब भी आना घर का खोया जरूर लेकर आना।

गेट के पास से मिट्टी उठाकर माथे पर लगाई थी

बता दें कि धर्मेंद्र स्टार बनने के बाद 2013 में शूटिंग के लिए अपने पैतृक गांव डांगो आए थे और तब वो 78 साल के थे। उनके आने की खबर से पूरा गांव खुश था लेकिन धर्मेंद्र मायूस नजर आ रहे थे। गांव आते ही उन्होंने सबसे पहले मिट्टी के घर में गए और गेट के पास से मिट्टी उठाकर माथे पर लगाई थी। बताया जाता है कि घर के अंदर जाने पर वह 10-15 मिनट तक फूट-फूटकर रोते रहे थे।

अब नहीं बनेगी धर्मेंद्र से जुड़ी 'अपने 2' अभिनेता के निधन के बाद मेकर्स ने लिया फैसला

धर्मेंद्र के निधन की खबर ने न सिर्फ उनके फैंस के लिए एक गहरा खालीपन छोड़ दिया है, बल्कि एक दूसरा बड़ा नुकसान भी हुआ है। अभिनेता के निधन से बॉलीवुड की एक फिल्म पर भी असर पड़ा है। निर्देशक अनिल शर्मा ने पुष्टि की है कि फिल्म 'अपने 2' अब कभी नहीं बनेगी। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी थी।

अपनों के बिना 'अपने 2' नहीं बन सकती

अनिल शर्मा फिल्म 'अपने 2' का निर्देशन करने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने माना है कि फिल्म अब आगे नहीं बढ़ सकती। एचटी से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अपने तो अपनों के बिना नहीं बन सकती। धरमजी के बिना सीक्वल बनाना नामुमकिन है। सब कुछ ट्रैक पर था और स्क्रिप्ट तैयार थी, लेकिन वह हमें छोड़कर चले गए। कुछ सपने अधूरे रह जाते हैं। उनके बिना यह मुमकिन नहीं है।'

'अपने 2' साल 2007 में बनी फैमिली ड्रामा फिल्म 'अपने' के सीक्वल के तौर पर बनाई जानी थी। 'अपने' में धर्मेंद्र, सनी देओल, बॉबी देओल और करण देओल लीड रोल में थे। वर्षों पहले अनाउंस होने के बावजूद फिल्म 'अपने 2' की शूटिंग शुरू नहीं हुई।

धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म

धर्मेंद्र की आखिरी रिलीज होने वाली फिल्म 'इक्कीस' होगी। इसे श्रीराम राघवन ने डायरेक्ट किया है। इसमें अगस्त्य नंदा ने एक्टिंग की है। यह फिल्म एक्टर के गुजर जाने के एक महीने बाद 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

धर्मेंद्र का निधन

आपको बता दें कि 89 साल के धर्मेंद्र का लंबी बीमारी के बाद 24 नवंबर को निधन हो गया। कुछ दिन पहले ही उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से छुट्टी मिली थी और जब उनकी हालत बिगड़ी तो घर पर ही उनकी देखभाल की जा रही थी।

'देवरा पार्ट 2' का हुआ बंटाधार? बनने से पहले ही बंद हो गई जूनियर एनटीआर, जान्हवी कपूर की फिल्म

जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की एक्शन ड्रामा 'देवरा' के सीक्वल पर संकट के बादल छा गए हैं! जी हां, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2024 में रिलीज इस फिल्म के दूसरे भाग यानी 'देवरा पार्ट 2' को तत्काल डिब्बाबंद कर दिया गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मेकर्स ने इसे बनाने का फैसला ही टाल दिया है या प्रोजेक्ट को कुछ समय के लिए रोका गया है।

'देवराः पार्ट 1' मूल रूप से तेलुगू में बनी थी, जिसे पैन इंडिया पांच भाषाओं में रिलीज किया गया। राइटर-डायरेक्टर कोरटाला शिवा की इस फिल्म का निर्माण युवसुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया गया था। फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में थे। जबकि उनके साथ जान्हवी कपूर, सैफ अली खान, प्रकाश राज, श्रीकांत और शाइन टॉम चाको भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

रिपोर्ट में दावा- एनटीआर को पसंद नहीं आई पार्ट 2 की कहानी

अब '123 तेलुगू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोरटाला शिवा ने सीक्वल के लिए एक नए ड्राफ्ट पर काम किया, लेकिन जूनियर एनटीआर को लगा कि कहानी सही नहीं है और थोड़ी जबरन खिंची हुई है। बताया जाता है इस कारण अब कहानी को नए सिरे से लिखने का काम होगा। लिहाजा, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अभी रोक दिया गया है। हालांकि, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी या घोषणा नहीं की गई है।

अभी प्रशांत नील के साथ व्यस्त हैं जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर फिलहाल 'KGF' और 'सलार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की एक्शन ड्रामा पर काम कर रहे हैं। वह जल्द ही इसके अगले शेड्यूल की शूटिंग शुरू करेंगे। तेलुगू सुपरस्टार को पिछली बार ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी के साथ 'वॉर 2' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

'देवरा पार्ट 2' को लेकर सितंबर में दिया गया ये अपडेट

जहां तक 'देवरा पार्ट 1' की बात है, तो 300 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने देश में 292 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। इसी साल 27 सितंबर को, मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक नए पोस्टर के साथ फिल्म के सीक्वल की घोषणा की। पोस्टर में जूनियर एनटीआर कैमरे में देख रहे थे। पोस्टर पर लिखा है Devara 2, जबकि X पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'एक साल हो गया है जब प्रलय ने समंदर किनारों पर हमला किया था, हर किनारा कांप रहा था और दुनिया को जो नाम याद है वह है DEVARA. फिर चाहे वह डर हो या प्यार, जो इसने कमाया, वो कभी नहीं भूली जाएंगी। अब Devara2 के लिए तैयार हो जाइए।'

जूनियर एनटीआर ने कहा था- 'देवरा 2' को बड़ा बेहतर बनाने में वक्त लगेगा

यह पोस्ट ऐसे समय आया, जब एक्टर्स के फैन भी फल्मि के बारे में एक जरूरी अपडेट का इंतजार कर रहे थे। इससे पहले, 'एसोसिएटेड प्रेस' से बात करते हुए, एनटीआर ने 'देवरा 2' के बारे में कहा, 'हमने कुछ सीक्वेंस शूट कर लिए हैं, लेकिन अब यह जिम्मेदारी हमारी है, क्योंकि पार्ट 2 को कुछ बड़ा और बेहतर बनाने के लिए थोड़ा और समय लेंगे, और कुछ ऐसा जो दर्शकों को थोड़ा और उत्साहित करे।'

छह साल बाद आई थी एनटीआर की सोलो फिल्म

जूनियर एनटीआर के फैंस के लिए 'देवरा पार्ट 1' इसलिए भी खास है, क्योंकि छह साल में यह एक्टर की पहली सोलो रिलीज थी। इससे पहले उनकी 2018 में 'वीरा राघव' आई थी। बाद में वह राजामौली की RRR में राम चरण के साथ नजर आए।

किसी की परवाह नहीं करती: हुमा कुरैशी

मजबूत किरदारों और बेबाक म अंदाज के लिए प्रसिद्ध हुमा कुरैशी इन दिनों वैब सीरीज 'महारानी 4' के साथ-साथ अपने जीवन और करियर को लेकर चर्चा में है ।

लगातार काम और बड़े प्रोजैक्ट्स का हिस्सा बनने के बीच वह खुद से कैसे जुड़ी रहती है, इस पर उसने एक इंटरव्यू में खुल कर बात की।

उसने कहा कि अब वह अपने काम को ज्यादा आजादी और आत्मविश्वास के साथ देखती है। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी है खुद को समझना और वही करना, जिससे दिल संतुष्ट हो ।

हुमा ने कहा, मैंने अब दूसरों की अनावश्यक टिप्पणियों और आलोचनाओं को नजरअंदाज करना सीख लिया है। पहले मैं लोग क्या कहेंगे इस बारे में अक्सर चिंतित

रहती थी, लेकिन अब मैं इस शोर को अपने दिमाग में घुसने ही नहीं देती, क्योंकि मेरा मानना है कि एक कलाकार तभी अच्छा काम कर सकता उन बातों पर ध्यान दे, जो उसे बेहतर बनाने में मदद करें, न कि उन बातों पर, जो सिर्फ तनाव बढ़ाती हों। इसलिए की अपनी सोच को स्पष्ट रखती हूं और सिर्फ अपने काम पर फोकस करती हूं।

जब पूछा गया कि वह बाहरी उम्मीदों और अपनी निजी सोच के बीच कैसे संतुलन बनाती है तो उसने सादगी से जवाब देते हुए कहा, "मैं ऐसा कोई दबाव नहीं लेती। किसी दूसरे व्यक्ति की उम्मीदें मेरी जिम्मेदारी नहीं हैं। मेरा काम है अपने किरदारों को ईमानदारी से निभाना, करियर को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ाना और वह सब करना जो मुझे सही लगे । लोगों की राय पर चलना मेरे लिए कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा ।

हुमा ने आगे कहा, ₹मेरी सोच समय के साथ बदली है, लेकिन अचानक नहीं । धीरे-धीरे मैं इन चीजों को एक नए नजरिए से देखने लगी हूं। अब मैं सफलता को सिर्फ बाहरी प्रशंसा के रूप में नहीं, बल्कि अपने भीतर की शांति और संतुलन के रूप में भी देखती हूं। असफलता को भी मैं एक सीख की तरह लेती हूं, जिससे आगे का काम और बेहतर हो सके।

उसने यह भी कहा, मेरे भीतर एक तरह की परिपक्वता आई है। एक कलाकार, एक इंसान और एक महिला के रूप में मैंने खुद को पहले से ज्यादा समझा है। यह समझ मुझे काम करते समय हल्का महसूस कराती है । अब मेरे अंदर वह तनाव या दबाव नहीं रहता, जिसे कई कलाकार लगातार महसूस करते। आज मैं बिना किसी डर या बोझ कम करती हूं और इसे बेहद एन्जॉय कर हूं।

मैं पार्टियों में नहीं जाती : नोरा फतेही

नाडा में रहने वाले एक मोरक्कन परिवार में जन्मी और पली-बढ़ी नोरा का बॉलीवुड तक पहुंचना और यहां की भाषा न जानने के बावजूद इतनी लोकप्रियता और सफलता हासिल करना एक बड़ी बात है ।

आज के दौर में डांस का जिक्र चले तो नोरा फतेही का नाम जेहन में आना लाजिमी है। 'दिलबर दिलबर', 'कमरिया', 'नाच मेरी रानी' जैसे हिट गानों में अपने डांस का जलवा दिखाकर नोरा सबकी चहेती बन चुकी है । नोरा आज हर वजह से चर्चा में रहती है- फिर चाहे उसकी खूबसूरती हो, अदा, अंदाज या डांस लेकिन इन दिनों वह एक बड़े विवाद की वजह से सुर्खियों में है।

दरअसल, फिल्मी गलियारों में एक बार फिर दाऊद इब्राहिम के कारण हलचल पैदा हो गई है।

गैंगस्टर से जुड़े ड्रग पार्टी मामले में कई बॉलीवुड सितारों का नाम सामने आया जिनमें से एक नोरा भी है 252 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन जब्ती मामले में दुबई से डिपोर्ट हुए मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख नामक शख्स गिरफ्तार हुआ, जो दाऊद इब्राहिम से जुड़ा हुआ है।

आरोपी का कहना है कि वह देश- विदेश में ड्रग पार्टियां आयोजित करता है जिसमें दाऊद का भांजा अलीशा पारकर, श्रद्धा कपूर और नोरा फतेही समेत क ई बॉलीवुड सितारे भी शामिल होते हैं । नोरा ने अब इन आरोपों को लेकर जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर उसने इस ड्रग पार्टी विवाद पर पहली बार अपनी बात रखी है।

उसने पोस्ट में लिखा, आपकी जानकारी लिए बता दूं कि मैं पार्टियों में नहीं जाती । मैं लगातार फ्लाइट्स में रहती हूं। मैं काम में डूबी रहती हूं। मेरी कोई पर्सनल लाइफ नहीं है। मैं खुद को ऐसे लोगों से नहीं जोड़ती । अपनी छुट्टियों के दिनों में मैं दुबई के किसी बीच पर या अपने हाई स्कूल के दोस्तों के साथ घर पर होती हूं। मैं अपना पूरा दिन और रात अपने सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने में बिताती हूं। आप जो भी पढ़ें उस पर विश्वास न करें ।

दी सख्त चेतावनी

नोरा ने आगे कहा, ऐसा लगता है कि मेरा नाम आसान टार्गेट है लेकिन मैं इस बार ऐसा नहीं होने दूंगी। यह पहले भी एक बार हो चुका है। आप लोगों ने झूठ के साथ मुझे बर्बाद करने की कोशिश की मगर इसने काम नहीं किया। मैंने चुपचाप देखा कि कैसे हर किसी ने मेरा नाम खराब करने, मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और मुझे क्लिकबेट के रूप में इस्तेमाल करने की पूरी कोशिश की I प्लीज मेरे नाम और छवि का इस्तेमाल उन स्थितियों पर करने से बचें, जिनका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है । इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

हॉलीवुड में दिखाया दम

हाल ही में नोरा ने अमेरिकी टी.वी. के लोकप्रिय शो 'द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फॉलन ' में धमाकेदार शुरुआत के साथ दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं। उसने जमैका की गायिका शेनसीया के साथ अपना नवीनतम एकल गीत 'व्हाट डू आई नो (जस्ट अ गर्ल) ' प्रस्तुत किया । साथ में उसने हमेशा की तरह अपने शानदार डांस से सबका दिल जीत लिया।

फैंस की वजह से हफ्ते में एक बार रो पड़ती हैं अनीत पड्डा, एक्ट्रेस ने शेयर की दिल की बात

अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है।

क्यों इमोशनल हुईं अनीत

23 साल की अनीत ने कहा, 'मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है।' अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं।

अनीत का करियर

अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। 2022 में उन्होंने काजोल के साथ फिल्म 'सलाम वेंकी' से छोटी भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें असली पहचान नहीं मिली। इसके बाद 2024 में अनीत ने वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। साल 2025 में फिल्म 'सैयारा' ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। अहान पांडे के साथ फिल्म 'सैयारा' अनीत के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

अनीत का वर्कफ्रंट

अनीत पड्डा जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'शक्ति शालिनी' में नजर आएंगी। 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की एक आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अनीत पड्डा मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है।

सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाना पड़ सकता है भारी, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां

सोशल मीडिया, ये वो दुनिया है जहां कुछ लोग अब प्रसिद्ध होने के लिए आते हैं। यहां रेस लगती है नाम कमाने की और फॉलोअर्स बढ़ाने की। जिसके जितने ज़्यादा फॉलोअर्स होंगे लोगों के बीच उसकी उतनी ही ज़्यादा अहमियत भी होगी। इसलिए ज़्यादातर लोग अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए नए-नए पैंतरे आज़माते रहते हैं। यहां पैसे कमाने के कई रास्ते भी मिल जाते हैं। लोगों में प्रसिद्ध होने और पैसे कमाने का जुनून जितना बढ़ रहा है, उतनी ही धोखाधड़ी बढ़ती जा रही है।

एक नज़र ऐसे ही धोखाधड़ी पर डालते हैं...

थर्ड पार्टी एप

ये एप्स सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने, पोस्ट पर लाइक्स और कमेंट्स पाने में मदद करते हैं। प्ले स्टोर पर ऐसे कई एप्स मौजूद हैं। इनका इस्तेमाल करने के लिए पहले आपको अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इसमें लॉगइन करना पड़ता है, यानी कि आप सीधा-सीधा अपने सोशल मीडिया का यूज़र आईडी, ई-मेल आईडी और पासवर्ड किसी अनजान एप के साथ साझा कर रहे हैं। इससे अकाउंट हैक हो सकता है। इसके अलवा, कुछ ऐसे अकाउंट्स भी मौजूद हैं जो फॉलोअर्स, लाइक्स और कमेंट बढ़ाने का दावा करते हैं, जिसके बदले कुछ रकम चुकानी होती है।

फॉलोअर्स बढ़ाने के ये दोनों ही ज़रिए काम करते हैं, परंतु इनकी मदद से जो अकाउंट्स आपको फॉलो करते हैं वो ऐसे अकाउंट होते हैं जो सक्रिय नहीं हैं या फिर स्पैम हैं। इनका कॉन्टेंट शून्य होता है या आपत्तिजनक होता है, ये सिर्फ़ दूसरों को फॉलों करने के लिए होते हैं।

इन तरीक़ों से आपके फॉलोअर्स की संख्या तो बढ़ जाएगी लेकिन आपके अकाउंट की वृद्धि रुक जाएगी।

निवेश स्कैम

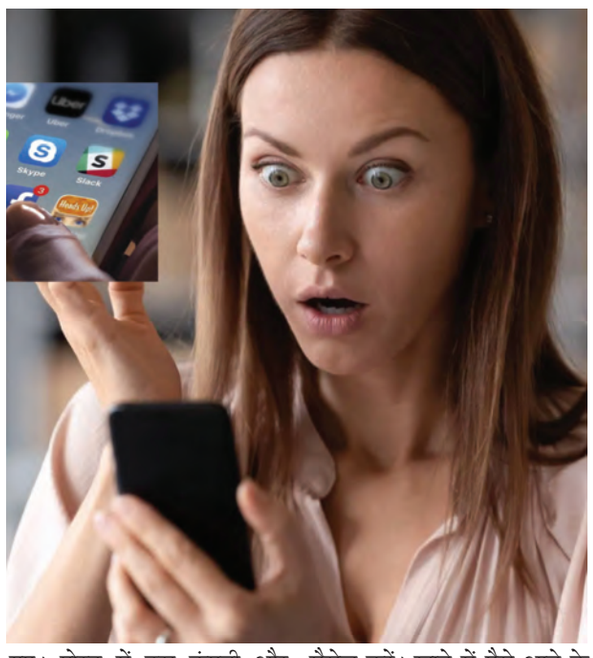

सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट आपने भी देखी होगी जिसमें व्यक्ति बिटक्वाइन की कंपनी का नाम लेकर बताता है कि उसने इसमें 50 हज़ार रुपये निवेश किए और वो 1 लाख रुपये में बदल गए। पोस्ट में उस कंपनी और व्यक्ति को टैग करके यह भी बताया जाता है कि अगर आपको भी मेरी तरह ज़िंदगी बदलनी है तो इस व्यक्ति (टैग किए हुए) को मैसेज करें। खाते में पैसे आने के मैसेज के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए जाते हैं। ये एक धोखाधड़ी है जिसमें हैकर किसी व्यक्ति का सोशल मीडिया अकाउंट हैक करके इस तरह के पोस्ट डालता है।

क्रिप्टोकरंसी, बिटक्वाइन जैसे डिजिटल निवेशों का झांसा दिया जाता है। ठग मैसेज करता है या फिर आपके ही किसी परिचित का अकाउंट हैक करके आपको निवेश करने के लिए तैयार करता है। इसके लिए वो कोई लिंक साझा कर सकता है, जिसे खोलते ही अकाउंट की बागडोर हैकर के हाथ में होती है। अब इसमें वो निवेश से जुड़े फ़ायदों के झूठे पोस्ट डालना शुरू कर देता है। कुछ मामलों में ठग सिर्फ़ निवेश के नाम पर पैसे लेकर ग़ायब हो जाते हैं।

कुछ ठगी ऐसी भी हैं

सोशल मीडिया पर कपड़े या अन्य सामान भी बेचे जाते हैं। जब ख़रीदार ऑनलाइन भुगतान कर देता है तो न सामान उस तक पहुंचता है और न ही पैसे वापस होते हैं। इसके बाद वह विक्रेता ग़ायब हो जाता है।

स्पॉन्सर्ड पोस्ट या ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए भी मैसेज आ सकते हैं, जिसमें वो आपको पैसे देकर पोस्ट करने के लिए कहेंगे।

गिवअवे पोस्ट यानी पोस्ट को लाइक करके लोगों को टैग करना होता है। इसमें विजेता को उपहार दिए जाते हैं। इनमें ज़्यादातर स्कैम होते हैं जिसमें एक लिंक भी दिया होता है, उस पर क्लिक करते ही सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो जाता है।

थोड़ा ध्यान रखें

निवेश से संबंधित मैसेज को डिलीट कर दें। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें।

किसी भी थर्ड पार्टी एप का इस्तेमाल करने से बचें। अगर आपने किया है तो उन नक़ली फॉलोअर्स को हटा दें।

यदि किसी दोस्त की तरफ़ से कोई लिंक या पैसे से संबंधित मैसेज आता है तो फौरन उसे कॉल करके बताएं।

ऑनलाइन शॉपिंग केवल विश्वसनीय कंपनी से करें। अगर सोशल मीडिया पर कुछ पसंद आया है तो उस कंपनी की वेबसाइट देखें और उस वस्तु से जुड़े ख़रीदारों के रिव्यू भी पढ़ें। फॉलोअर्स बढ़ाने, पैसे कमाने जैसी बातों में न आएं।

जिम के लिए कौन से फल सबसे अच्छे हैं? फिटनेस और हेल्थ, दोनों के लिए फायदेमंद

क्या आप भी हर रोज जिम में वर्कआउट करते हैं? अगर हां, तो आपको भी इन फ्रूट्स के बारे में जान लेना चाहिए जिन्हें एक्सरसाइज करने से पहले या फिर बाद में खाने से आपकी हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर फलों का सेवन करने की सलाह देते हैं। फलों में पाए जाने वाले तमाम पोष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ पर एक-दो नहीं बल्कि ढेर सारे पॉजिटिव असर डाल सकते हैं। जिम जाने वाले ज्यादातर लोग फिट रहने के साथ-साथ अपनी मसल्स की मजबूती के लिए भी वर्कआउट कर पसीना बहाते हैं। आज हम कुछ ऐसे फलों के बारे में बताने जा रहे हैं जो जिम के लिए सबसे अच्छे साबित हो सकते हैं।

एवोकाडो- अगर आप जिम जाकर अपनी बॉडी बनाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको अपनी डाइट में एवोकाडो को जरूर शामिल करना चाहिए। एवोकाडो में पाए जाने वाले तत्व मसल्स को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं।

सेब- हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर सेब को अपनी डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं। सेब आपकी हेल्थ के साथ-साथ आपकी मसल्स को भी पावरफुल बनाने में मदद कर सकता है। आप वर्कआउट से थोड़ी देर पहले या फिर वर्कआउट के थोड़ी देर बाद सेब का सेवन कर सकते हैं।

केला- कार्बोहाइड्रेट रिच केला आपकी हेल्थ के साथ-साथ आपकी मसल्स के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। केले का सेवन करने से आपकी मसल्स को डैमेज होने से या फिर टूटने से भी बचाया जा सकता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप बनाना शेक को अपने ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते हैं।

ब्लूबेरी- एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर ब्लूबेरी आपकी मसल्स की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं। मसल्स को मजबूत बनाने के लिए ब्लूबेरी को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

तरबूज- क्या आपको भी यही लगता है कि गर्मियों में तरबूज खाने से सिर्फ आपके शरीर में मौजूद पानी की कमी को पूरा किया जा सकता है?

अगर हां, तो आज हम आपकी इस गलतफहमी को दूर कर देते हैं। तरबूज का सेवन करने से आपकी मसल्स के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है जिससे आपकी मसल्स की ग्रोथ और स्ट्रेंथ इम्प्रूव होती है।

दिमाग को हेल्दी रखने के लिए टिप्स

आजकल की भगति दौड़ती ज़िंदगी में तनाव लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। देश की 70% आबादी हमेशा टेंशन में रहती है और फिर होता ये है कि स्ट्रेस, हार्मोनल चेंजेस, खराब लाइफस्टाइल और नींद की कमी का सीधा असर हमारे दिमाग पर पड़ता है। स्ट्रेस लेने से दिमाग कमजोर होने लगता है और उस वजह से लोग न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर की गिरफ्त में आने लगते हैं। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर दिमाग के साथ साथ शरीर और रीढ़ की हड्डी में पाई जाने वाली नसों को भी प्रभावित करते हैं। ऐसे में फरीदाबाद स्थित फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल के न्यूरोलॉजी निदेशक डॉ. विनीत बंगा हमे बता रहे हैं कि दिमाग को स्टेबल और मन को शांत बनाने के लिए डेली रूटीन में क्या करें?

इन तरीकों से दूर होगा दिमाग का केमिकल लोचाः

संतुलित आहार लें: पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार का सेवन दिमाग की सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है। एंटीऑक्सीडेंट, हेल्दी फैट्स, विटामिन और मिनिरल्स से भरपूर खाद्य पदार्थ मस्तिष्क को ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं। इसलिए, अपनी डाइट में पत्तेदार साग, जामुन, मछली, मेवे और बीज शामिल करें। सैल्मन जैसी मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड मदिमाग को तेज करने में बेहद फायेमंद है।

नियमित करें व्यायाम: नियमित रूप से व्यायाम करने से दिमाग का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है जो याद्दाश को बेहतर बनाने में मदद करती है। हफ्ते में कम से कम 5 दिन 30 मिनट तक व्यायाम का लक्ष्य रखें। जैसे- पैदल चलना, तैरना और योग जैसी गतिविधियाँ मस्तिष्क के कार्य को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैं।

दिमाग को तेज बनाने वाले गेम खेलें: अपनी डेली रूटीन में ऐसी एक्टिविटी शामिल करें जो आपके दिमाग को चुनौती देती हैं। जैसे - पहेलियाँ, पढ़ना, नए कौशल सीखना या संगीत वाद्ययंत्र बजाना आपके मस्तिष्क को तेज रखने में मदद कर सकता है।

पूरी नींद लें: दिमाग के स्वास्थ के लिए नींद बेहद ज़रूरी है। रोज़ाना 7-9 घंटे की अच्छी नींद लेने का लक्ष्य रखें। सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें और और इलेक्ट्रॉनिक्स का इस्तेमाल न करें। रात को सोने से पहने मोबाइल का इस्तेमाल करने से आपकी नींद खराब हो सकती है।

स्ट्रेस कम लें: तनाव दिमाग को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसलिए, तनाव से छुटकारा पाने के लिए गहरी साँस लें और आंखें बंद कर ध्यान ले लगें। अपनी मन-पसंद चीज़े सीखें। प्रियजनों के साथ समय बिताना और ब्रेक लेना भी तनाव को कम करने में मदद करता है।

इन टिप्स की मदद से लोगों की शिकायतों के बाद भी आपका रिश्ता बना रहेगा मजबूत

रिश्ते में आना आसान होता है, लेकिन इस रिश्ते को मेंटेन रखना, आपस में भरोसा कायम रखना और प्यार को बनाए रखना उतना ही मुश्किल है. हालांकि, अगर हेल्दी रिलेशनिशप के कुछ सिंपल टिप्स को फॉलो करें तो आपकी लव लाइफ काफी स्मूद हो सकती है और बिना परेशानियों के रिश्ते को मजबूत बनाए रख सकते हैं.

हैप्पी मैरिज में छपी एक खबर के मुताबिक, किसी भी रिश्ते के लिए बातचीत सबसे जरूरी चीज होती है. इसके बगैर कई तरह की समस्याएं आपस में शुरू हो सकती हैं. अगर आप चाहते हैं कि लोगों की बातों का असर अपके शादीशुदा जिंदगी पर असर ना करे और शादी सफल रहे तो आपस में बातचीत बनाए रखें और हर तरह की समस्याओं, उलझनों और अच्छी चीजों को भी आपस में शेयर करें.

सुनना एक कला है. रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए भी एक अच्छा श्रोता बनना बहुत जरूरी होता है. इससे आपस में विश्वास बढ़ता है और आपके बीच पारदर्शिता बनी रहती है. कई बार लोग केवल अपनी बात को बताना पसंद करते हैं, सुनना नहीं चाहते हैं. लेकिन यह नहीं सोचते कि आखिर पार्टनर क्या बताना चाहता है. इसलिए पार्टनर की परेशानियों को सुनना भी शुरू करें. यकीनन, आपके बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी.

कई लोग अपने गुस्से और नाराजगी को तो व्यक्त करते हैं, लेकिन प्यार और भरोसे को बताने में पीछे रह जाते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके बीच भरोसा बना रहे तो उनपर अपने भरोसे को दिखाएं और यह महसूस कराएं कि आप दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसा अपने पार्टनर पर करते हैं.

रिश्ते में सर्पोटिव बनना जरूरी है. कोई भी रिश्ता बिना एक दूसरे के सपोर्ट के काम नहीं कर सकता. यह सर्पोट दोनों तरफ से होना जरूरी है. यह सपोर्ट, इमोशनल, फाइनेंशियल, फिजिकल, मेंटल, हर तरह से होना चाहिए. जब आप हर तरह से एक दूसरे को सर्पोट करते हैं तो इससे बॉडिंग स्ट्रॉन्ग बनती है और रिश्ते बुरे वक्त में भी मजबूत रहता है.

हेल्दी रिलेशनशिप के लिए एक-दूसरे की सोच और भावनाओं की कद्र करना भी जरूरी होता है. हो सकता है कि आपकी सोच में अंतर हो, लेकिन आपको यह समझना होगा कि आप एक दूसरे की अलग सोच को हर वक्त क्रिटिसाइज करने की बजाय यह महसूस कराएं कि आप उनकी सोच की भी इज्जत करते हैं. इस तरह एक दूसरे के प्रति समझ बढ़ेगी और भरोसा मजबूत होगा।

आज भी अपनों के बीच दुर्व्यवहार का शिकार हो रही हैं महिलाएं

'दिल धड़कने दो' के एक दृश्य में कृपा करने या इजाज़त देने की बात पर चर्चा होती है, जहां एक पति यह कहता है कि उसके घर में कभी किसी स्त्री ने नौकरी नहीं की, लेकिन उसने अपनी पत्नी को करने दी। इस पर पत्नी का मित्र पति को याद दिलाता है कि जब आप किसी को इजाज़त देने की बात करते हैं, तो आप ख़ुद को नियंत्रक की स्थिति में रखते हैं।' यह नियंत्रण, कृपालु या संरक्षक बनना केवल शब्द नहीं हैं। इसकी पूरी परिभाषा है, व्यवहार का पूरा व्याकरण है और यह कई स्त्रियों के जीवन पर छाया घुटन का तम है।

महिलाएं ख़ुद को समाज की अहम इकाई साबित कर चुकी हैं। वे पहले भी थीं, लेकिन इसकी तस्दीक़ ख़ुद करने से गुरेज़ करती थीं। अब वे समर्थ हैं और मुखर भी, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। आज भी घरों की चारदीवारों के पीछे और अपनों के बीच महिलाएं दुर्व्यवहार और दमन का शिकार हो रही हैं। चाहे वो वर्किंग हों या होममेकर, महिलाओं के प्रति मालिकाना रवैया आज भी दिख रहा है।

सिद्ध हो चुका है कि महिलाएं बेहतर मैनेजर और सलाहकार होती हैं, वहीं कई घरों में उन्हें बोलने तक नहीं दिया जाता। वे अपने ही घर में स्वतंत्र महसूस नहीं कर पाती हैं जो उनके प्रति हीन रवैया रखे जाने की तरफ़ इशारा करता है। उन्हें इतना निम्न महसूस करवा दिया जाता है कि उनका आत्मसम्मान ख़त्म हो जाता है और आत्मविश्वास आहत होता है। उनका मज़ाक़ उड़ाना, उनकी बातों को बीच में काटना, उनकी ज़रूरतों को दरकिनार करना गंभीर नकारात्मक व्यवहार हैं, जो आज भी हो रहे हैं। लेकिन इससे भी गंभीर बात ये है कि महिलाएं अपने प्रति हो रहे ऐसे व्यवहार को सामान्य समझकर सहन कर जाती हैं और इस रवैए का विरोध तक नहीं करतीं।

माता-पिता की अच्छी आदतें, बच्चों के जीवन पर डालती हैं पॉजिटिव असर

माता-पिता बनने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप पैरेंट्स होने के नाते गलतियां हो हीं नहीं. मायने यह रखता है कि आप अपने बच्चे के सामने कितने बेहतर इंसान बनते हैं और बच्चों के जीवन को सकारात्मक बनाने के लिए आप किस हद तक प्रयास करते हैं. इससे बच्चे पर प्रभाव पड़ता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप प्रभावशाली परवरिश के लिए किन आदतों को अपनाएं.

वेरीवेल फैमिली के मुताबिक, सबसे प्रभावशाली माता पिता बनने का लक्ष्य आदर्शवादी माता-पिता बनना नहीं है, बल्कि आप अपने बच्चों को आने वाले जीवन की कठिनाइयों को डील करने के लिए कितना मानसिक रूप से मजबूत बना रहे हैं और एक जिम्मेदार इंसान बनाने का प्रयास कर रहे हैं. बेहतर परवरिश के लिए माता-पिता को घर और बाहर नियमों को लागू करना जरूरी है. ये नियम हर किसी पर लागूं हों. ये नियम जीवन में डिसिप्लिन लाता है, जो बेहतर लाइफ के लिए जरूरी है. सही समय पर घर आना और घर को मेंटेन रखना आदि इसमें शामिल है. बच्चे जब अपने माता-पिता को मेहनत करते देखते हैं तो उन्हें भी मेहनत करने का मोटिवेशन मिलता है.

हालांकि, रूल्स के प्रति कभी कभी या कुछ चीजों में फ्लेक्सिबल होना भी जरूरी है. हैम्पशायर यूनिवर्सिटी के मुताबिक, जरूरत से अधिक नियम बना देना भी कई बार परिवरिश में मुश्किलें पैदा कर सकता है और बच्चे नियमों को तोड़ना सीख लेते हैं, इसलिए कभी कभी नियमों को लेकर फ्लेक्सिबल भी बनें.

कुछ माता-पिता अपने बच्चों के साथ बहुत सारी बातें करते हैं. अगर बच्चा आपसे हर बात शेयर कर रहा है तो यकीन मानिए आपकी परवरिश अच्छी हो रही है. दरअसल, जब बच्चा अपने लाइफ की छोटी छोटी बातें भी शेयर करता है तो उसका सोशल स्किल, भाषा, एक्सप्रेशन, क्रिएटिविटी, इमैजिनेशन आदि भी काफी बढ़ता है और उसे आपकी तरफ से सही गलत का भी पता चलता है.

अगर आप अपने बच्चे को रोज 20 मिनट कुछ पढ़कर सुनाते हैं तो ये उसके विकास में काफी मदद कर सकता है. शोधों में पाया गया है कि अगर आप ऐसा करते हैं तो बच्चा 15 साल की उम्र जाते जाते अपने उम्र से एक साल अधिक की जानकारी इकट्ठा कर पाता है. यही नहीं, इससे बच्चे का शब्दकोश बढ़ता है और वह दुनिया के प्रति समझ भी बढ़ा पाता है.

सर्दियों में खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए इन चीजों का कर सकते हैं सेवन

आमतौर पर लोग मानते हैं कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों की समस्या है, लेकिन सच यह है कि यह परेशानी सर्दियां में भी हो सकती है। बहुत कम लोगों को मालूम है कि डिहाइड्रेशन की समस्या ठंड में उतनी ही खतरनाक होती हैं, जितनी गर्मी के मौसम में होती है। अक्सर ठंड के कारण हमें प्यास कम लगती है, पसीना कम आता है, और हम पानी पीना कम कर देते हैं।

नारियल पानी और हर्बल चाय

सादे पानी के अलावा नारियल पानी सर्दियों में हाइड्रेशन के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है। यह प्राकृतिक रूप से इलेक्ट्रोलाइट्स, खासकर पोटेशियम, से भरपूर होता है, जो शरीर के तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही, हर्बल चाय (जैसे अदरक, तुलसी या कैमोमाइल चाय) भी हाइड्रेशन प्रदान करती है। अच्छी बात यह है कि हर्बल चाय आपको ठंड के दिनों में गर्माहट भी देती है।

पानी से भरपूर फल

सर्दियों में हाइड्रेशन के लिए ताजे फल बेहतरीन होते हैं। इस मौसम में संतरे और स्ट्रॉबेरी जैसे फल खाएं, जिनमें पानी की मात्रा 85% से 90% तक होती है। ये फल सिर्फ आपको हाइड्रेटेड नहीं रखते, बल्कि विटामिन C जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होते हैं, जो सर्दियों में आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इन्हें सीधे खाने या जूस के रूप में लेने से शरीर को तुरंत नमी और ऊर्जा मिलती है।

खीरा और अन्य सब्जियां

फल ही नहीं, कुछ सब्जियां भी शरीर को हाइड्रेटेड रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खीरा, जिसमें लगभग 95% पानी होता है, ठंड में डिहाइड्रेशन से लड़ने का एक शानदार तरीका है। इसके अलावा, सलाद और अन्य खाद्य पदार्थों में पानी से भरपूर टमाटर और शिमला मिर्च को भी शामिल करें। ये सब्जियां न केवल पानी की आपूर्ति करती हैं, बल्कि भोजन के साथ-साथ आपके तरल पदार्थ के सेवन को भी बढ़ाती हैं।

सूप और दाल का पानी

सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने के लिए गरमा गरम सूप से बेहतर कुछ नहीं होता। चाहें वह वेजिटेबल सूप हो या चिकन सूप, ये उच्च जल सामग्री वाले होते हैं। सूप में मौजूद सब्जियां और शोरबा एक साथ तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट्स देते हैं। इसके अलावा दाल का पानी या दाल का पतला शोरबा भी एक बेहतरीन पारंपरिक विकल्प है, जो पोषक तत्वों के साथ-साथ हाइड्रेशन भी प्रदान करता है।

शेयर बाजार में बंपर उछाल, सेंसेक्स 1022 अंक उछला, निफ्टी 26200 के पार

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी समकक्षों से मिले मज़बूत संकेतों और मजबूत घरेलू बाजर की बुनियादी बातों के चलते बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में तेजी से बढ़त दर्ज की गई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1022.50 अंक या 1.21 प्रतिशत चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,057.18 अंक या 1.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,644.19 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 320.50 अंक या 1.24 प्रतिशत बढ़कर 26,205.30 पर बंद हुआ। यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से केवल 10 अंक पीछे था। विशेषज्ञों ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संभावित युद्धविराम को लेकर बढ़ती आशावादिता ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया है। सीमित दायरे में कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे टूटकर 89.23 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इंफोसिस प्रमुख लाभ में रहीं। भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स पिछड़ गए। बाजार में भागीदारी व्यापक रही, जिसमें धातु, ऊर्जा और आईटी में बढ़त सबसे ज्यादा रही। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांक भी 1 प्रतिशत से ज्यादा चढ़े।

यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। कोस्पी 2.67 प्रतिशत, निक्केई 225 सूचकांक 1.85 प्रतिशत और हैंग सेंग सूचकांक 0.13 प्रतिशत चढ़ा। हालांकि, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ी

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय बाजारों में बुधवार को प्रभावशाली तेजी देखी गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर खरीदारी हुई, जो वैश्विक इक्विटी में तीव्र जोखिम की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इस तेजी को दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों से समर्थन मिला है, क्योंकि नवीनतम अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जिनमें सितंबर के खुदरा बिक्री और उत्पादक मूल्य के आंकड़े शामिल हैं ने मांग में नरमी और मुद्रास्फीति में कमी का संकेत दिया है।

डॉलर के कमजोर होने से बाजार की धारणा में हुआ सुधार

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों, साथ ही अमेरिका में ब्याज दरों में नरमी और डॉलर के कमजोर होने से बाजार धारणा में सुधार हुआ है। इसके अलावा, रूस और यूक्रेन के बीच संभावित संघर्ष विराम को लेकर बढ़ती आशावादिता जोखिम उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है, जिससे आगामी वर्ष के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल रहा है।

रिजर्व बैंक कर सकता है ब्याज दरों में कटौती

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दरों में कटौती को लेकर नए सिरे से आशावादिता के साथ-साथ अगले महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीदों से निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, यूक्रेन और रूस के बीच शांति की दिशा में प्रगति की उम्मीद से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी समर्थन मिला।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 62.50 डॉलर प्रति बैरल पर

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 62.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 785.32 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 313.70 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 84,587.01 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 74.70 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 25,884.80 पर बंद हुआ।

3 साल में 3 गुना बढ़े 5-10 लाख कमाने वाले

इस बार रिकॉर्ड 10 करोड़ लोग रिटर्न भरेंगे टैक्सपेयर इनकम की सही जानकारी दे रहे

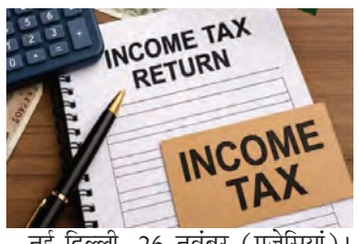

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा आयकर छूट बढ़ाने से रिवर्स ट्रेंड देखने को मिल रहा है। इनकम टैक्स में छूट बढ़ने के बाद आशंका थी कि टैक्स रिटर्न भरने वालों की संख्या और कुल रिटर्न कम हो जाएगा। लेकिन बीते 3 साल में 5 से 10 लाख आय वाले रिटर्न दाताओं की हिस्सेदारी 2.8 गुना बढ़ी है।

वित्त वर्ष 2023-24 में 5 लाख से 10 लाख की आय ब्रैकेट में 16.39% लोगों ने रिटर्न भरा था। इसी क्रम में 2024-25 में 37% लोगों ने रिटर्न भरा, जबकि 2025-26 में यह 46% हो चुका है।

बता दें कि 2025-26 से न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं लेगा। नौकरीपेशा के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी।

नोटिस का डर खत्मः आईसीएआई पूर्व चेयरमैन (डायरेक्ट टैक्स कमेटी) चंद्रशेखर चितले के अनुसार छूट सीमा बढ़ने को करदाता सुरक्षा का संकेत मानते हैं। पहले, छोटे कारोबारी नोटिस के भय से टैक्स देने से बचते थे।

आय नहीं छिपा रहेः आय का बड़ा हिस्सा कर-मुक्त होने पर करदाता पूरी आय घोषित करता है। यह मानसिक रूप से सुकून देता है। ईमानदारी मुफ्त है, तो लोग ईमानदारी चुनते हैं।

डिजिटल ट्रैकिंगः यूपीआई, जीएसटी और एआईएस जैसी डिजिटल सिस्टम से लेन-देन को ट्रेस करना आसान बना दिया है। करदाता इसके कारण टैक्स नियमों का पालन कर रहे हैं।

उच्च छूट की सीमाः उन लोगों के लिए 'खुद को साफ करने' का मौका देती है, जिन्होंने अतीत में डर से कम आय घोषित की थी।

आय भी बढ़ीः एक हिस्सा देश की वास्तविक समृद्धि को भी दर्शाता है। औपचारिक वेतन, गिग इकोनॉमी और छोटे व्यवसायों में वृद्धि के कारण बड़ी आबादी की आय पहले से बढ़ी है।

पहली बार इनकम टैक्स कलेक्शन 25 लाख करोड़ रुपए पार होगा

संसद में केंद्र ने बताया था कि 5 साल में कॉर्पोरेट, एचयूएफ और व्यक्तिगत आयकरदाताओं को 13.23 लाख करोड़ रुपए की छूट दी गई, लेकिन टैक्स कलेक्शन में गिरावट नहीं आई।

इस साल पहली बार कुल 25.2 लाख करोड़ के टैक्स संग्रह का लक्ष्य रखा है। यह 12.75 लाख तक की आय को करमुक्त करने के बाद भी बीते वर्ष के 22.26 लाख करोड़ से 13.36% ज्यादा है।

रिटर्न भरने वाले दो साल 2022-23 से 2023-24 के बीच में 1.39 करोड़ बढ़े हैं। इस वर्ष यह संख्या रिकॉर्ड 10 करोड़ पहुंच सकती है। 31 अक्टूबर तक यह संख्या 8 करोड़ को पार कर चुकी है। इसमें ऑडिट और कंपनी के रिटर्न शामिल नहीं हैं।

सरकार के '4 कोड' ने तोड़ा नारायण मूर्ति का सपना!

धरा रह गया चीन का 9-9-6 फॉर्मूला

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हाल ही में हफ्ते में 72 घंटे काम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के युवाओं को कड़ी मेहनत करनी होगी। नारायण मूर्ति ने चीन के '9-9-6 रूल' की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि कड़ी मेहनत के बिना कोई भी व्यक्ति, समुदाय या देश आगे नहीं बढ़ सकता। चीन के '9-9-6 रूल' का मतलब है सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक हफ्ते में 6 दिन काम करना यानी कुल 72 घंटे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी उदाहरण दिया था जो हफ्ते में 100 घंटे काम करते हैं। लेकिन अब सरकार ने एक नियम ने नारायण मूर्ति के इस सपने को लगभग तोड़ दिया है।

नारायण मूर्ति के इस बयान पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई थीं। उन्हें ज्यादातर लोगों की आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था। लोगों ने कहा था कि भारतीय पहले से ही खराब बुनियादी ढांचे और जीवन यापन की ऊंची लागत से परेशान हैं। एक यूजर ने कहा था कि बढ़िया विचार है सर। लेकिन पहले चीन जैसी सैलरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रहने का खर्च दीजिए। फिर बात करेंगे।

सरकार ने कैसे तोड़ा सपना?

नारायण मूर्ति ने बेशक हफ्ते में 72 घंटे काम करने का समर्थन किया हो, लेकिन सरकार ने नए लेबर लॉ ने उनके सपने को तोड़ दिया है। सरकार ने हाल ही में 4 नए लेबर कोड जारी किए हैं। इनमें काम के हफ्ते को 48 घंटे तक सीमित कर दिया है। ये नए कोड 21 नवंबर से लागू हो गए हैं। ये नए कोड 29 पुराने केंद्रीय श्रम कानूनों की जगह लेंगे।

सोना 885 रुपए महंगा होकर 1.26 लाख पर पहुंचा

चांदी में 1,536 की तेजी, इस साल गोल्ड के 50,000 और सिल्वर के 72,000 चढ़े दाम

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी बुधवार, 26 नवंबर को तेजी देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 885 रुपए महंगा होकर 1,26,004 रुपए पर पहुंच गया है। कल 10 ग्राम सोना 1,25,119 रुपए का था।

वहीं, चांदी 1,536 रुपए महंगी होकर 1,57,856 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 1,56,320 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं।

पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-31**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-35**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष गुरुवार **27 Nov**
तिथि - सप्तमी **00-30** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - धनिष्ठा **02-32** तक उप शतभिषा
योग - ध्रुव **12-09** तक उप व्याघात
करण - गर **12-21** तक उप वणिज
मित्र सप्तमी
नरसी मेहता ज.

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक	वृश्चिक...	05-41 बजे
चंद्र -	मकर	धनु.....	06-55 बजे
मंगल-	वृश्चिक	मकर...	10-02 बजे
बुध -	तुला	कुंभ....	12-01 बजे
गुरु -	कर्क	मीन....	13-30 बजे
शुक्र -	वृश्चिक	मेष.....	15-06 बजे
शनि -	मीन	वृष.....	16-51 बजे
राहु -	कुंभ	मिथुन..	18-50 बजे
केतु -	सिंह	कर्क...	21-06 बजे
		सिंह----	23-16 बजे
		कन्या--	01-22 बजे
		तुला ---	03-36 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
13-27
14-51

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-31 - 07-53 शुभ	शुभ	06-31 - 07-53 शुभ
रोग	07-53 - 09-16 अशुभ	रोग	07-53 - 09-16 अशुभ
उत्पात	09-16 - 10-40 अशुभ	उत्पात	09-16 - 10-40 अशुभ
चंचल	10-40 - 12-04 शुभ	चंचल	10-40 - 12-04 शुभ
लाभ	12-04 - 13-27 शुभ	लाभ	12-04 - 13-27 शुभ
अमृत	13-27 - 14-51 शुभ	अमृत	13-27 - 14-51 शुभ
काल	14-51 - 16-15 अशुभ	काल	14-51 - 16-15 अशुभ
शुभ	16-15 - 17-35 शुभ	शुभ	16-15 - 17-35 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज़ खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं |आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे|समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ट्रंप के निशाने पर एक बार फिर भारत

अब इस बहाने किया हमला, क्या चाहते हैं?

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है। कारण है कि यह दुनियाभर में जेनेरिक दवाओं का प्रमुख सप्लायर है। भारत का दवा उद्योग बहुत बड़ा और विविध है। यह दुनिया भर के देशों को दवाएं निर्यात करता है। ट्रंप प्रशासन ने अब भारत के इस दवा उद्योग को निशाना बनाया है। भारतीय फार्मा सेक्टर को टारगेट करते हुए उसने फेंटानिल की तस्करी के खिलाफ अपना अभियान तेज किया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चीन के बाद भारत को 'फेंटानिल प्रीकर्सर' का प्रमुख स्रोत बताया है। उन्होंने सिंथेटिक ओपिओइड्स की ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की भूमिका पर चिंता जताई है। इससे भारतीय निर्यातकों और नियामकों पर दबाव बढ़ गया है। यह भारत के नियामक निरीक्षण और अंतरराष्ट्रीय दवा बाजारों में देश के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाता है। अमेरिका ने हाल ही में टैरिफ और नए वीजा प्रतिबंध लगाए हैं। यह फेंटानिल बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर केमिकल्स (पूर्वगामी रसायन) के प्रवाह को रोकने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

चीन ने हाल ही में अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के बाद फेंटानिल प्रीकर्सर के नियंत्रित निर्यात की अपनी सूची का विस्तार किया। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग के साथ बातचीत के बाद फेंटानिल से संबंधित 20% टैरिफ को आधा कर दिया। हालांकि, उन्होंने अन्य देशों पर अतिरिक्त व्यापार बाधाएं बनाए रखीं।

यह अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन के प्रति एक सूक्ष्म दृष्टिकोण का संकेत देता है। जबकि चीन के प्रयासों को अमेरिकी अधिकारियों से सराहना मिली है, भारत का बढ़ता दवा क्षेत्र जांच के दायरे में बना हुआ है।

भारतीय अधिकारियों का अमेरिका के नशीली दवाओं पर नियंत्रण अभियानों के साथ सहयोग का एक रिकॉर्ड रहा है।

1000 की एसआईपी एलन मस्क या मुकेश अंबानी नहीं बना पाएगी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। करोड़पति-अरबपति बनने के लिए अक्सर एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश की सलाह दी जाती है। लेकिन एक एक्सपर्ट के विचार कुछ और ही हैं। पीपीएफएएस म्यूचुअल फंड के सीआईओ राजीव ठक्कर ने म्यूचुअल फंड में निवेश की एक कड़वी सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि आपकी एक हजार रुपये की मासिक एसआईपी आपको एलन मस्क या मुकेश अंबानी नहीं बना पाएगी।

ठक्कर ने कंपाउंडिंग की शक्ति के बारे में बताते हुए कहा कि सिर्फ थोड़ा-थोड़ा पैसा निवेश करने से बहुत बड़ी रकम नहीं बनती। हाल में फंड हाउस की 2025 यूनिटहोल्डर्स मीट में उन्होंने कहा कि अगर आप वाकई में बहुत सारा पैसा जोड़ना चाहते हैं तो आपको शुरुआत में ही ज्यादा पैसा लगाना होगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई अंबानी या मस्क के स्तर की दौलत बनाना चाहता है 'पी' प्रिंसिपल (मूलधन) की राशि काफी ज्यादा होनी चाहिए।

फंड मैनेजर पर निर्भर रहना काफी नहीं

फंड हाउस की ओर से बोलते हुए ठक्कर ने यह भी साफ किया कि वे निवेश का प्रबंधन तो करते हैं, लेकिन कुछ ऐसी चीजें हैं जो उनके बस में नहीं हैं, बल्कि ये पूरी तरह से आप पर निर्भर करती हैं। ठक्कर का कहना है कि निवेश में सफलता के लिए सिर्फ फंड मैनेजर पर निर्भर रहना काफी नहीं है। आपको खुद भी समझदारी से फैसले लेने होंगे, जैसे कि आप कितनी जल्दी निवेश शुरू करते हैं, कितना पैसा निवेश करना है, कितने समय के लिए निवेश करना है और अपने लक्ष्यों के हिसाब से सही जगह पर निवेश करना है। ठक्कर ने कहा कि निवेशक अक्सर रिटर्न और अल्फा पर बहुत ध्यान देते हैं, लेकिन उस चीज को अनदेखा कर देते हैं जो उनके सबसे ज्यादा नियंत्रण में है। और वह चीज है कि वे कितना पैसा और कितने समय के लिए निवेश करते हैं। कंपाउंड इंटरेस्ट के फॉर्मूले में 'आर' यानी ब्याज दर की बात करते हुए ठक्कर ने समझाया कि भले ही ऐसा लगे कि ब्याज दर फंड मैनेजर तय करते हैं, लेकिन हकीकत में उनका इस पर सिर्फ थोड़ा ही कंट्रोल होता है। उन्होंने बताया कि फंड मैनेजर यह तय नहीं करते कि आप अपना पैसा कहां लगाना चाहते हैं। आप चाहें तो बैंक एफडी में लगाएं या इक्विटी में, सोने में, रियल एस्टेट में, स्मॉल-कैप फंड में, किसी खास थीम वाले फंड में या फिर किसी डाइवर्सिफाइड फंड में। ये सारे फैसले आप खुद लेते हैं, या आपके सलाहकार या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर आपकी मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब आप कोई फंड चुन लेते हैं, तब जाकर फंड मैनेजर को थोड़ा बहुत रिटर्न पर असर डालने का मौका मिलता है, और वह भी पूरी तरह से नहीं।

...तो दोगुने की उम्मीद न करें

ठक्कर ने कहा, 'अगर बाजार 40% नीचे है, तो हमसे यह उम्मीद न करें कि हम उस साल आपका पैसा दोगुना कर देंगे। अगर हम अनुशासित, भाग्यशाली हैं और एक प्रक्रिया का पालन करते हैं तो हम शायद इंडेक्स से कुछ बेहतर करेंगे। यही हमारा लक्ष्य है।'

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इक्विटी में ज्यादा पैसा लगाने से अपने आप ज्यादा रिटर्न नहीं मिलता। उनके अनुसार, कई निवेशक मानते हैं कि अगर उनके पास छह महीने में जरूरत पड़ने वाला पैसा है, तो वे बैंक एफडी के बजाय म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं, या नवीनतम आईपीओ के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दुर्लभ धातुओं पर सरकार का बड़ा कदम

कैबिनेट से 7280 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कुल 19,919 करोड़ रुपये की चार बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसमें 7,280 करोड़ की दुर्लभ पृथ्वी स्थायी मैग्नेट निर्माण योजना शामिल है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों और रक्षा क्षेत्र के लिए अहम मानी जा रही है। इसके अलावा, पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 9,858 करोड़, देवभूमि द्वारका (ओखा)-कनालस रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए 1,457 करोड़ और बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,324 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को होने वाली बैठक में दुर्लभ पृथ्वी स्थायी मैग्नेट के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए करीब 7,280 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित है, जो पहले के 2,500 करोड़ रुपये के अनुमानित पैकेज से लगभग तीन गुना अधिक है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब चीन ने निर्यात नियंत्रण कड़े कर दिए हैं। चीन वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी कच्चे माल का 60-70% और प्रोसेसिंग का 90% हिस्सा नियंत्रित करता है।

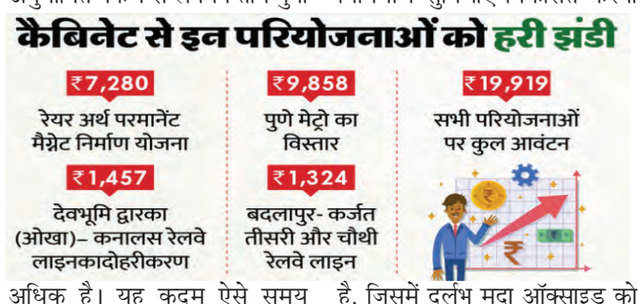

क्यों है यह योजना अहम?

केंद्रीय सरकार ने दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह की पहली योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य सिंटर किए गए REPM के उत्पादन के लिए एकीकृत विनिर्माण सुविधाएं विकसित करना है, जिसमें दुर्लभ मृदा ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्रधातुओं में और आखिर में मिश्रधातुओं को तैयार चुम्बकों में बदलने की प्रक्रिया शामिल होगी। योजना पर लगभग 7,200 करोड़ का निवेश होगा। इसके तहत 1,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MTPA) की क्षमता का सृजन और 1,200 MTPA क्षमता वाली इकाइयों की स्थापना की जाएगी। योजना की अवधि कुल 7 वर्ष होगी, जिसमें विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 2 वर्ष का समय निर्धारित है।

दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा उत्पादन में होता है। भारत में इस क्षेत्र को अभी भी सीमित फंडिंग, तकनीकी विशेषज्ञता की कमी और लंबी परियोजना के लिए समयसीमा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बिना सरकारी समर्थन के वाणिज्यिक उत्पादन फिलहाल व्यावहारिक नहीं है। इसके अलावा, खनन से जुड़े पर्यावरणीय जोखिम इस क्षेत्र को और जटिल बनाते हैं।

चीन का दबाव और भारत की रणनीति

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने भारत में उपयोग के लिए दुर्लभ पृथ्वी मैग्नेट के निर्यात के शुरुआती लाइसेंस जारी किए हैं, लेकिन भारतीय कंपनियों को अब तक कोई लाइसेंस नहीं मिला है। भारत की वार्षिक मांग लगभग 2,000 टन ऑक्साइड की है, इसे पूरा करने के लिए कई वैश्विक सप्लायर रुचि दिखा रहे हैं। सरकार सिंक्रोनस रिलक्टेंस मोटर्स पर अध्ययन को फंड कर रही है, ताकि भविष्य में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के मामले में देश के बाहर से होने वाले आयात पर निर्भरता कम की जा सके।

भारत ने अप्रैल से चीन द्वारा निर्यात नियंत्रण सख्त करने के बाद दुर्लभ पृथ्वी मैग्नेट सप्लाई चेन विकसित करने की गति तेज कर दी है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव के बीच, चीन ने इन 17 महत्वपूर्ण तत्वों को रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में चेतावनी दी थी कि महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए और स्थिर, विविध आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करनी चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 2,270 टन दुर्लभ पृथ्वी धातु और यौगिक आयात किए, जो पिछले साल से लगभग 17% अधिक है। इनमें से 65% से ज्यादा आपूर्ति चीन से आई है।

अमृतसर में 2 आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत-पाक बॉर्डर पर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब ढाई किलो का आईईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। यह कार्रवाई खुफिया अलर्ट के बाद हुई है। जिसमें आईएसआई द्वारा हाल ही में दिल्ली धमाके के बाद दोबारा भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिश तेज होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर के रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपी भाई युवराज और आकाशदीप बाइक पर आईईडी लेने निकले थे, लेकिन कोहरे के बीच पकड़े गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

सुरक्षा एजेंसियों से मिली थी सूचना: सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हाल ही में दिल्ली में हुए धमाके के बाद फिर से भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी सूचना के आधार पर अमृतसर देहात पुलिस ने रमदास, अजनाला और घरिंडा क्षेत्रों में गश्त और नाकाबंदी बढ़ा दी थी।

मोटरसाइकिल पर सवार थे दोनों भाई: मंगलवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि दो आतंकी मोटरसाइकिल पर सवार होकर घरिंडा के पास सीमा क्षेत्र में छिपाए गए आईईडी को लेने निकले हैं। घने कोहरे के बीच पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवारों को देखा और रुकने का संकेत दिया, लेकिन दोनों भाइयों ने भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने तुरंत पीछा किया और थोड़ी ही देर में उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अन्य की तलाश में जुटी पुलिस: तलाशी के दौरान उनके बैग से आईईडी बरामद की गई। फिलहाल दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है, और पुलिस इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में दबिश दे रही है। डीआईजी संदीप गोयल थोड़े समय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की विस्तृत जानकारी देंगे।

पाकिस्तान स्थित हैंडलर के संपर्क में थे दोनों आरोपी

डीजीपी गौरव यादव का कहना है कि पंजाब पुलिस सीमा-पार तस्करी मॉडयूलों और संगठित आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए पूरी मजबूती से कार्रवाई कर रही है, ताकि राज्य की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके। डीजीपी ने जानकारी दी कि जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर के संपर्क में थे, जिससे इस साजिश के पीछे मजबूत सीमा-पार नेटवर्क होने का खुलासा हुआ है।

पंजाब पुलिस का कहना है कि वह ऐसे सभी मॉडयूलों को जड़ से खत्म कर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण पंजाब सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

झारखंड के 13 जिलों में 9डिग्री तक लुढ़केगा पारा

उत्तर-पश्चिमी और मध्य झारखंड में सर्वाधिक असर, रांची में कोहरा और बादल का असर

रांची, 26 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में कड़ाके की ठंड दस्तक देने वाली है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि राज्य के कई हिस्सों में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, चतरा, धनबाद, पलामू, गढ़वा और लातेहार में इसका सबसे अधिक असर दिखेगा। 25 से 29 नवंबर के दौरान सुबह के समय कोहरा या धुंध छाने की संभावना है।

वहीं, अधिकतम तापमान फिलहाल 24सी के आसपास और न्यूनतम 10सी से 12सी के बीच बना हुआ है।

पतरातू डैम में साइबेरियन पक्षियों का आगमन

बढ़ी डैम की खूबसूरती, नवंबर से फरवरी तक यहां डेरा डालते हैं प्रवासी मेहमान

रामगढ़, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पतरातू डैम एक बार फिर विदेशी मेहमानों की चहचहाहट से गुलजार हो गया है। हर साल की तरह इस बार भी सैकड़ों साइबेरियन प्रवासी पक्षी सर्दी शुरू होते ही रामगढ़ जिले के इस प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट पर पहुंच चुके हैं। ये पक्षी नवंबर से फरवरी तक यहां डेरा डालते हैं, जिससे डैम का सौंदर्य और भी बढ़ जाता है।

पर्यटकों की नौकाओं के आसपास मंडराते है पक्षी

ये प्रवासी पक्षी डैम में पहले से मौजूद लाल सोर और पनडुबी जैसे स्थानीय पक्षियों के साथ आसानी से घुलमिल जाते हैं। पर्यटकों की नौकाओं के आसपास मंडराते हुए ये पक्षी विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक रोमांचित होते हैं। दूरदराज से आए पर्यटकों ने बताया कि साइबेरियन पक्षी संवेदनशील होते हैं। नाविक संघ के सदस्यों ने जानकारी दी कि पर्यटकों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और बोटिंग के दौरान गाइड भी उपलब्ध रहते हैं। ठंड के सीजन में बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।

हालांकि, कुछ पर्यटकों ने सुझाव दिया कि पतरातू डैम में पुरानी व्यवस्था से लोग अब ऊब चुके हैं। उन्होंने पर्यटन विभाग से वॉटर स्पोर्ट्स, पैरा ग्लाइडिंग, स्टीमर राइड, एडवेंचर स्पोर्ट्स और नाइट टूरिज्म जैसी नई गतिविधियां शुरू करने का आग्रह किया। पर्यटकों ने पतरातू डैम क्षेत्र में बेहतर साफ-सफाई और रखरखाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पर्यटक पतरातू डैम के साथ-साथ पतरातू पिठोरिया घाटी और पलानी वाटरफॉल जैसे आसपास के अन्य पर्यटक स्थलों का भी आनंद ले रहे हैं।

काली की मूर्ति का श्रृंगार मदर मैरी जैसा

गले में क्रॉस, गोद में बच्चा, पुजारी बोला- देवी ने सपने में ऐसा करने को कहा

मुंबई, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई में चेंबूर इलाके के एक मंदिर में देवी काली माता की मूर्ति को ईसाई समुदाय की मदर मैरी की तरह सजाने का मामला सामने आया है। मूर्ति को क्रॉस पहनाया गया। मंदिर में लाल कपड़ा लगाया गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

शिकायत पर पुलिस ने मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है। जो वीडियो वायरल है उसमें नजर आ रहा है कि मंदिर में एक युवक पहुंचा हुआ है। वो वीडियो शूट कर रहा है।

युवक काली माता के मंदिर की ओर बढ़ता है। मंदिर के पठ बंद हैं। जाली से वो दिखाता है कि काली माता को मदर मेरी की तरह वेशभूषा पहनाई गई है। जैसे मदर मैरी की मूर्ति होती है, वैसा ही सजाया गया है।

काली माता के सिर पर क्राउन रखा गया है। मंदिर के अंदर लाल कपड़ा लगा नजर आ रहा है। साथ ही चर्च जैसी लाइटिंग की गई है। मूर्ति के आग दिए की जगह मोमबत्ती जलती नजर आ रही हैं। साथ ही काली माता को गोद में बच्चा लिए दिखाया गया है।

वीडियो वायरल होने पर शिकायत के बाद पुलिस ने मंदिर के पुजारी रमेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कहा- काली माता ने मुझे सपना दिया और कहा कि मेरा मदर मैरी के जैसा श्रृंगार करो।

पुलिस ने पुजारी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत की धारा में केस दर्ज किया है। फिलहाल वो 2 दिन की पुलिस रिमांड में है।

छत्तीसगढ़ में ढाई लाख शिक्षकों का नहीं होगा प्रमोशन

बिलासपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 10 साल की सर्विस के बाद प्रमोशन की मांग करने वाले 1,188 टीचरों की पिटीशन खारिज कर दी है। इससे ढाई लाख से ज्यादा शिक्षक प्रभावित होंगे। जस्टिस एनके व्यास ने फैसला सुनाते हुए कहा कि संविलियन से पहले शिक्षाकर्मी स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन नहीं थे, इसलिए वे प्रमोशन के लिए पात्र नहीं माने जा सकते। दरअसल, पंचायत विभाग में नियुक्त शिक्षाकर्मी ग्रेड-3, 2 और 1 का शिक्षा विभाग में संविलियन किया गया। इसके बाद उन्हें सहायक शिक्षक (एलबी), शिक्षक (एलबी) और व्याख्याता (एलबी) के पदनाम दिए गए, लेकिन इन शिक्षकों को प्रमोशन का फायदा नहीं मिला। इसके खिलाफ 1188 शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं।

पूरे नगर में वितरित किया जाएगा रोट और आड़सा

हमारु ज्योतिर्मठ-हमारु परिवार-हमारु समोण पर्व का आयोजन

ज्योतिर्मठ, चमोली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखण्ड के मानचित्र का प्रमुख धार्मिक केन्द्र समस्त उत्तर विश्व की धार्मिक राजधानी ज्योतिर्मठ को कालक्रम से लोग जोशीमठ नाम से जानने लग गए थे। ऐसे में ब्रह्मलीन पूज्यपाद द्विपीठाधीश्वर सद्गुरुदेव भगवान की प्रेरणा से 'परमाराध्य' ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती '१००८' सहित अनेकों की पहल पर मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी ने इस नगर को पुनः उसका प्राचीन नाम 'ज्योतिर्मठ' किया।

अब ये पूरा नगर ज्योतिर्मठ हो चुका है। अतः हम सब नगरवासी एक परिवार के सदस्य हो गए, इस उदात्त भावना को जीवन्त करने के लिए एक साथ अपना परम्परागत पकवान 'रोट-आडसे' का निर्माण स्थानीय मातृशक्ति द्वारा किया गया है।

दो दिन बाद जब आदि शङ्कराचार्य जी महाराज की डोली ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मन्दिर पहुँचेगी उसी समय ये प्रसाद समस्त नगरवासियों को वितरित किया जाएगा। ज्योतिर्मठ में निवास कर रहे प्रत्येक व्यक्ति तक ये प्रसाद पहुँचेगा।

आज बदरीनाथ जी के कपाट मंगलम् के बाद ज्योतिर्मठ पधारने पर पूज्यपाद शङ्कराचार्य महाराज का भव्य स्वागत अभिनन्दन हुआ। पूरे ज्योतिर्मठ के 35 से अधिक महिला मङ्गल समूहों की उपस्थित मातृशक्ति को पूज्यपाद शङ्कराचार्य महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

शङ्कराचार्य जी महाराज ने कहा कि प्रति वर्ष एक दिन ऐसा होना चाहिए कि हम सब हर तरह के भेद-भाव को छोड़कर एक परिवार बनें। शङ्कराचार्य जी महाराज ने कहा कि ज्योतिर्मठ के संन्यासी और ब्रह्मचारी ज्योतिर्मठ के प्रत्येक घर में जाकर ये प्रसाद समर्पित करेंगे। उक्त जानकारी शंकराचार्य महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय के माध्यम से प्राप्त हुई है।

ज्योतिर्मठ में शङ्कराचार्य महाराज का भव्य स्वागत

आज के कार्यक्रम में स्वामी प्रत्यक्चैतन्यमुकुन्दानन्द गिरि, सहजानन्द ब्रह्मचारी, विष्णुप्रियानन्द ब्रह्मचारी, अजय पाण्डेय, आनन्द सती, कुशलानन्द बहुगुणा, शिवानन्द उनियाल, अनिल डिमरी, समीर डिमरी, महिमानन्द उनियाल, जगदीश उनियाल, सन्तोष सती, अभिषेक बहुगुणा, दिवाकर भट्ट, प्रवीण नौटियाल, शिवम पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

जो करना है करेंगे, डेरा नहीं खाली होगा

राबड़ी आवास को लेकर बिहार में सियासी तकरार

पटना, 26 नवंबर (एजेंसियां)। 'जो कुछ कहना होगा किया जाएगा लेकिन डेरा (बंगला) नहीं खाली किया जाएगा। डेरा खाली नहीं होगा, जो करना होगा करेंगे।' लालू यादव ने अपने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के जरिए साफ-साफ मैसेज नीतीश सरकार को दे दिया।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली करने के सरकारी आदेश को लेकर राष्ट्रीय जनता दल नाराज है। बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये सरकारी आवास खाली करने के लिए नोटिस भेजा है। इस बीच, बुधवार को राजद के बिहार प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने दो टूक कहा कि किसी भी हाल में राबड़ी देवी का आवास खाली नहीं किया जाएगा।

उन्होंने साफ लहजे में कहा, 'हम किसी भी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेंगे। इसके लिए जो कुछ करना होगा, किया जाएगा।'

'20 साल से क्यों नहीं खाली कराया?'

उन्होंने कहा कि 20 साल से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं, अब तक यह आवास क्यों खाली नहीं करवाया गया? लालू यादव और राबड़ी देवी दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हैं। यह लालू परिवार का अपमान करने की साजिश है। यह जान-बूझकर और राजनीतिक विद्वेष के कारण फैसला लिया गया है।

अब तक लालू-राबड़ी-तेजस्वी की चुप्पी

दरअसल, बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने मंगलवार शाम को प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को उनका सरकारी आवास 10, सर्कुलर रोड खाली करने का आदेश जारी कर दिया है। भवन निर्माण विभाग द्वारा उन्हें अब 39 हार्डिंग पार्क आवास आवंटित किया गया है। इस आदेश के बाद लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सुशासन बाबू का विकास मॉडल।

करोड़ों लोगों के मसीहा लालू प्रसाद यादव का अपमान करना पहली प्राथमिकता। घर से तो निकाल देंगे, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालेंगे?

सेहत नहीं तो कम से कम लालू जी के राजनीतिक कद का ही सम्मान रखते।'

सत्ताधारी पार्टी की ओर से बयानबाजी

इसे लेकर जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को कहा कि उम्र के चौथे पड़ाव पर लालू यादव माया के चक्कर में पड़ गए।

परिवार की माया ने उन्हें न्यायपालिका पहुंचा दिया, संपत्ति की माया के कारण उन्हें जेल जाना पड़ा। अब आपको सरकारी बंगले की माया घेर रही है।

घर से उठी 2 भाइयों की अर्थी, एक शिक्षक दूसरा नक्सली

बीजापुर में टीचर को नक्सलियों ने मारा, हिड़मा के साथ मारा गया नक्सली भाई

जगदलपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पिछले ढाई महीने में एक ही घर से 2 बेटों की अर्थियां उठी हैं। एक ने गांव के बच्चों को शिक्षित करने कलम थामी थी, तो दूसरे ने नक्सलवाद का रास्ता चुना और हथियार उठाया था। मुखबिर के शक में शिक्षक को नक्सलियों ने मार दिया। तो दूसरे भाई का हिड़मा के साथ जवानों ने एनकाउंटर कर दिया। इन दो मौत के बाद तोड़का गांव में सन्नाटा है।

दरअसल, बीजापुर जिले के तोड़का गांव के रहने वाले मंगल ताती ने 2 शादियां की थीं। पहली पत्नी सोमली से कल्लू जन्मा था और दूसरी पत्नी लखमे से लोकेश ताती का जन्म हुआ था। दोनों भाई एक ही आंगन में पले-बढ़े। पिता मंगल ताती खेती-किसानी कर दोनों बच्चों को पढ़ा रहे थे।

चंद्रशेखर आजाद की रैली में नहीं पहुंची एक्स गर्लफ्रेंड रोहिणी

बोली- वीजा रिन्यू नहीं हुआ, मेरे केस में महिला आयोग ने संज्ञान लिया

इंदौर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। उप्र के नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण की रैली में उनकी एक्स गर्लफ्रेंड डॉ. रोहिणी घावरी नहीं पहुंचीं। रोहिणी ने कहा- मेरा वीजा रिन्यू नहीं हो सका। इसलिए मैं स्विट्जरलैंड नहीं छोड़ सकी।

हालांकि, मैं यूरोपीय देशों में घूम सकती हूं, लेकिन भारत नहीं आ सकती। मैंने तत्काल भारत आने के लिए वीजा अपडेट कराने का दूतावास में आवेदन दिया था, पर उसे अपडेट होने में समय लगेगा। इस वजह से मैं भारत नहीं आ सकी।

रोहिणी ने कहा- मेरे आने के डर से चंद्रशेखर आजाद रावण ने 26 नवंबर को होने वाली रैली के लिए बंद कमरे में बयान देकर मीडिया को जारी कर दिया। हालांकि रोहिणी सभा से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर हवाई जहाज में बैठे हुए एक तस्वीर शेयर की थी। उसमें लिखा था

हक़ और अधिकार की लड़ाई में निमंत्रण नहीं भेजे जाते, जिनका जमीर जिंदा होता है, वे खुद दौड़े चले आते हैं। अब मैं तो पहुंच रही हूं, जो होगा देखा जाएगा। मुझे सुरक्षा खुद चंद्रशेखर देंगे, क्योंकि वो जानते हैं मुझे एक खरोंच भी आई तो वो जेल जाएंगे।

डॉ. रोहिणी घावरी के इस पोस्ट के बाद भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर की रैली में बड़ा हंगामा होने की उम्मीद लगाई जा रही थी। रोहिणी के पहुंचने की आशंका को देखते हुए उनकी सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट हो गया था।

रोहिणी ने बताया कि लगातार शिकायत के बार राष्ट्रीय महिला आयोग ने चंद्रशेखर के मामले में संज्ञान लिया है। उनकी शिकायत रजिस्टर कर ली गई है और जल्द ही कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बता दें कि रोहिणी लगातार गृह मंत्री अमित शाह पर चंद्रशेखर आजाद रावण को संरक्षण देने के आरोप लगा रही हैं।

रोहिणी का कहना है कि चंद्रशेखर की पार्टी भाजपा की बी पार्टी के रूप में काम कर रही है। इसके चलते वे अपनी हर पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा पर हमलावर रहती हैं।

ट्रक-स्कॉर्पियो की टक्कर में 5 मौतें

एनएच-49 पर हादसा, बारात से लौट रहे थे स्कॉर्पियो सवार, मृतकों में 2 सेना के जवान

जांजगीर-चांपा, 26 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सुकली में नेशनल हाईवे 49 पर देर रात ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ा, जबकि तीन ने इलाज के दौरान जान गंवाई। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में शामिल राजेंद्र कश्यप (27) और पोमेश्वर जलतारे (33) इंडियन आर्मी के जवान थे।

घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें बिलासपुर सिम्स रेफर किया गया। वहां तीनों का इलाज जारी है। सभी मृतक नवागढ़ के सड़क पारा और शांति नगर के रहने वाले हैं।

ये सभी एक बारात से नवागढ़ लौट रहे थे, तभी सुकली के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया। वहीं हादसे के विरोध में नवागढ़ में लोगों ने चक्काजाम किया। फरार ट्रक ड्राइवर की गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की। इधर दोनों जवानों का शव जांजगीर लाया गया जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। हादसे में घायल सत्य नारायण साहू (35), संतोष साहू (30), दीपक केवट (25) तीनों को बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही, मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई जिलों में होगी भारी बारिश

रामेश्वरम में स्कूल बंद, चक्रवाती तूफान सेनयार पर आईएमडी का अलर्ट

चेन्नई, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवाती तूफान 'सेनयार' 27 नवंबर तक बन सकता है। इसके कारण चेन्नै समेत तमिलनाडु के कई उत्तरी और डेल्टा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो-तीन दिनों में राज्य भर में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। 28 नवंबर को तीन डेल्टा जिलों में 12-20 सेमी तक भारी बारिश हो सकती है। 29 नवंबर को चेन्नै सहित सात जिलों में और 30 नवंबर को तिरुवल्लूर में बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

मौसम की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए रामेश्वरम में स्कूलों में बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी गई है। आईएमडी अधिकारियों ने बताया कि दो मौसम प्रणालियां

मलक्का जलडमरू मध्य पर चक्रवात सेनयार और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र आने वाले दिनों में बारिश की तीव्रता और दिशा को प्रभावित करेंगी। चक्रवात सेनयार मलक्का जलडमरूमध्य और आसपास के पूर्वोत्तर इंडोनेशिया के ऊपर एक गहरे डिप्रेशन से तीव्र होकर बना है। यह चक्रवात इंडोनेशिया के कुटा मकमुर से 100 किमी पूर्व, मलेशिया के जॉर्ज टाउन से 260 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, नैंकोवरी से 600 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व और कार निकोबार से 740 किमी दक्षिण-पूर्व में है। यह 24 घंटे तक चक्रवाती तूफान की तीव्रता बनाए रखेगा और आज (26 नवंबर) इंडोनेशियाई तट को पार करेगा। इसके बाद यह पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 48 घंटों में पूर्व की ओर मुड़ जाएगा।

वहीं, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व श्रीलंका और भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। इसके अगले 24 घंटों में दबाव में बदलने की संभावना है। आईएमडी का अनुमान है कि 27 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान बनेगा। इससे तमिलनाडु में बारिश बढ़ेगी।

28 नवंबर को तीन डेल्टा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। 29 नवंबर को चेन्नई सहित सात जिलों में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। 30 नवंबर को तिरुवल्लूर के लिए चेतावनी जारी की गई है।

गरीब का वोटर-लिस्ट से नाम कटे, बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस

रायपुर पहुंचे सचिन पायलट बोले-14 दिसंबर को रामलीला मैदान में होगा एसआईआर के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

रायपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट आज बुधवार रायपुर पहुंचे और एयरपोर्ट से सीधे धमतरी के लिए रवाना हो गए। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) को लेकर पायलट ने सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा- एसआईआर पर बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं। कई राज्यों में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। इतनी जल्दबाजी में हम क्या साबित करना चाहते हैं? किसी गरीब आदमी का नाम अगर मतदाता सूची से काटा जाएगा तो कांग्रेस पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग दबाव में काम कर रहा है और कांग्रेस इसे देश के सामने उजागर करेगी। पायलट ने "वोट चोरी के मामलों में भी जांच की मांग की है। साथ ही बताया कि 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है।

भाजपा द्वारा कांग्रेस को नक्सल समर्थक बताने पर सचिन पायलट ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा- उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला कांग्रेस ने सबसे मजबूती से किया है। कांग्रेस के नेताओं ने शहादत दी है, इस देश को अपने खून से सींचा है। जो लोग सिर्फ मंचों से भाषण देते रहे, आज वही लोग राज कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हमने अपनी पूरी जमात खो दी है।

हॉन्गकॉन्ग की 35 मंजिला इमारत में आग, 4 की मौत

बांस के मचान की वजह से तेजी से भड़की आग, कई लोग अब भी फंसे

हॉन्ग कॉन्ग, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बुधवार को हॉन्गकॉन्ग के उत्तरी ताई पो जिले में एक 35 मंजिला रिहायशी कॉम्प्लेक्स की 3 इमारतों में आग लग गई। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक इस हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 9 लोग घायल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आग एस्टेट की कम से कम तीन इमारतों तक फैल गई थी। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि इमारत के अंदर अब भी कई लोग फंसे हुए हैं, लेकिन उनकी सटीक संख्या पता नहीं चल पाई है।

कॉम्पलेक्स में चल रहा था मरम्मत का काम

वांग फुक कोर्ट न्यू टेरिटरीज के ताई पो इलाके में बना एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स है, जहां इस समय मरम्मत और नवीनीकरण का काम चल रहा है। इस एस्टेट में 1,984 फ्लैट हैं और यहां करीब 4,000 लोग रहते हैं।

हॉन्गकॉन्ग सरकार ने कहा है कि वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में लगी आग के बाद अस्थायी शेल्टर खोले गए हैं। ये शेल्टर क्वॉन्ग फुक कम्युनिटी हॉल और तुंग चेओंग स्ट्रीट लीजर बिल्डिंग में बनाए गए हैं।

इसके अलावा ऐलिस हो मियू लिंग नेथरसोले अस्पताल में एक हेल्प डेस्क बनाया गया है, ताकि लोगों को मदद और जानकारी दी जा सके।

सरकार ने कहा कि ताई पो जिला कार्यालय हालात पर कड़ी नजर रख रहा है और जरूरत होने पर और शेल्टर खोले जाएंगे।

फायर विभाग ने बताया कि मरने वालों में एक फायरफाइटर भी शामिल है। विभाग ने रॉयटर्स को बताया कि यह पता नहीं चल पाया है कि कॉम्प्लेक्स के अंदर कितने लोग अभी भी फंसे हो सकते हैं।

स्थानीय पब्लिक ब्रॉडकास्टर आरटीएचके ने पुलिस के हवाले से बताया कि कई लोग अब भी टावरों में फंसे हुए हैं।

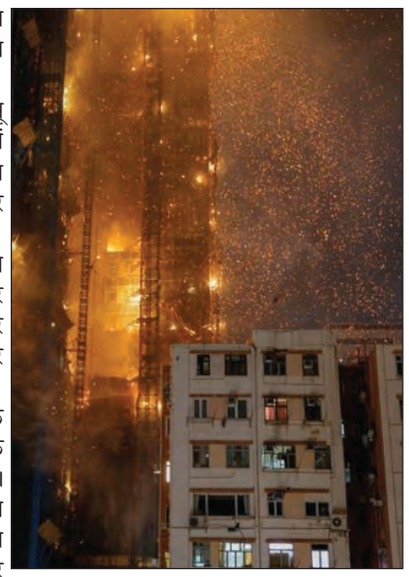

बांस के इस्तेमाल पर धीरे-धीरे रोक लगा रही सरकार

ऊंची इमारतों वाला यह कॉम्प्लेक्स बांस की मचान (बांस स्कैफोल्डिंग) से ढका हुआ है। बांस का यह मचान स्टील स्कैफोल्डिंग का एक विकल्प है, जिसे निर्माण कार्य में इसलिए ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि यह हल्की और बहुत मजबूत होती है। इसे ले जाना और ऊंचाई तक पहुंचाना आसान होता है।

बांस की लंबी पोलें आसानी से जोड़ी जा सकती हैं, जिससे बड़ी इमारतों के चारों तरफ मचान जल्दी खड़ी हो जाती है। हॉन्गकॉन्ग बांस के मचान के उपयोग के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इसे बनाने के लिए बांस की लंबी पोलों को नायलॉन फास्टनर से बांधकर खड़ा किया जाता है।

स्टील की मचान की तुलना में यह सस्ता विकल्प होता है। हालांकि बांस में अगर एक बार आग लग जाए तो यह जल्दी जलता है और लपटें तेजी से ऊपर की ओर फैलती हैं। यही वजह है कि सरकार का विकास ब्यूरो (डेवलपमेंट ब्यूरो) सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए बांस के मचान के इस्तेमाल को धीरे-धीरे खत्म करने की कोशिश कर रहा है।

एशिया में अब चीन बादशाह

भारत-जापान की बढ़ी ताकत, अमेरिका का बुरा हाल, एशिया पावर इंडेक्स 2025 में खुलासा

केनबरा, 26 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट ने सालाना एशिया पावर इंडेक्स जारी किया है। इस इंडेक्स के मुताबिक, 2019 के बाद पहली बार रूस ने एशिया में अपनी पूरी ताकत में सुधार किया है। वहीं, एशिया में भारत और चीन की ताकत पहले के मुकाबले काफी तेजी से बढ़ी है। जापान भी इस इंडेक्स में पहले के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन करता दिखा है। सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को हुआ है। अमेरिका कभी एशिया में सबसे प्रभावशाली देश हुआ करता था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में उसकी साख को गहरा धक्का लगा है।

एशिया में रूस की बढ़ी ताकत

बुधवार को जारी एशिया पावर इंडेक्स 2025 के मुताबिक, एशिया में रूस की ताकत वापस बढ़ रही है, क्योंकि किले जैसे रूस ने यूक्रेन विवाद के बाद जी7 सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का सामना करने की अपनी क्षमता साबित कर दी है। लोवी ने कहा कि दुनिया के सबसे

बड़े महाद्वीप में रूस के फिर से उभरने के पीछे एक बड़ा कारण चीन और नॉर्थ कोरिया के साथ उसकी डिफेंस और इकोनॉमिक पार्टनरशिप है। कुल मिलाकर, रूस एशिया में पांचवीं सबसे असरदार ताकत है, जिसने 2024 में ऑस्ट्रेलिया से खोई हुई अपनी जगह वापस पा ली है।

एशिया पावर इंडेक्स आठ थीम वाले तरीकों-मिलिट्री क्षमता और डिफेंस नेटवर्क, इकोनॉमिक क्षमता और रिश्ते, डिप्लोमैटिक और कल्चरल असर, साथ ही लचीलापन और भविष्य के रिसोर्स के आधार पर 27 देशों की ताकत का मूल्यांकन करता है। इंडेक्स में कहा गया है, एशिया में भारत की पावर लगातार बढ़ रही है, और 2025 में एशिया पावर इंडेक्स द्वारा मेजर पावर स्टेटस के लिए तय की गई लिमिट पार कर गई। फिर भी, डिप्लोमेसी और इकोनॉमिक रिश्तों के ज़रिए भारत के असर में बढ़ोतरी उसके बढ़ते रिसोर्स के हिसाब से नहीं रही है।

एशिया पावर इंडेक्स में सुपर पावर की सूची में अमेरिका और चीन को शामिल किया गया है। वहीं, मेजर पावर के रूप में भारत अकेला है। इसके बाद के देश मिडिल पावर कंट्री की कैटेगरी में हैं। रैंकिंग के हिसाब से एशिया पावर इंडेक्स में अमेरिका शीर्ष पर है, दूसरा स्थान पर चीन, तीसरे पर भारत, जापान, रूस, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और मलेशिया हैं। पाकिस्तान शीर्ष 10 देशों की सूची से बाहर है। उसे 16वां स्थान मिला है।

अमेरिका इस इलाके का सबसे असरदार देश बना हुआ है, हालांकि 2018 में एशिया पावर इंडेक्स शुरू होने के बाद से इसकी ताकत अपने सबसे निचले लेवल पर है। इसमें कहा गया है कि ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के काम एशिया के लिए काफी हद तक नेट नेगेटिव रहे हैं।

और करीब आए बांग्लादेश-पाकिस्तान!

दिसंबर से शुरू होगी सीधी उड़ान सेवा

लाहौर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। ढाका के एक शीर्ष राजनयिक ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधी उड़ान सेवा अगले महीने से शुरू होगी। जो दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में ये एक बड़ी छलांग होगी। पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कोई सीधी फ्लाइट नहीं थी। इस साल दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर होने पर, हाल ही में दो पाकिस्तानी निजी एयरलाइंस को बांग्लादेश के लिए सीधी फ्लाइट के लिए मंजूरी मिली है।

वीजा प्रक्रिया को आसान बनाया

इस्लामाबाद में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन खान ने लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एलसीसीआई) में कहा, 'महान एयर अगले महीने से ढाका और कराची के बीच हफ्ते में तीन फ्लाइट्स शुरू करेगी।' हालांकि, उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई और न ही विस्तृत जानकारी दी।

उच्चायुक्त ने आगे कहा 'वीजा प्रक्रिया को भी आसान बना दिया गया है। वीजा अब एलसीसीआई और लाहौर में बांग्लादेश ऑनरेरी कॉन्सुलेट की संयुक्त सिफारिश पर जारी किए जा रहे हैं। सदस्यों को तीन से चार दिनों के अंदर वीजा जारी कर दिए जाएंगे, जिससे दोनों देशों के बीच यात्रा तेज और आसान हो जाएगा।'

बांग्लादेशी उच्चायुक्त ने कहा कि ढाका और कराची के बीच हफ्ते में तीन फ्लाइट्स संचालित होंगी। बता दें कि महान एयरलाइंस, जो महान एयर के नाम से चलती है, तेहरान में मौजूद एक निजी ईरानी एयरलाइन है।

5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से अपदस्थ कर दिया गया था और मोहम्मद यूनुस ने वहां की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पद संभाला, तब से ढाका और इस्लामाबाद के बीच रिश्ते बेहतर हुए हैं।

पूर्व पाक पीएम इमरान से नहीं मिल पा रहीं बहनें

पुलिस पर बाल पकड़कर घसीटने का आरोप सोशल मीडिया पर इमरान की मौत की अफवाह

इस्लामाबाद, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहनें मुलाकात नहीं कर पा रही हैं। एक साल से जारी कोशिशों के बावजूद जेल प्रशासन हर बार सुरक्षा कारणों का हवाला देकर मुलाकात से रोक रहा है।

मंगलवार रात इमरान खान की बहनें इमरान खान की बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्मा खान, इमरान के समर्थकों के साथ जेल के बाहर धरने पर बैठ गईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध के दौरान पंजाब पुलिस ने अंधेरा कर उन पर लाठीचार्ज किया। 71 साल की नोरीन खान ने दावा किया कि उन्हें बालों से पकड़कर सड़क पर घसीटा गया। अन्य महिलाओं के साथ भी मारपीट की गई।

इस बीच, इमरान खान को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अफवाहें फैल गईं। कुछ पोस्ट में दावा किया गया कि उन्हें

किसी दूसरी जगह ले जाया गया है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हाईकोर्ट इमरान से मुलाकात की मंजूरी दे चुका

मार्च 2025 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान को परिवार और वकीलों से नियमित मुलाकात की मंजूरी दी थी, लेकिन जेल प्रशासन आदेश का पालन नहीं कर रहा।

अक्टूबर 2025 में अदालत ने दोबारा मुलाकातें बहाल करने का निर्देश दिया, फिर भी उनकी बहनों को अब तक एक भी मुलाकात नहीं मिल पाई है।

पिछले हफ्ते इमरान खान की बहनों के साथ रावलपिंडी पुलिस ने बदसलूकी की थी। उन्हें सड़क पर घसीटा गया और जबरदस्ती हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब उनकी बहनें इमरान खान से होने वाली साप्ताहिक मुलाकात के लिए अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया।

इमरान खान की पार्टी PTI ने X पोस्ट में कहा कि इमरान खान की बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्मा खान जेल के बाहर शांतिपूर्वक बैठी थीं, तभी पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश की। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में इमरान खान की बहनों के साथ इस तरह घटना हुई हो। इससे पहले सितंबर 2025 में, अडियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते वक्त अलीमा पर अंडे फेंके जाने की घटना हुई थी। इसके अलावा अलीमा, नोरीन और उज्मा को अप्रैल 2025 में जेल पहुंचने की कोशिश के दौरान भी गिरफ्तार किया गया था।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान

ताइपे, 26 नवंबर (एजेंसियां)। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है। लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे, लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था।

उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे।

भारत ने सिंध का नाम क्या लिया, पाकिस्तान को लगी मिर्ची

यूएन रिपोर्ट का हवाला देकर कश्मीर-कश्मीर चिल्लाया

इस्लामाबाद, 26 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सिंध को लेकर दिए गए बयान के बाद एक बार फिर कश्मीर राग अलापा है। उसने एक कथित संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का हवाला देकर आरोप लगाया है कि जम्मू और कश्मीर में मानवाधिकारों का 'उल्लंघन' हो रहा है। पाकिस्तान ने दावा किया कि उस यूएन रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू और कश्मीर में "गंभीर ह्यूमन राइट्स के उल्लंघन" की घटनाएं हुई हैं। यह पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान ने कश्मीर में मानवाधिकारों को लेकर ऐसे मनगढ़ंत दावे किए हैं। इससे पहले भी पाकिस्तान कश्मीर को लेकर झूठे दावे करता रहा है।

पाकिस्तान ने कश्मीर में लगाया

मानवाधिकार हनन का आरोप

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय से बुधवार को जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि पाकिस्तान जम्मू और कश्मीर में भारत के सुरक्षा उपायों के बारे में यूनाइटेड नेशंस स्पेशल प्रोसीजर एक्सपर्ट्स की नई खोजों पर गहरी चिंता जताता है। इसमें कहा गया कि रिपोर्ट "एक बार फिर कश्मीरी लोगों द्वारा सहे जा रहे गंभीर और सिस्टेमैटिक ह्यूमन राइट्स के उल्लंघन को रेखांकित करती है।" इस कथित यूएन रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि भारत की कार्रवाई की वजह से "पत्रकारों, छात्रों और मानवाधिकार वकीलों समेत करीब 2,800 लोगों को बड़े पैमाने पर बिना सोचे-समझे गिरफ्तार किया गया और हिरासत में लिया गया।" पाकिस्तान के बयान में आगे कहा गया, "पब्लिक सेफ्टी एक्ट और अनलॉफुल एक्टिविटीज़ (प्रिवेंशन) एक्ट जैसे सख्त कानूनों को लगातार लागू करने से अनिश्चित काल के लिए और गलत तरीके से हिरासत में लेना आसान हो गया है।" बयान में कहा गया, "टॉर्चर, कस्टोडियल डेथ, बिना किसी बातचीत के हिरासत में रखना, सही कानूनी प्रक्रिया और परिवार से संपर्क न करवाना, सजा के तौर पर घर तोड़ना और जबरदस्ती निकालना, बार-बार कम्युनिकेशन ब्लैकआउट, और प्रेस की आज़ादी को दबाना, साथ ही पूरे भारत में कश्मीरियों और मुस्लिम समुदायों के खिलाफ हेट स्पीच, लिंचिंग और हैरेसमेंट में बढ़ोतरी, ये सभी उतनी ही बुरी और बहुत परेशान करने वाली बातें हैं।"

शेख हसीना के लॉकर से 9 किलो सोने के गहने बरामद

भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने की तैयारी में जुटी एजेंसी

ढाका, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के लॉकर से 832 भरी (करीब 9 किलो) सोने के गहने बरामद किए गए हैं। ये गहने एग्रीनी बैंक के 2 लॉकल में रखे हुए थे। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद इन्हें जब्त कर लिया गया था। कोर्ट की अनुमति के बाद मंगलवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में इन्हें खोला गया। करप्शन कमीशन (एसीसी) शेख हसीना के खिलाफ अब भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के नए मामले दर्ज करने की तैयारी में है। उन पर अपनी संपत्ति छिपाने और टैक्स चोरी का आरोप लगाया जाएगा। नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू इस समय शेख हसीना पर लगे टैक्स चोरी के आरोपों की जांच कर रहा है।

मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही

सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 17 की मौत, कई लापता

मेदान, 26 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई।

इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल

पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोलगा के पुलिस प्रमुख एडी इंगंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है।

इटली में कलयुगी बेटे ने मर चुकी मां का रूप धरकर सालों तक उड़ाई पेंशन

घर में ममी बनी लाश, 'मिसेज डाउटफायर' से सब हैरान

रोम, 26 नवंबर (एजेंसियां)। इटली में एक 56 साल के शख्स पर बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि शख्स ने अपनी मरी हुई मां की पेंशन सालों तक उड़ाई। इसके लिए उसने अपने आप को मां के शक्ल में ढाल लिया। इस धोखाधड़ी को अब इटली के अधिकारियों ने मिसेज डाउटफायर स्कैंडल नाम दिया है। दरअसल, मिसेज डाउटफायर एक कॉमेडी फिल्म है, जो साल 1993 में आई थी। जिसमें रॉबिन विलियम्स ने एक्टिंग की है। इसमें वह तलाक के बाद अपने बच्चों के पास रहने के लिए एक बुजुर्ग ब्रिटिश नैनी का भेष बदल लेता है। अब इस फिल्म का ये टाइटल भेष बदलने या नकल करने वाले मामलों में नाम दिया जाने लगा है।

56 साल का बेरोजगार शख्स अपनी मृत मां के नाम पर मिलने वाली पेंशन के लिए करीब तीन साल तक उसकी पहचान बनाकर रखा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह व्यक्ति न सिर्फ अपनी मां की तरह तैयार होता था, बल्कि उसकी तरह बोलने और चलने की एक्टिंग भी करता था, ताकि सरकारी अधिकारियों और पड़ोसियों को शक न हो।

इटैलियन अखबार कॉरियर डेला सेना की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने अपनी 82 साल की मां ग्राजिएला डाल'ओग्लियो की मौत को कभी रिपोर्ट ही नहीं किया। जबकी उनकी मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई थी। मां की मौत के बाद बेटे ने उनका शव घर में ही एक स्लीपिंग बैग में भरकर लॉन्ड्री रूम में छुपा दिया। समय के साथ शव पूरी तरह खराब हो गया और ममी की तरह बन गया। इस दौरान आरोपी बेटे ने मेकअप, कपड़े, विग और अपनी मां की तरह ही पहनना शुरू कर दिया और सरकारी अधिकारियों को चकमा देकर उसने अपनी मां के पहचान पत्र को अपडेट भी करवा लिया। यह भी खुलासा हुआ कि वह मां की पेंशन और उनकी तीन संपत्तियों से सालाना लगभग 61,000 डॉलर (करीब 50 लाख रुपये) कमा रहा था।

इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ, जब एक सरकारी कर्मचारी को पहचान पत्र नवीनीकरण के दौरान कुछ असामान्य सा लगा।

इजराइल बोला-भारत की सुरक्षा पर पूरा भरोसा

हमारे रिश्ते बहुत मजबूत, नेतन्याहू ने कल भारत दौरा टाला था

यरूशलम, 26 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा फिलहाल टाल दी गई है। उनकी ऑफिस ने साफ किया है कि वे जल्द ही भारत आने की नई तारीख तय करने पर काम कर रहे हैं।

नेतन्याहू के ऑफिस ने X पर लिखा कि उन्हें पीएम मोदी की लीडरशिप में भारत की सुरक्षा पर पूरा भरोसा है।

साथ ही यह भी कहा कि भारत और इजराइल के रिश्ते बहुत मजबूत हैं और दोनों देशों के पीएम के बीच अच्छे रिश्ते हैं।

कल इजराइली मीडिया ने बताया था कि दो हफ्ते पहले नई दिल्ली में हुए घातक आतंकी हमले के बाद नेतन्याहू ने भारत का दौरा रद्द कर दिया था।

कीटनाशक गैस ने ली थी चार लोगों की जान, दो बच्चे भी शामिल

ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा

इस्तांबुल, 26 नवंबर (एजेंसियां)। तुर्किये के इस्तांबुल में छुट्टियां मनाने पहुंचे एक तुर्की-जर्मन परिवार की मौत ने होटल सुरक्षा मानकों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह परिवार होटल में कीटनाशक गैस से जहरीले असर का शिकार हुआ। चारों की मौत ने स्थानीय प्रशासन से लेकर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों तक में चिंता बढ़ा दी है। यह घटना 12 से 17 नवंबर के बीच इस्तांबुल के फातिह इलाके में घटित हुई।

जांच के मुताबिक जर्मनी से आया बोसेक परिवार इस्तांबुल के फातिह जिले के एक होटल में ठहरा हुआ था। 12 नवंबर को सभी अचानक बीमार पड़े और इलाज के लिए टैक्सी से अस्पताल गए। प्राथमिक इलाज के बाद वे वापस होटल लौट आए, लेकिन अगले ही दिन हालत फिर बिगड़ गई। इस बार उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों बच्चों 6 वर्षीय कादिर मुहम्मद और 3 वर्षीय मसाल की उसी दिन मौत हो गई। मां सिग्देम की 14 नवंबर और पिता सर्वेत की 17 नवंबर को मौत हुई।

जांच में मिला कीटनाशक गैस का असर

प्रारंभिक ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि होटल कमरे में फॉस्फीन गैस के अंश मिले हैं। यह गैस आमतौर पर कीट नियंत्रण में इस्तेमाल होने वाले एक कीटनाशक का मेटाबोलाइट है। रिपोर्ट के अनुसार तौलिए, मास्क और कमरे से लिए गए कई स्वैब नमूनों में इस जहरीली गैस की पुष्टि हुई है। यह संकेत है कि कमरे में कीट नियंत्रण का तरीका गलत तरीके से अपनाया गया था, जिससे घातक असर हुआ।

भोजन से नहीं, गैस से हुई मौतें

ऑटोप्सी ने साफ किया है कि परिवार को किसी तरह का खाद्य विषाक्तन नहीं हुआ था। शुरुआत में यह शक था कि उन्होंने शहर के कुछ स्थानों पर स्ट्रीट फूड खाया था, जो बीमारी का कारण हो सकता है। लेकिन रिपोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि फॉस्फीन गैस अत्यधिक जहरीली होती है और बंद कमरे में इसका संपर्क घातक हो सकता है। होटल में ठहरे दो अन्य पर्यटकों में भी उल्टी की शिकायत हुई, जिनका बाद में अस्पताल में इलाज किया गया। घटना सामने आने के बाद होटल को तुरंत बंद कर दिया गया है। जांच के सिलसिले में अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें होटल मैनेजमेंट से जुड़े लोग और वे कर्मचारी शामिल हैं, जिनके ऊपर कीटनाशक के गलत इस्तेमाल का संदेह है। इस घटना ने तुर्की के पर्यटन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विशेषज्ञों और नागरिक संगठनों ने होटल निरीक्षण प्रणाली को मजबूत करने और कीटनाशक उपयोग से जुड़े प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू करने की मांग की है। बोसेक परिवार की मौत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा में जरा-सी चूक भी घातक साबित हो सकती है। जांच एजेंसियां पूरे मामले को गंभीरता से देख रही हैं और विस्तृत रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने पाली में 110 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

पाली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार राजस्थान की 8 करोड़ जनता के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है तथा हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री पाली जिले के चामुंडेरी राणावतान में बाली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अच्छी बारिश से फसलें बेहतर स्थिति में हैं और जलस्रोतों में भी पानी भर चुका है। नवीन बालिका विद्यालय भवन के लोकार्पण को उन्होंने ₹बालिका शिक्षा सशक्तीकरण₹ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, वहीं नाडोल–सादड़ी एमडीआर रोड के लोकार्पण से क्षेत्रवासियों के आवागमन में सुविधा बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के जीवन में सुधार लाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि सरकार ने पानी की

जरूरत को पूरा करने के लिए राम जल सेतु लिंक, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध और देवास परियोजना के कामों को गति दी है। बिजली आपूर्ति की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा में अग्रणी है और 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। 22 जिलों में यह काम शुरू हो चुका है।

शर्मा ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में युवाओं के सपने तोड़े गए और 19 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के दो वर्षों में किए गए काम पिछली सरकार के पांच साल से अधिक हैं। उन्होंने बताया- फार्म पॉन्ड निर्माण सवा गुना, खेतों पर तारबंदी ढाई गुना, पशु चिकित्सालयों का उन्नयन ढाई गुना, बहुउद्देश्यीय पशु चिकित्सालयों में उन्नयन चार गुना बढ़ा है। इसके साथ ही सीसीटीवी, नवीकरणीय ऊर्जा भूमि आवंटन, कुसुम-ए व कुसुम-सी एलओए, छात्राओं को स्कूटी वितरण, कॉलेज भवन निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी कई गुना प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए, जिनमें से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने किसानों को दूध पर 5 रुपये बोनस, आंगनबाड़ी बच्चों को दूध, किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी, गोपालक क्रेडिट कार्ड और गरीब महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने बाली में कुल 110 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया - 63.60 करोड़ की लागत से जिला चिकित्सालय, बाली भवन निर्माण, 18.95 करोड़ की लागत से निष्क्रमणीय पशुपालक बालक आवासीय विद्यालय का शिलान्यास, 28 करोड़ रुपये की लागत से नाडोल–सादड़ी 20.50 किमी सड़क चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण का लोकार्पण, इसके अलावा उन्होंने सोनी सीता देवी उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामुंडेरी का लोकार्पण किया और नए भवन का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़, विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, जिला प्रमुख रश्मि सिंह, महंत महेंद्रगिरी नाथ, नरेश नाथ महाराज सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

सांसद बेनीवाल ने अफसरों को फटकारा

बोले- बैठक में क्या समोसा खाने आते हो, कलेक्टर टीना डाबी से पूछा सवाल

बाड़मेर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की कलेक्ट्रेट कॉफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में सांसद और विधायकों ने प्रशासनिक लापरवाही पर जमकर नाराजगी जताई। करीब नौ घंटे चली मैराथन बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अफसरों से मूलभूत सुविधाओं और सरकारी योजनाओं की प्रगति पर तीखे सवाल पूछे और जवाब मांगा।

सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल और बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी की मौजूदगी में बैठक हुई। बैठक की शुरुआत से ही माहौल गरमा गया, जब सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों की पालन रिपोर्ट को गंभीरता से नहीं लेने पर खनिज विभाग और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कहा, अगर अफसर तैयारियों के बिना बैठकों में आते रहेंगे, तो इन बैठकों का औचित्य ही क्या रह जाएगा? सरकारी धन की यह बर्बादी क्यों?

टांका निर्माण पर लगी रोक हटाने की रिपोर्ट लंबित रहने पर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने जिला कलक्टर टीना डाबी से सवाल किया। उन्होंने राष्ट्रपति से सम्मानित होने पर बधाई देने के साथ ही कटाक्ष किया और कहा कि क्या आप दोबारा सम्मानित नहीं होना चाहते? रिपोर्ट अब तक क्यों नहीं भेजी गई? यदि रोक समय पर नहीं हटी तो पानी के गंभीर संकट के हालात बनेंगे। फिर अगले सम्मान के लिए आंकड़े कहां से लाएंगे, जब जनता ही पानी के लिए तरसेगी। उन्होंने कहा कि शिव उपखंड क्षेत्र की मोखाब ग्राम पंचायत में खातेदार की जमीन पर अवैध खनन कर सड़क निर्माण का मामला बैठक में छाया रहा। खनन और पीडब्ल्यूडी विभाग के परस्पर विरोधी बयानों पर सांसद बेनीवाल भड़क उठे। खनन विभाग ने कहा कि खनन हुआ ही नहीं, जबकि पीडब्ल्यूडी ने ठेकेदार का नाम तक नहीं बताया।

इस पर सांसद ने तंज कसा कि अगर खनन नहीं हुआ, तो सड़क के लिए मुरम कहां से आई? और अगर सड़क बनी ही नहीं, तो ठेकेदार अज्ञात कैसे? उन्होंने अफसरों की टालमटोल पर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्या आप लोग सिर्फ चाय-समोसा खाने यहां आते हो? जनता की समस्याओं पर ऐसी उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में धोरीमन्ना क्षेत्र के मांगता गांव में अवैध खनन और विस्फोटों से ढाणियों व स्कूल भवनों के जर्जर होने की शिकायतों का मामला भी गरमाया। सांसद ने कहा कि ग्रामीणों और स्कूल प्रिंसिपल द्वारा कई बार लिखित शिकायतें देने के बावजूद विभाग अवैध खनन नहीं हो रहा बताकर मामले को फाइलों में दबाए बैठा है। कागजों में सब ठीक बताकर असलियत छिपाना बंद करें।

नगर परिषद के अवैध पट्टा प्रकरण की जांच में देरी पर भी सांसद ने कलक्टर और नगर परिषद आयुक्त से कड़े शब्दों में जवाब मांगा। उन्होंने कहा, नगर परिषद में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। इंद्रा रसोई समेत कई घोटाले हुए हैं। एक साल बीत गया, जांच पूरी क्यों नहीं हुई? क्या इसे जानबूझकर लंबित रखकर घोटाले को दबाने की कोशिश है? सांसद ने निर्देश दिया कि जांच किसी सक्षम अधिकारी को सौंपी जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। बैठक में दिशा सदस्य किरण वीरट ने बाड़मेर राजकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन लगाने में हो रही देरी पर सवाल उठाया। इस पर सांसद, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और डॉ. प्रियंका चौधरी ने भी हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मशीन की स्थापना पर हर बार सिर्फ आश्वासन दिए जा रहे हैं।

भतीजे की शादी में गए बीजेपी नेता के परिवार पर जानलेवा हमला

कांग्रेस पार्षद पति पर लगे ये गंभीर आरोप

बूंदी, 26 नवंबर (एजेंसियां)। बूंदी के केशवरायपाटन शहर के मात्रा रोड पर स्थित एक रिसॉर्ट पर शादी के दौरान कांग्रेस पार्षद पति के साथ कुछ लोगों ने भाजपा नेता एवं उसके परिजनों पर प्राणघातक हमला कर 10 जनों को घायल कर दिया। वहीं हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

थाना प्रभारी हंसराज मीणा ने बताया कि शहर के विष्णु कुमार सैनी ने पुलिस ने दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि वह परिवार के साथ उसके भतीजे के शादी समारोह में गया हुआ था। शादी के बाद उसका कर्मचारी कमल नेपाली खाना लेकर जा रहा था। गार्डन के दरवाजे पर अपने साथियों के साथ खड़े कांग्रेस पार्षद के पति इन्द्रजीत मेघवाल ने उसके कर्मचारी के हाथ से खाना छीन कर मारपीट कर दी।

वह बचाव के लिए पहुंचा तो धारदार हथियारों से लेस मेघवाल के साथी गोपाल सुमन, जामुन मेघवाल, मनजीत मेघवाल, लोकेश, पवन, राहुल व पंकज ने हथियारों से हमला करने पर समारोह में अफरातफरी मच गई।

इन हमलावरों ने भाजपा नेता सागर सैनी (27), अभिषेक सैनी (24), मोहनलाल सैनी (65), केशव (16), अमन मेघवाल (27), निखिल केवट (20), कुनाल सैनी (35), रुद्राक्ष दाधीच (16), रवी शर्मा (30), नरेन्द्र (18) पर हमला कर गंभीर घायल कर दिया। घायलों को उपचार के लिए तुरंत राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय लेकर आए, जहां से कोटा भेज दिया। पुलिस ने सैनी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है।

'मेरे खिलाफ केस झूठा, लड़ाई जारी रखूंगा'

एसडीएम थप्पड़कांड वाले मीणा बोले- जल्द बनाएंगे तीसरा मोर्चा

टोंक, 26 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा ने कहा कि डूंगरी बांध के विरोध में आयोजित महापंचायत में दिए गए भाषण को लेकर सपोटरा थाने में दर्ज की गई FIR पूरी तरह झूठी है। उनका कहना है कि जिस व्यक्ति के नाम से रिपोर्ट दर्ज कराई गई, उसने स्वयं सोशल मीडिया पर बयान जारी कर बताया है कि उसने कोई शिकायत नहीं दी। इसके बावजूद पुलिस पर कार्रवाई के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मीणा ने स्पष्ट किया कि यदि पुलिस चाहे तो वह समर्पण के लिए तैयार हैं, लेकिन जनता के साथ होने वाले अत्याचार और अन्याय के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। नगरफोर्ट थाने में हाईकोर्ट से SDM को थप्पड़ मारने के मामले में मिली जमानत की शर्त के तहत उपस्थिति देने के बाद

उन्होंने यह बात कही।

नरेश मीणा ने आरोप लगाया कि जैसे बिहार चुनावों में विपक्ष ने वोट चोरी की बात कही, वैसा ही उनके अंता विधानसभा चुनाव में भी हुआ। उनके अनुसार, बीजेपी ने उसी तरह की रणनीति अपनाई और इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर भी कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया की मदद करने का आरोप लगाया। मीणा का कहना है कि 90% बीजेपी उनके प्रतिद्वंद्वी के साथ खड़ी थी और धनबल तथा चांदी की तोड़िया तक बांटी गई। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

राजस्थान में तीसरे मोर्चे की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि जनता बीजेपी और कांग्रेस से निराश हो चुकी है और उन्हें जहां भी जनसंपर्क का अवसर मिलता है, वहां तीसरे मोर्चे के लिए अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों बड़ी पार्टियां आपसी मिलीभगत से टिकट बांटती हैं और जनता का शोषण कर रही हैं। नरेश मीणा ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हजारों बीघा जमीन गौशाला के नाम हड़प ली गई और किसानों की करोड़ों रुपये की परियोजनाओं पर पानी फेर दिया गया।

उन्होंने कहा कि वे जल्द ही जनता को साथ लेकर तीसरा मोर्चा स्थापित करेंगे और आने वाले चुनाव में इसे विकल्प के रूप में उतारेंगे। अपनी स्वयं की पार्टी बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि फिलहाल इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन समय आने पर निर्णय सार्वजनिक किया जाएगा।

बड़े नेताओं पर तीखी टिप्पणी करने के सवाल पर नरेश मीणा ने कहा कि जब जनप्रतिनिधि जनता का शोषण करें तो चुप रहना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि वे जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें हर महीने थाने में हाजिरी देनी पड़ रही है, जो विडंबना है। उनके अनुसार, यह पहली बार है कि जनता के हक के लिए लड़ने वाले व्यक्ति को इस प्रकार उपस्थित होना पड़ रहा है।

ट्रेलर से टकराने के बाद दीवार पर अटकी कार

पुल से नीचे गिरा ड्राइवर; दर्दनाक मौत

श्री गंगानगर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में बुधवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा सूरतगढ़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे-62 पर मानकसर पुल पर सुबह करीब तीन बजे हुआ। हादसा इतना जबरदस्त था कि एसयूवी पुल की दीवार पर अटक गई और चालक पुल से नीचे जा गिरा। हादसे में एसयूवी चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। साथ ही क्षतिग्रस्त गाड़ी को क्रेन की मदद से नीचे उतरवाया।

घर जाते समय हुआ हादसा

सिटी थाना के हैड कांस्टेबल महावीर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान मुरली सिंधी (32) पुत्र भगवानदास निवासी वार्ड 27 सूरतगढ़ के रूप में हुई है। वह भगवानसर के पास होटल चलाता था। बुधवार अलसुबह वह अपनी गाड़ी से घर आ रहा था। तभी मानकसर पुल पर ट्रेलर और एसयूवी में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

एसयूवी पुल की दीवार पर अटकी

हादसे के बाद बेकाबू एसयूवी पुल की दीवार पर अटक गई। लेकिन, मुरली सिंधी पुल से नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। शव को उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एससी-एसटी कोर्ट ने 14 लोगों को सुनाया आजीवन कारावास

15 साल पहले रास्ते के विवाद में की थी हत्या

अलवर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर रास्ते को लेकर चल रहे पुराने विवाद में हुई एक जने की हत्या के मामले में एससी-एसटी कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए 14 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 15 वर्ष पुराना है, जिसमें लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने कल देर शाम को कोर्ट उठने से पहले यह फैसला सुनाया। विशिष्ट लोक अभियोजक योगेंद्र सिंह खटाणा ने सूचना देते हुए बताया कि वर्ष 2010 में खेड़ली थाना क्षेत्र के भांवर गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया था, जिसमें पीड़ित पक्ष के रामस्वरूप की गंभीर चोटों के चलते एसएमएस अस्पताल, जयपुर में मौत हो गई थी।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से कई लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले को लेकर गांव में पंचायत भी हुई थी और हमलावर पक्ष ने पंचायत के दौरान ही रास्ते को लेकर झगड़ा और मारपीट कर डाली थी। इस दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। इसी दौरान पीड़ित पक्ष के रामस्वरूप पर लाठियों, सरियों और पत्थरों से हमला किया गया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए और उसको गंभीर हालत में जयपुर एसएमएस अस्पताल ले जाया गया था, जहां दो दिन बाद में उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल पैदा हो गया था। पुलिस ने इस मामले में 17 के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी, जिसमें से दो जनों की कोर्ट में ट्रायल के दौरान मौत हो गई, जबकि एक मफरुर बताया गया। विशिष्ट लोक अभियोजक खटाणा ने बताया कि अदालत ने घटना के तथ्य, चश्मदीदों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए इस मामले में कुल 14 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में कोर्ट ने मुल्जिम पक्ष से जो राशि जुर्माने के तौर पर वसूल की जाएगी उसमें से डेढ़ लाख रुपये मृतक के परिजनों को देने के आदेश भी दिए हैं।

जिन 14 आरोपियों को उम्रकैद हुई है उनमें पप्पूराम, बाबूलाल, मुकेश, विजय, नरेश, बद्रीप्रसाद, भोजराम, उमेश, शंभू, साबूलाल, कमीलाल, कुनराम, रामखंभ, हरीशंकर सहित अन्य शामिल हैं। करीब डेढ़ दशक पुराने इस मामले में आए फैसले के बाद पीड़ित पक्ष ने अदालत के निर्णय पर संतोष जताया है। वहीं, निर्णय के बाद न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी।

सरकारी स्कूल में कुल्हाड़ी लेकर पहुंची महिला, मचा हड़कंप

भीलवाड़ा, 26 नवंबर (एजेंसियां)। शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भरनी खुर्द में एक महिला कुल्हाड़ी लेकर विद्यालय परिसर में पहुंच गई और अध्यापकों को अपशब्दों का उपयोग करते हुए धमकाया। महिला की इस हरकत से विद्यालय के छोटे बच्चे डर गए। इस संबंध में ग्रामीणों ने थाने में रिपोर्ट देकर महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय भरनी खुर्द के शिक्षकों व ग्रामीणों ने बताया कि बीजेटा, गेरूठा निवासी वनकर्मी होकमाराम मीणा की पत्नी माना देवी मीणा विद्यालय भूमि पर अपना हक जमाते हुए कुल्हाड़ी लेकर स्कूल में पहुंच गई।

महिला ने अध्यापकों के साथ गाली गलौच करते हुए कहा कि विद्यालय भवन उसकी जमीन पर है। इसलिए बच्चों को यहां पढ़ने नहीं देगी। महिला ने धमकी देते हुए कहा कि ज्यादा बोले तो कुल्हाड़ी से काट दूंगी। कुल्हाड़ी लेकर भवन के अंदर आई महिला का अध्यापक वीडियो बनाने लगे तो वो रुक गई और कुल्हाड़ी को विद्यालय के बरामदे में ही तेज धार देने लगी। महिला ने बच्चों को बोला कि भाग जाओ नहीं तो मार दूंगी। उसने बच्चों को डराया धमकाया और शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज कराने की धमकी दी। महिला उसका पुत्र फूलचंद और उसकी पुत्री रेशमा ने मिलकर विद्यालय के रास्ते को कांटे लगाकर बंद करते हुए शिक्षकों एवं बच्चों को निकलने से रोक दिया। महिला की यह हरकत देखकर बच्चे डर गए। शिक्षक व ग्रामीणों ने थाने में रिपोर्ट देकर महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस की बड़ी कामयाबी, 22 क्विंटल डोडा पोस्त जब्त

तस्कर फरार

जोधपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। जिला सुरक्षा बल (डीएसटी) जोधपुर ग्रामीण को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने थाना शेरगढ़ क्षेत्र के सरहद गोगादेवगढ़ में धोरा रिसोर्ट के पास तस्करों द्वारा बनाए गए अवैध डोडा पोस्त लॉन्चिंग पेड पर सर्जिकल स्ट्राइक कर भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, सुनसान इलाके में तस्करों ने विशेष रूप से ऐसा लॉन्चिंग पेड तैयार किया था, जहां बाहरी राज्यों से बड़े वाहनों में भारी मात्रा में डोडा पोस्त मंगवाया जाता था और रात के समय लग्जरी वाहनों से स्थानीय स्तर पर सप्लाई की जाती थी।

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण नारायण टोगस ने बताया कि डीएसटी और थाना शेरगढ़ की संयुक्त कार्रवाई में कुल 22 क्विंटल 68 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया। इस दौरान 06 वाहनों एक ट्रैक्टर-ट्रॉली, एक इसुज़ू, एक मारुति स्विफ्ट और तीन हुंडई क्रेटा को जब्त किया गया। पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में दबिश देकर तस्करों के पूरे सेटअप को ध्वस्त कर दिया।

पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण भोपालसिंह लखावत के सुपरविजन तथा डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया के निर्देशन में की गई। 25 नवंबर 2025 को डीएसटी के हैडकांस्टेबल वीरेंद्र खदाव को सूचना मिली कि धोरा रिसोर्ट के पास तस्कर बड़े पैमाने पर डोडा पोस्त की खरीद–फरोख्त कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद डीएसटी और थाना शेरगढ़ की टीम ने संयुक्त घेराबंदी कर दबिश दी।

बरामद माल के संबंध में थाना शेरगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही अवैध तस्करी के नेटवर्क और स्रोतों की जांच थाना चामू की पुलिस द्वारा की जा रही है।

कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया, हैडकांस्टेबल वीरेंद्र खदाव (विशेष भूमिका), मुकनसिंह, हरेन्द्र लोहरा, कमांडो सोहनराम, पप्पूराम सहित थाना शेरगढ़ के थानाधिकारी बुधाराम, सउनि रघुवीरसिंह, सउनि रूघाराम, श्रवणराम, पन्नालाल, धन्नालाल, रमेश पटेल, कैलाश, भूराराम, हनुमानसिंह, रमेश एवं भल्लाराम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सफलता पर जिला पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम में भीषण आग : बाइक और स्कूटर जलकर खाक; ऊपर बने जिम में मचा हड़कंप

कोटा, 26 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में बुधवार सुबह इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम में भीषण आग लग गई। आग लगने से शोरूम के अंदर रखी इलेक्ट्रिक व्हीकल जलकर खाक हो गए। वहीं सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की करीब चार दमकल मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। यह घटना शहर के बोरखेड़ा थाना इलाके में 80 फीट रोड पर बने इलेक्ट्रिक व्हीकल शोरूम में हुई। वहीं शोरूम के ऊपर जिम भी बना हुआ था, जिसमें लोग मौजूद थे। गनीमत रही कि घटना के दौरान समय रहते सभी बाहर निकल गए।

अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली थी की एक शोरूम में आग लगी हुई है। सूचना मिलने के बाद सब्जी मंडी और श्रीनाथपुरम स्टेशन से दमकल गाड़ियों को रवाना किया गया। वहीं आग ज्यादा होने पर और गाड़ियां मंगवाई गईं। मौके पर जाकर देखा तो शोरूम का निचला हिस्सा पूरी तरह से जल चुका था और उसके अंदर रखी सभी इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर भी जल चुके थे। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। वही आग पर काबू पा लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

राकेश व्यास ने बताया कि ये दो मंजिला इमारत है दो हजार स्क्वायर फीट एरिया में बना हुआ है। जिसमें नीचे इलेक्ट्रिक व्हीकल का शोरूम बना हुआ है। जिसे विजय कुमावत संचालित करते हैं। वहीं इसके ऊपर जिम भी बनी हुई है जहां पर लोग सुबह जिम करने के लिए आते हैं। घटना के समय शोरूम के अंदर अलग-अलग जगह पर व्हीकल खड़े हुए थे। आग शोरूम के अंदर लगना शुरू हुई और धीरे-धीरे पूरे शोरूम को उसने अपनी चपेट में ले लिया। वहीं जांच की जा रही है कि शोरूम के अंदर अग्निशमन उपकरण मौजूद थे या नहीं।

25 हजार की रिश्वत लेने वाला गिरदावर निकला करोड़पति

आय से 308 फीसदी अधिक संपत्ति देख अफसर भी चौंके

डूंगरपुर, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बिलड़ी के तत्कालीन गिरदावर दिनेश पंचाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। आरोपी गिरदावर पंचाल पर आय से 308 फीसदी अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। एसीबी चौकी के प्रभारी रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि डूंगरपुर एसीबी की टीम ने 16 मई 2024 को डूंगरपुर जिले के बिलड़ी के तत्कालीन गिरदावर दिनेश पंचाल को नामांतरण खोलने की एवज में 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम ने उनके घर का सर्च ऑपरेशन किया था। इस दौरान आरोपी गिरदावर के घर से 41 लाख 39 हजार 500 रुपए नकद मिले। साथ ही पंचाल एवं उनके पत्नी के नाम पर शहर डूंगरपुर सहित तीजवड़, भण्डारिया, बिछीवाड़ा औद्योगिक एवं आवासीय भूखण्ड, डूंगरपुर एवं उदयपुर में फ्लैट मिले, जिनकी कुल कीमत 62 लाख 41 हजार 750 रुपए है।

वहीं, आरोपी के घर एवं लॉकर 86 लाख 41 हजार 718 रुपए के सोने चांदी के गहने मिले। पोस्ट ऑफिस, एलआइसी एवं बैंक खातों में 3.80 लाख रुपए अधिशेष मिले। वहीं, उसके पास लग्जरी कार सहित अन्य वाहन भी मिले, जिसकी कीमत 22 लाख 32 हजार 376 रुपए मिले। बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन के साथ ही अन्य किए गए खर्च एक करोड़ 60 लाख 73 हजार 255 रुपए थे। जांच में सामने आया कि पंचाल ने 3 करोड़ 85 लाख 71 हजार 601 रुपए की सम्पतियां अर्जित की है। जबकि, सैलरी से कुल 1 करोड़ 26 लाख 9 हजार 827 रुपए की आय अर्जित की थी। ऐसे में आरोपी द्वारा 308 प्रतिशत अधिक आय अर्जित करना पाया गया। इस पर जयहिंद नगर निवासी दिनेश पुत्र नाथुलाल पंचाल के खिलाफ अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान बांसवाड़ा ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा को सौंपा है।

अलग-अलग संस्कृतियाँ, परंपराएँ और भाषाएँ भारत की ताकत : राजनरसिम्हा

मंत्री ने तेलंगाना-नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि चाहे राज्य अलग हों, हम सभी भारतीय नागरिकों के रूप में एक हैं और आपसी सहयोग से मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने बताया कि अलग-अलग संस्कृतियाँ, परंपराएँ और भाषाएँ भारत की ताकत हैं, और इसी विविधता में एकता बनाए रखते हुए देश को विकसित करने में ऐसे सम्मेलन मददगार साबित होते हैं। मंत्री ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा का धन्यवाद किया, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ तेलंगाना के संबंधों को और मजबूत बनाने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी राज्य हो, या किसी भी क्षेत्र में रहने वाले लोग, स्वास्थ्य के मामले में उनकी अपेक्षाएँ समान होती हैं। लोग चाहते हैं कि बीमारी या आपात स्थिति आने पर उन्हें तुरंत और बेहतर चिकित्सा सेवा मिले और उपचार का खर्च उनकी पहुंच में हो। सरकार के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों को आवश्यक चीजें दें और उनकी

उम्मीदों के अनुसार काम करें। तेलंगाना सरकार का उद्देश्य लोगों को मुफ्त और बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना है। क्षेत्रीय स्तर पर सब-सेंटर्स, आयुष्मान स्वास्थ्य मंदिर, प्राथमिक और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बस्ती अस्पतालों के माध्यम से निवारक और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

द्वितीयक स्तर पर(184) कम्युनिटी हेल्थ सेंटर और एरिया हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ दी जा रही हैं। तीसरे स्तर पर, गांधी, उस्मानिया जैसे 48 टीचिंग हॉस्पिटल्स के माध्यम से टर्शियरी केयर सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित मल्टी सुपर स्पेशालिटी चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिए उस्मानिया में नया अस्पताल, हैदराबाद में 3 टीआईएमएस हॉस्पिटल्स और वारंगल हेल्थ सिटी का निर्माण किया जा रहा है। 32 डायग्नोस्टिक सेंटर्स के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को मुफ्त और गुणवत्ता युक्त डायग्नोस्टिक सेवाएँ दी जा रही हैं। इन सेवाओं को जनजातीय क्षेत्रों में भी प्रदान करने के लिए राज्य क्षेत्रों में हब्स शुरू किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, निजी और कॉरपोरेट अस्पतालों में भी लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिए राजीव आरोग्यश्री योजना 200% में शुरू की गई थी। अब 1800 से अधिक प्रकार की चिकित्सा सेवाएँ और सर्जरी आरोग्यश्री के तहत मुफ्त में उपलब्ध हैं।

डायबिटीज़, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी, हृदय रोग जैसी बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों से निपटने के लिए पिछले साल पूरे राज्य में एनसीडी क्लिनिक्स स्थापित की गई हैं। लगभग 50 लाख मरीजों को ये क्लिनिक्स वन-पॉइंट डेस्टिनेशन के रूप में सेवाएँ दे रही हैं।

एक संयुक्त राज्य में 3 डायालिसिस सेंटर के माध्यम से लगभग 1200 मरीजों को डायालिसिस सेवाएँ प्रदान की गईं। आज 102 डायालिसिस सेंटर के माध्यम से 12,000 मरीजों को सेवाएँ मिल रही हैं। देश और राज्य में बढ़ते कैंसर मामलों को देखते हुए प्रत्येक जिले में डे-केयर कैंसर सेंटर्स स्थापित किए गए हैं। देश में पहली बार, तेलंगाना में सरकारी अस्पतालों में आईवीएफ सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कोडिमियल में ब्रह्मोत्सव के दौरान दर्दनाक हादसा

जगतियाल, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोडिमियल मंडल में मंगलवार रात आयोजित श्री वेंकटेश्वर स्वामी ब्रह्मोत्सव के दौरान एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें 12 वर्षीय बच्ची थिप्पारावेनी मधुश्री की बिजली के करंट लगने से मौत हो गई।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, मधुश्री अपने दोस्तों के साथ खेल रही थी, तभी अचानक एक बिजली का तार उसके गले में उलझ गया। संतुलन बनाने की कोशिश में उसने पास में मौजूद स्टील की छड़ पकड़ ली।

चप्पल न पहने होने के कारण तुरंत उसे तेज करंट लगा और वह गिर पड़ी। परिजन तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बिजली व्यवस्था में लापरवाही की भी पड़ताल की जा रही है।

फर्जी आईएएस-आईपीएस बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो खुद को वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस या एनआईए अधिकारी बताकर दो साल से अधिक समय तक लोगों से ठगी करता रहा। पकड़े गए आरोपी की पहचान बथिनी शशिकांत (39) के रूप में हुई है, जबकि उसके दो साथी प्रवीण और विमल फरार हैं। पुलिस के अनुसार शशिकांत अपनी फर्जी पहचान को मजबूत दिखाने के लिए जाली सरकारी आईडी, विजिटिंग कार्ड और विभिन्न विभागों के आधिकारिक दस्तावेज तैयार करता था। वह कभी खुद को खान विभाग में उपायुक्त, तो कभी आईपीएस या एनआईए अधिकारी बताकर लोगों पर रौब जमाता था।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने तमिलनाडु से दो सशस्त्र अंगरक्षक भी रखे थे। वह वॉकी-टॉकी का उपयोग करता था,जिससे लोग आसानी से उसके झांसे में आ जाते थे। शशिकांत ने हाल ही में गोल्ड जिम के प्रबंध निदेशक अली हसन को टीएसआईआईसी के माध्यम से औद्योगिक भूमि दिलाने का भरोसा दिलाया और एक फर्जी भूमि आवंटन पत्र दिखाकर बैंक ट्रांसफर, यूपीआई और नकद के जरिए 10.5 लाख रुपये वसूल लिए।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की आरती-पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल पद्मकिरण दीया अग्रवाल संध्या रानी अग्रवाल संतोष देवी अग्रवाल विजया रेड्डी सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विनोद कुमार अग्रवाल डकोटिया,प्रवीण कुमार अग्रवाल अशोक अग्रवाल रूंगटा डॉ राधा कृष्ण किशन दास डागा राहुल सिंघल सुभाष अग्रवाल कैलाश दांडू आदि ना भाग लिया।

बीसी आयोग ने पावर यूटिलिटीज़ को फटकार लगाई

आधिकारिक पत्रों का जवाब न देने पर नाराजगी जताई

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने पावर यूटिलिटीज़ द्वारा आयोग द्वारा जारी पत्रों का उत्तर न देने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। बीसी आयोग ने बुधवार को पावर यूटिलिटीज़ के कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ जांच की।

यह जांच आयोग के कार्यालय, खैरताबाद में अध्यक्ष जी. निरंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आयोग के सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंद्र और सदस्य सचिव बाला माया देवी ने बैठक में भाग लिया। सितंबर में, तेलंगाना इलेक्ट्रिसिटी बीसी एंप्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिवों द्वारा आयोग को बताई गई

समस्याओं के आधार पर, आयोग ने चार पावर यूटिलिटीज़ (टीजी ट्रांसकों, टीजीजेनको, टीजीएसपीडीसीएल, टीजीएनपीडीसीएल) से 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था। हालांकि, दो महीने बीत जाने के बावजूद पावर यूटिलिटीज़ से कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इस पर आयोग ने 17 नवंबर को हुई बैठक में इस मामले को गंभीरता से लिया। संबंधित अधिकारियों से 26 नवंबर को आयोग के सामने उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने को कहा गया। इस संबंध में, चारों पावर यूटिलिटीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच में भाग लिया। पावर यूटिलिटीज़ ने अपने कर्मचारियों की समस्याओं पर रिपोर्ट आयोग को प्रस्तुत की और कई पहलुओं पर स्पष्टीकरण दिया। इस अवसर पर, अध्यक्ष जी. निरंजन ने कहा कि पावर यूटिलिटीज़ के कार्यालयों में बीसी सेल स्थापित करने के संबंध में निर्णय एक सप्ताह के भीतर लिया जाना चाहिए। उन्होंने पावर यूटिलिटीज़ द्वारा आयोग के पत्रों का जवाब न देने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। अध्यक्ष ने बताया कि पावर यूटिलिटीज़ द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों की गहन समीक्षा के बाद, यदि आवश्यक हुआ तो बीसी आयोग पावर यूटिलिटीज़ के कार्यालयों का दौरा कर आगे जांच करेगा। आयोग के दौरे के समन्वय के लिए पावर यूटिलिटीज़ को लायजन ऑफिसर्स नियुक्त करने के लिए कहा गया।

विधायक सत्यम के काफिले की दुर्घटना में घायल करुणाकर की मौत

करीमनगर, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चोप्पाडंडी के विधायक मेडिपल्ली सत्यम के काफिले से जुड़ी सड़क दुर्घटना में घायल गंगाधारा मार्केट कमेटी के निदेशक करुणाकर की मंगलवार को हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा 23 नवम्बर को जगतियाल जिले के कोडिमियाल मंडल के पुदुर के पास हुआ था, जब विधायक के काफिले का एक वाहन सामने से आ रही कार से टकरा गया था। उस समय विधायक सत्यम पूजा के लिए कोंडागट्टू मंदिर जा रहे थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए करुणाकर को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रेफर किया गया।

कृषि वैज्ञानिक देश का एकमात्र ऐसा पेशा जो देश की आबादी की सेवा में अग्रणी : डॉ. पाठक

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नार्म में आयोजित कृषि संबंधित अन्वेषण सेवा या एग्रीकल्चरल रिसर्च सर्विस (एफ़ओसीएआरएस) के 115वें फाउंडेशन कोर्स के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीजी, इक्रिसैट डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि, कृषि वैज्ञानिक देश का एकमात्र ऐसा पेशा जो देश की ज़्यादातर आबादी की सेवा में अग्रणी है। वे नार्म में कृषि संबंधित अन्वेषण सेवा के 115वें फाउंडेशन कोर्स के समापन अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में 22 राज्यों के 35 एग्रीकल्चरल फील्ड के 10% प्रोबेशनरी साइंटिस्ट्स ने अपनी 3-फेज की फाउंडेशन ट्रेनिंग पूरी की। उन्हें देश भर के अलग-अलग आईसीएआर इंस्टीट्यूशन में

पोस्टिंग प्राप्त हुई है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि, करियर में आगे बढ़ने के लिए बदलाव को स्वीकार करें और ईमानदारी और विनम्रता से कम्युनिटी की सेवा करें।

इस दौरान वीसी कावेरी यूनिवर्सिटी, तेलंगाना डॉ. प्रवीण राव ने कहा कि, सेक्टर की भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए रिसर्च एक्टिविटीज़ में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल ज़रूरी है। सफल होने के लिए दूसरे डिपार्टमेंट्स और जाने-माने इंस्टीट्यूशन्स के साथ मिलकर काम करना ज़रूरी है। नार्म के एक्टिंग डायरेक्टर, डॉ. गोपाल लाल ने कहा कि, किसान समुदाय, खासकर छोटे किसानों की सेवा करना युवा वैज्ञानिक का लक्ष्य होना चाहिए तथा ईमानदारी, सच्चाई और कड़ी मेहनत से करियर में फ़ायदा होगा। इस शुभावसर पर उत्तम प्रशिक्षु (बेस्ट ट्रेनी) के रूप में डॉ. संदीप और डॉ. मेघा शर्मा का चयन कर, उन्हें सम्मानित किया गया। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. डी. दामोदर रेड्डी, ने डिटेल्ड रिपोर्ट पेश की और कोर्स करिकुलम, फील्ड एक्सपीरियंस ट्रेनिंग वगैरह में लाए गए इनोवेशन पर ज़ोर दिया।

हिस्ट्री शीटरों के सुधार की दिशा में राचकोंडा पुलिस की नई पहल

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिस्ट्री शीटर के सुधार की दिशा में राचकोंडा पुलिस की नई पहल की है। सामान्यत अपराधियों और हिस्ट्री शीटर की गतिविधियों पर पुलिस निगरानी रखती है। लेकिन, इसके विपरीत, राचकोंडा पुलिस ने उन्हें केवल घर तक सीमित न रखकर नए सुधारों की दिशा में एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया। पारंपरिक निगरानी से अलग, इस बार हिस्ट्री शीटर को 'सामाजिक सेवा और जनजीवन में भागीदारी' के लिए शामिल किया गया। परिवर्तन की दिशा में सकारात्मक बदलाव दिखाने वाले हिस्ट्री शीटर्स को चुना गया और उन्हें उपल, एल्बीनगर, ईसीआईएल जैसे प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक नियंत्रण में भागीदार बनाया गया। समाज में गलती की वजह से भटके हुए हिस्ट्री शीटर, अब स्वयंसेवक के रूप में ट्रैफिक स्टाफ के साथ मिलकर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित कर रहे हैं और यात्रियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत, कुशाईगुड़ा पुलिस क्षेत्र में आयोजित ट्रैफिक नियंत्रण और जागरूकता अभियान में 20 हिस्ट्री शीटर, उपल पुलिस स्टेशन से 20 हिस्ट्री शीटर, एलबीनगर पुलिस स्टेशन से 20 हिस्ट्री शीटर ने पुलिस के साथ सहयोग किया।

तेलंगाना में आईपीएस प्रोबेशनर आयशा फातिमा, मनीषा नेहरा, मंधारे सोहन सुनील, राहुल कांत ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की।

दक्षिण मध्य रेलवे ने एप्लिकेशन आधारित पार्सल लॉजिस्टिक्स सेवा विकसित करने की योजना बनाई

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के हैदराबाद डिवीजन ने ऐसे एप्लिकेशन को डिज़ाइन करने की योजना बनाई है जो पहली मील (पिकअप) और आखिरी मील (डिलीवरी) सेवाओं को रेल परिवहन के साथ जोड़कर ग्राहकों को दरवाजे तक पार्सल बुकिंग और डिलीवरी की सुविधा प्रदान करेगा। यह एप्लिकेशन पहले हैदराबाद डिवीजन में पायलट आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में, ज़ोन ने उन पार्टियों और एजेंसियों को आमंत्रित किया है जो रेलवे के साथ मिलकर पहली मील और आखिरी मील सेवाओं के लिए लॉजिस्टिक्स या फ्लीट सेवा प्रदान करना चाहती हैं।

इच्छुक सेवा प्रदाता हैदराबाद डिवीजन के कमर्शियल विंग से ईमेल या व्यक्तिगत रूप से संपर्क करके चर्चा, सहयोग और पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह डिजिटल समाधान पहली मील (पिकअप), मध्य मील (रेल द्वारा परिवहन) और आखिरी मील (डिलीवरी) सेवाओं को एकीकृत करेगा, जिससे पार्सल की आवाजाही सहज, तेज और पारदर्शी होगी। नया रेल पार्सल ऐप ग्राहकों के लिए बुकिंग, ट्रैकिंग और पार्सल प्रबंधन का वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म साबित होगा। यह ऐप उद्योग, व्यक्ति, व्यवसाय और लॉजिस्टिक्स भागीदारों को एक डिजिटल इकोसिस्टम में लाएगा, जिससे पूरे देश में पार्सल बुक करना अब घर बैठे आसान और सुविधाजनक होगा। एप्लिकेशन की प्रमुख विशेषताएँ और लाभ है। इसमें ऑनलाइन बुकिंग और डिजिटल भुगतान, रीयल-टाइम पार्सल ट्रैकिंग, दरवाजे से दरवाजे तक निर्बाध सेवा, बढ़ी हुई पारदर्शिता और आसान भुगतान प्रणाली है। दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह सेवा पार्सल परिवहन में गेम-चेंजर साबित हो सकती है। उन्होंने लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं को रेलवे के साथ सहयोग करने की सलाह दी, जिससे पहली मील और आखिरी मील सेवाओं में दोनों पक्षों के लिए लाभ होगा।

सीएम ने 'भारत का संविधान' का तेलुगु संस्करण जारी किया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संविधान दिवस के मौके पर 'भारत का संविधान' का तेलुगु संस्करण जारी किया। कार्यक्रम में लॉ सेक्रेटरी बी. पापी रेड्डी, सेक्रेटरी, लॉ एडिशनल सेक्रेटरी के. सुनीता, जॉइंट सेक्रेटरी, (ट्रांसलेटर) के. गीता आदि शामिल हुए। 'भारत का संविधान' का तेलुगु वर्शन इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि आम लोगों के लिए भी भारत के संविधान को समझना आसान हो।

दक्षिण मध्य रेलवे ने भारत का संविधान दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने बुधवार को पूरे जोन में संविधान दिवस मनाया। दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में संविधान का प्रस्तावना पाठ किया। संविधान दिवस का पालन एससीआर के सभी छह डिवीजनों के डिवीज़नल रेलवे कार्यालयों, पीसीयू, कार्यशालाओं और जोन के अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में भी किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

संख्या: सी/ई-नीलामी सूची/एससी/2025-26, दि.24-11-2025 PUB/1492

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर ठेकों या संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्या:1, श्रेणी: एडवर्टाइजिंग, **सूची संख्या:** एडीवी-ओओएच-एलसी-एसएसीएच, **नीलामी शुरु तिथि व समय:** 28 नवं.-25 के 13.00 बजे, **संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)**/ट्रेन (ट्रेन्स)- हैदराबाद सिटी के विविध स्थान, 20701/02, 20629/30, 12791/92, 12723/24,12721, बीएमटी, **नीलामी विवरण:** 1. वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 20701-02 के सभी कोचेस में फैक्ट्री-फिट्टेड 32 एलइडी टीवीज के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार या कमर्शियल एडवर्टाइजमेंट राइट्स। 2. रेल सं.12723/24 (तेलंगाना एक्सप्रेस एचवायबी-एनडीएलएस), 12791-92 (दानापूर एक्सप्रेस एससी-डीएनआर), 20629-30 (एससी-टीवीसी शबरी एक्सप्रेस) के यात्रियों के लिए इनफोटेनमेंट बुकलेट या पुस्तिका के वितरण हेतु ठेका। 3. रेल सं.12791/92 सिकंदराबाद -दानापूर एक्सप्रेस (फुल फेस) में विनाइल रैपिंग हेतु ठेका। 4. रेल सं.12723/24 तेलंगाना एक्सप्रेस (3 रेक्स) के लिए रेल के बाहरी तरफ (फुल फेस) के विनाइल रैपिंग हेतु ठेका। 5. रेल सं.12721 हैदराबाद -हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस (फुल फेस) में विनाइल रैपिंग हेतु ठेका। 6. हैदराबाद सिटी के विभिन्न स्थानों जैसे 1. रेलवे गेट नं.6, अलवाल 2. एलसी नं. 10किमी 16/57-56 मलकाजगिरी 3. एलसी गेट इ काकतीया नगर रोड के पास एलसी नं.9इ किमी 15/24 4. एलसी गेट नं.8इ नेरेडमेट रेलवे स्टेशन के पास सर्कूलेटिंग एरिया सहित (स्टेशन बिल्डिंग/प्लेटफार्म के बाहर) 5. एलसी गेट विवेकानंदपुरम के पास-सीडीएम आरडी. अम्मुगुडा के पास एलसी नं.7 कमी 13/11-12 6. सुचित्रा क्रास रोड होर्डिंग्स 7. एलसी नं.29 ए एनएलआरडी-केक्यूडी 7. तत्संबंधित ठेका जोकि बेगमपेट रेलवे स्टेशन के भीतर स्थैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए है।

क्रम संख्या:2, श्रेणी: मिक्स्ड, **सूची संख्या:** एसीडब्ल्यूएच-पार्किंग-आरडी, **नीलामी शुरु तिथि व समय:** 28 नवं.-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)- आरडीएम **नीलामी विवरण:** प्रि-पेड एसीडब्ल्यूएच के संचालन व रखरखाव तथा **रामगुंडम** पर टू /फोर व्हीलर की पार्किंग हेतु ठेका।

क्रम संख्या:3, श्रेणी: पार्किंग, **सूची संख्या:** पार्क-एमयुएलटीआयपी-एससीडी, **नीलामी शुरु तिथि व समय:** 29 नवं.-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)- एचवायबी, एसजेवीपी, बीटीएनआर, **नीलामी विवरण:** 1. **हैदराबाद रेलवे स्टेशन** पर फोर व्हीलर की पार्किंग हेतु ठेका। 2. **संजीवय्या पार्क एवं भरतनगर स्टेशनों** पर पार्किंग हेतु ठेका।

क्रम संख्या:4, श्रेणी: पार्किंग, सूची संख्या: एससी-एपीपी-पार्किंग, **नीलामी शुरु तिथि व समय:** 03 दिसं.-25 के 12.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)- एचएफजेड, एलपीआय, बीटीएनआर, एचटीसीवाय, **नीलामी विवरण: हाफीजपेट** पर पार्किंग का ठेका तथा **लिंगमपल्ली, भरतनगर एवं हायटेक सिटी स्टेशनों** पर रेडियो टैक्सी ठेका।

क्रम संख्या:5, श्रेणी: एमआयएससी-स्थैतिक, सूची संख्या: एससीपीएसएसपीओडी-एफटीआरयुसीके, **नीलामी शुरु तिथि व समय: 03 दिसं.-25 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-एलकेपीएल, नीलामी विवरण:**1. लकडी का पूल रेलवे स्टेशन के बाजी रिक्त बिल्डिंग पर स्लीपींग पाड्स की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। 2 **लकडी का पूल रेलवे स्टेशन** पर चाट स्टाल/ड्राइव-इन्स सहित फूड ट्रक्स/ज्यूस बार की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम संख्या:6, श्रेणी: एमआयएससी-स्थैतिक, **सूची संख्या:** एससी-पार्सल-एससीएएन-2, नीलामी शुरु तिथि व समय: 04 दिसं.-25 के 13.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-एससी,एचवायबी, सीएचजेड, **नीलामी विवरण: सिकंदराबाद, हैदराबाद व चर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों** पर पार्सल स्कैनर्स की स्थापना, संचालन व रखरखाव कार्य।

क्रम संख्या:7, श्रेणी: कैटरिंग, **सूची संख्या:** एससी-सीएटीजी-18-2025, **नीलामी शुरु तिथि व समय:** 04 दिसं.-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-एससीएम, सीएचजेड, टीडीयु, बीडीसीआर, **एसकेजेडआर, नीलामी विवरण: सेडम, चर्लापल्ली, तांडूर, भद्राचलम रोड व सिरपुर कागजनगर स्टेशनों** पर कैटरिंग स्टाल्स।

क्रम संख्या:8, श्रेणी: पे एण्ड यूज, **सूची संख्या:** पीएनयु-एससी-टीओआय-25-6, **नीलामी शुरु तिथि व समय: 05 दिसं.-25 के 10.00 बजे,** संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-एलटीआरआर, **नीलामी विवरण: लातूर रोड रेलवे स्टेशनों** पर पे एण्ड यूज टायलेट्स।

क्रम संख्या:9, श्रेणी: कैटरिंग, सूची संख्या: प्रिमीयम स्टोर, **नीलामी शुरु तिथि व समय: 05 दिसं.-25 के 14.00 बजे,** संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-बीएमटी, डब्ल्यूएल, केजेडजे **नीलामी विवरण: 1. बेगमपेट व वरंगल रेलवे स्टेशनों** पर प्रिमीयम स्टोर की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। **2. काजीपेट रेलवे स्टेशन** पर मोबाइल स्टोर तथा एस्सेसोरिज की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम संख्या:10, श्रेणी: एमआयएससी-स्थैतिक, **सूची संख्या: एमओबी-एफटी-एचवायबी-एससी-1,, नीलामी शुरु तिथि व समय: 06 दिसं.-25 के 13.00 बजे,** संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स) /ट्रेन (ट्रेन्स)-एससी, एचवायबी, जेइटी, नीलामी विवरण: 1. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर मोबाइल स्टोर तथा एस्सेसोरिज की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। **2. जेम्स स्ट्रीट व हैदराबाद रेलवे स्टेशनों** पर चाट स्टाल सहित फूड ट्रक्स/जूस बार की स्थापना व संचालन हेतु ठेका।

क्रम संख्या:11, श्रेणी: पे एण्ड यूज, **सूची संख्या:** पीएनयु-एससी-टीओआय-25-7, **नीलामी शुरु तिथि व समय: 08 दिसं.-25 के 14.00 बजे,** संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स)-बीडीसीआर, **नीलामी विवरण: भद्राचलम रेलवे स्टेशन** पर पे एण्ड यूज टायलेट्स।

क्रम संख्या:12, श्रेणी: एडवर्टाइजिंग, **सूची संख्या:** एडीवीटीएस-मिक्सड-1, **नीलामी शुरु तिथि व समय: 08 दिसं.-25 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन (ट्रेन्स)- /12721/22, 12791/92, 12757/58,** केजेडजे, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, बीएमटी, डब्ल्यूएल, नीलामी विवरण: 1. रेल सं. 12721/22, एचवायबी-एनजेडएम-एचवायबी दक्षिण एस/एफ एक्सप्रेस के लिए रेल के अंदरूनी तरफ विज्ञापन 2. रेल सं.12791/92 एससी-डीएनआर-एससी दानापुर एक्सप्रेस के लिए रेल के अंदरूनी तरफ विज्ञापन 3. रेल सं.12757/58- सिकंदराबाद एसकेजेडआर-सिकंदराबाद तत्संबंधित कोचेस के साइड्स पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापन। 4. काजीपेट रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में डिजीटल बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 5. **रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर व जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों** के सर्कूलेटिंग एरिया पर स्थैतिक होर्डिंग्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 6. बेगमपेट रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल स्क्रीन्स के माध्यम से विज्ञापन हेतु ठेका। 7. **काजीपेट रेलवे स्टेशन** के भीतर डिजीटल स्क्रीन्स के माध्यम से विज्ञापन हेतु ठेका। 8. **वरंगल रेलवे स्टेशन** के भीतर स्थैतिक बोर्ड्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु ठेका।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A1893 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

प्रारूप 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना PUB/1493

दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे एतद् द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के अधोलिखित खण्ड के संपूर्ण खण्ड पर स्थित रेलवे लाइन्स व परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, 25000 वोल्ट्स, 50एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायरों को, तत्संबंधित खण्ड या सेक्शन के निर्धारित तिथि को या संबंधित तिथि के बाद उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः तत्संबंधित तथा वही तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सभी समय पर सक्रिय (लाइव) माना जायेगा एवम् उपरोक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न पहुंच सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन या खण्ड:	तिथि
सिकंदराबाद डिवीजन के विकाराबाद-परली सेक्शन पर एलओसी. केएचएनपी/एफ-28(किमी/सीएच:104/315.90)से केएचएनपी/एफ-70 (किमी/सीएच: 106/49.90) खानापूर यार्ड पर फीडर लाइन के स्थायी परिवर्तन या परमनेन्ट डायवर्शन का विद्युतीकरण कार्य।	27-11-2025

A1894 वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, सिकंदराबाद

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

ई-नीलामी संख्या वाय/सी.256/एनएफआर/ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26, दि.25-11-2025 PUB/1494

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा हैदराबाद डिवीजन पर पार्किंग, मोबाईल एस्सेट्स, छिटपुट स्थैतिक सेवा तथा रिटायरिंग रूम कैटगिरी या श्रेणी संविदाओं के प्रदान हेतु आईआरईपीएस वेबसाइट:www.ireps.gov.in के **ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से ई-नीलामी** आमंत्रित हैं। ई-नीलामी अनुसूची का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. संख्य	श्रेणी:	सूची संख्या:	कार्य विवरण:	नीलामी की तिथि:	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय:
1	एमएसएस-एचवायबी-केसीजी-टीडब्ल्यूएनओपीएस-105-25-2 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-टू व्हीलर व अन्य पार्सल पैकिंग सेवाएं)	एचवायबी -मिक्स्ड- 049	काचीगुडा स्टेशन पर टू व्हीलर्स की पैकिंग/अनपैकिंग तथा अन्य पार्सल पैकिंग सेवाएं	09-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे
2	एमएसएस-एचवायबी-केएमसी-एसटीजीइएन-107-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक-सामान्य)	एचवायबी -मिक्स्ड- 049	कामारेड्डी स्टेशन पर चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन तथा रखरखाव	09-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे
3	एमएसएस-एचवायबी-एफएम-एसटीजीइएन-103-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक-सामान्य)	एचवायबी -मिक्स्ड- 049	फलकनुमा स्टेशन पर चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन तथा रखरखाव	09-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे
4	एमएसएस-एचवायबी-एएलडब्ल्यू-एसटीजीइएन-100-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक-सामान्य)	एचवायबी -मिक्स्ड- 049	अलवाल हाल्ट स्टेशन पर चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन तथा रखरखाव	09-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे
5	एमएसएस-एचवायबी-केआरएनटी-एसटीजीइएन-98-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक-सामान्य)	एचवायबी -मिक्स्ड- 049	कर्नूल स्टेशन पर चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन तथा रखरखाव	09-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे
6	एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-एसटीजीइएन-106-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक-सेवाएं-स्थैतिक-सामान्य)	एचवायबी -मिक्स्ड- 051	रेल निलयम पर चाट स्टाल/ड्राइव इन्स सहित फूड स्टाल (24*7 ग्राहकों की सेवा) फूड ट्रक्स/ज्यूस बार का संचालन तथा रखरखाव	11-12-25	11.00 बजे	11.30 बजे

आईआरईपीएस एप्लीकेशन (www.ireps.gov.in) के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल पर उपरोक्त उल्लेखित ई-नीलामियों की तिथियों के टाइम स्लॉट्स उपलब्ध हैं। कृपया इसे नोट करें तथा तदनुसार नीलामी में भाग लेना चाहिए।

A1895 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-East-WAT-43-2025, दिनांक :19.11.2025

कार्य का नाम : (1)पलासा-विजयनगरम-डोंकिनवलसा-थ्रु टर्नआउट नवीकरण-(फैन शेप्ड लेआउट)-86 सेट। (2) पलासा-विजयनगरम-डोंकिनवलसा-60 कि.ग्रा.ग्लूड ज्वॉईंटों का नवीकरण-391 संख्यक। (3) पलासा-कोरुकोण्डा-डोंकिनवलसा-60 कि.ग्रा. CMS Xing का नवीकरण-45 सेट (8.5 में 1-10 सेट एवं 12 में 1-35 सेट)। (4) विजयनगरम एवं कोरुकोण्डा यार्ड-थ्रु टर्नआउट नवीकरण - (कर्व स्विच +CMS Xing-3 सेट, CMS Xing-3 सेट, डिरेलिंग स्विच-1 सेट) से संबंधित वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ईस्ट/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन विभिन्न P-Way कार्य का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 3,78,67,353.68, EMD(रुपये में) : 3,39,300/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 12.12.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-834/Q/25-26

गुवाहाटी टेस्ट में भारत 408 रन से हारा

बुमराह ने जिस कप्तान को बौना कहा उसकी टीम ने क्लीन स्वीप किया

गुवाहाटी, 26 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने गुवाहाटी टेस्ट में भारत को 408 रन से हरा दिया है। टीम ने भारत को कोलकाता टेस्ट में 30 रन से हराया था। साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत को उसके घर में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले साल 2000 में दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया था। जसप्रीत बुमराह ने पहले मैच के दौरान साउथ अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा को बौना कहा था।

बरसापारा स्टेडियम में बुधवार को 549 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 140 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 260/5 के स्कोर पर घोषित कर दी। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीत कर पहली पारी में 489 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 201 रन सिमट गई थी। इस तरह भारत को टेस्ट जीतने के लिए 549 रन का टारगेट मिला था।

साइमन हार्मर प्लेयर ऑफ द सीरीज

साउथ अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने 2 मैच की सीरीज में 17 विकेट लिए। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 93 रन बनाए और 48 रन देकर 6 विकेट झटके। यानसन को दूसरी पारी में भी एक विकेट मिला।

रन के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका ने भारत को दूसरी पारी में 140 रन पर समेट दिया और 408 रन से जीत दर्ज की। यह भारत की ओवरऑल टेस्ट में और घर पर रन के अंतर से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले टीम इंडिया को 2004 में ऑस्ट्रेलिया ने नागपुर में 342 रन से हराया था।

बावुमा का टेस्ट में अजेय रिकॉर्ड कायम

साउथ अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा का अजेय रिकॉर्ड कायम है। उनकी कप्तानी में टीम अब तक कोई भी टेस्ट मैच नहीं हारी है। बावुमा ने अपनी कप्तानी के 12 मैच में 12 जीते हैं। एक मैच ड्रॉ रहा है।

क्लीन स्वीप के बाद टीम इंडिया को तगड़ा नुकसान

पॉइंट्स टेबल में भी आगे निकल गया पाकिस्तान

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का समापन हो गया है। कोलकाता के बाद गुवाहाटी में भी टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में 408 रनों से जीत दर्ज कर ली। भारत को अपने टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका ने 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया और 25 साल बाद भारत में श्रृंखला जीती। इस हार के बाद टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में तगड़ा नुकसान हुआ है। पाकिस्तान भी अब भारतीय टीम से आगे निकल गया है।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 साइकिल में टीम इंडिया की चौथी हार

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकिल में टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। 9 मैचों में 4 टीम इंडिया ने जीते और चार में उनकी हार हुई, वहीं एक मैच ड्रॉ साबित हुआ।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 का पॉइंट्स टेबल

जगह	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	जीत प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	4	4	0	0	48	100.00
2	साउथ अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
4	पाकिस्तान	2	1	1	0	12	50.00
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	इंग्लैंड	6	2	3	1	26	36.11
7	बांग्लादेश	2	0	1	1	4	16.67
8	वेस्टइंडीज	5	0	5	0	0	0.00
9	न्यूजीलैंड	0	0	0	0	0	0.00

रोहतक में बास्केटबॉल पोल गिरने से नेशनल प्लेयर की मौत

प्रैक्टिस करते वक्त छाती पर गिरा 750 किलो का पोल

रोहतक, 26 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतक के लाखनमाजरा में बास्केटबॉल खेलते समय एक खिलाड़ी की पोल गिरने से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें खिलाड़ी बास्केटबॉल कोर्ट में प्रैक्टिस करता दिखाई दे रहा है।

जैसे ही वह दौड़कर बास्केटबॉल पोल पर लटकता है, वैसे ही पूरा पोल टूटकर उसकी छाती पर गिर जाता है। इस पोल का वजन करीब 750 किलोग्राम बताया गया है। इसमें खिलाड़ी की मौके पर ही मौत हो जाती है। अस्पताल में ले जाने पर डॉक्टर भी खिलाड़ी को मृत घोषित कर देते है।

इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। मृतक खिलाड़ी की पहचान लाखनमाजरा निवासी हार्दिक (16) के रूप में हुई है। हार्दिक 10वीं कक्षा का छात्र था। छोटा भाई 7वीं में पढ़ता है। पिता संदीप एफसीआई में नौकरी करते हैं।

वहीं, ऐसा ही एक हादसा बहादुरगढ़ में भी हुआ। यहां के शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम में जर्जर बास्केटबॉल पोल गिरने से घायल 15 वर्षीय खिलाड़ी अमन की मौत हो गई। अमन दो बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता सुरेश कुमार डीआरडीओ कार्यालय में ग्रुप-डी कर्मचारी हैं और परिवार लाइन पार वत्स कॉलोनी में रहता है।

उधर, इन हादसों के बाद ओलिंपिक संघ ने निर्णय लिया है कि हरियाणा मे अगले तीन दिन किसी प्रकार का खेल उत्सव या आयोजन न किया जाए।

कई नेशनल इवेंट में पदक जीत चुका था हार्दिक

हार्दिक ने कांगड़ा में 47वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में सिल्वर, हैदराबाद में हुई 49वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज और पुडुचेरी में हुई 39 यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। उसकी अचानक मौत से परिवार में गम का माहौल है।

4 साल पहले तत्कालीन राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने एमपी लैड फंड से लाखनमाजरा पंचायत को 11 लाख रुपए दिए थे। फिर भी पंचायती राज विभाग के अधिकारी स्टेडियम की मेंटीनेंस नहीं करवा पाए। मेंटीनेंस वर्क अब भी टेंडर प्रक्रिया में ही उलझा है।

अहमदाबाद करेगा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स को होस्ट

20 साल बाद मिली मेजबानी

नई दिल्ली, 26 नवंबर (एजेंसियां)। भारत 20 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में कॉमनवेल्थ गेम्स की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया । कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम कॉमनवेल्थ गेम्स के अगले शतक की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं।'

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है। भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी।

इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता' के आधार पर मूल्यांकन किया था । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होगा और इसके 100 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।' भारत ने 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जो शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपये से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं।

राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा था कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव ''प्रेरक'' लगे, लेकिन आखिर में 2030 में होने वाले खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद को चुना गया। अहमदाबाद ने हाल के महीनों में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की।

यह शहर अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप की मेजबानी करेगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किए जाएंगे।

स्मृति मंधाना ने ली राहत की सांस

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए पिता

मुंबई, 26 नवंबर (एजेंसियां)। स्टार भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना अपनी शादी के टलने के कारण सुर्खियों में हैं। उनकी शादी म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल से होने वाली थी लेकिन 23 नवंबर को शादी के दिन ही स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब 3 दिन बाद स्मृति मंधाना और उनके परिवार ने राहत की सांस ली है क्योंकि उनके पिता अब किसी भी तरह के खतरे से बाहर हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। श्रीनिवास मंधाना को मंगलवार 25 नवंबर की देर रात सांगली के सर्वहित अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। ये अस्पताल सांगली में मंधाना परिवार के घर के करीब है और यहीं पिछले 3 दिन से स्मृति मंधाना के पिता भर्ती थे।

फीफा विश्व कप 2026: ड्रॉ में स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड को फायदा! सेमीफाइनल से पहले नहीं होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, 26 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा ने अगले साल होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के ड्रॉ को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ अगले सप्ताह जारी होना है। इस ड्रॉ में पहली बार टेनिस-स्टाइल नॉकआउट ब्रैकेट सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके तहत दुनिया की शीर्ष चार टीमें स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड को अलग-अलग हिस्सों में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि अगर ये चारों टीमें अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल करती हैं, तो वे सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेलेंगी।

क्यों किया गया यह बदलाव?

फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना। इसे टूर्नामेंट को प्रतिस्पर्धात्मक और संतुलित बनाने में मदद मिलेगी। फीफा ने बयान में कहा, 'दो अलग-अलग रास्ते तैयार किए गए हैं ताकि शीर्ष टीमों के बीच संतुलन बना रहे और योग्य प्रदर्शन को सम्मान मिले।'

ग्रुप स्टेज से लेकर नॉकआउट तक नई संरचना

इस बार वर्ल्ड कप 48 टीमों वाला होगा, जो इतिहास में पहली बार है। कुल 12 ग्रुप होंगे, हर ग्रुप में चार टीमें रहेंगी। ड्रॉ इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि एक ही महाद्वीप की दो गैर-यूरोपीय टीमें एक ग्रुप में नहीं हो सकतीं। साथ ही यूरोपीय टीमों की संख्या प्रत्येक ग्रुप में अधिकतम दो तक सीमित रहेगी।

वीआईपी उपस्थिति के साथ होगा ऐतिहासिक ड्रॉ

ड्रॉ पांच दिसंबर को वॉशिंगटन डी.सी. के कैनेडी सेंटर में होगा, जिसमें विशेष अतिथि के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मौजूद रहेंगे। यह पहला मौका है जब किसी वर्ल्ड कप ड्रॉ में राजनीतिक और खेल के इतने बड़े चेहरे एक साथ मंच साझा करेंगे।

अब तक क्वालिफाई कर चुकी टीमें और संभावित खतरे

42 टीमें अब तक क्वालिफाई कर चुकी हैं, जिनमें ईरान और हैती भी शामिल हैं, बावजूद इसके कि उनका अमेरिका से राजनीतिक तनाव है। इस बार सबसे दिलचस्प स्थिति यह है कि चार बार की चैंपियन इटली, जो कम रैंकिंग के कारण पॉट-चार में हो सकती है, बड़ी टीमों के लिए शुरुआत से ही चुनौती बन सकती है।

रोनाल्डो पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध हटा: विश्व कप में खेलते दिखेंगे, ट्रंप से मीटिंग के बाद फीफा का यू-टर्न?

न्यूयॉर्क, 26 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है। आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोबेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है, और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ।

डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ'शेया को कोहनी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की। हालांकि, फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोबेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा।

आम तौर पर ऐसे मामलों में पूरी सजा लागू होती है। दिलचस्प बात यह है कि इसी महीने आर्मेनिया और बुरुंडी के खिलाड़ियों पर भी तीन-तीन मैचों का बैन लगा, लेकिन उन्हें कोई छूट नहीं मिली। इसलिए रोनाल्डो को मिली यह राहत कई सवाल खड़े कर रही है।

फैसले से एक सप्ताह पहले रोनाल्डो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। इस डिनर में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी मौजूद थे और उन्होंने रोनाल्डो के साथ फोटो भी ली थी। इस घटना और फैसले के समय ने बहस को और तेज कर दिया है। रोनाल्डो पिछले तीन साल से सऊदी क्लब के लिए खेल रहे हैं और 2034 का वर्ल्ड कप भी सऊदी अरब की मेजबानी में होगा, जिससे राजनीतिक संबंधों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

फीफा ने कहा है कि यह फैसला अपील के लिए खुला है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अपील कौन कर सकता है, आयरलैंड फुटबॉल संघ या वर्ल्ड कप में रोनाल्डो के संभावित प्रतिद्वंद्वी? पुर्तगाल मार्च में दो फ्रेंडली मैच खेलेगा, पर रोनाल्डो अब उपलब्ध रहेंगे। पांच दिसंबर को वर्ल्ड कप ड्रॉ में ट्रंप भी मौजूद रहेंगे, जहां यह तय होगा कि पुर्तगाल किस ग्रुप में खेलेगा।

डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शन आज, 277 प्लेयर्स पर बोली लगेगी: यूपी का पर्स सबसे बड़ा

दीप्ति-हीली करोड़पति बन सकती हैं

मुंबई, 26 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग के चौथे सीजन के लिए मेगा ऑक्शन 27 नवंबर को होना है। नीलामी नई दिल्ली में दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगी। देश-विदेश की 277 प्लेयर्स पर बोली लगनी है, लेकिन 5 टीमों में 73 खिलाड़ियों की जगह ही खाली है। यूपी वॉरियर्ज के पास सबसे ज्यादा 14.50 करोड़ रुपए का पर्स है, टीम ने एक ही खिलाड़ी को रिटेन किया।

डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शन के बारे में सबकुछ

1. ऑक्शन का आयोजक कौन है?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड देश की 2 फ्रेंचाइजी लीग इंडियन प्रीमियर लीग और विमेंस प्रीमियर लीग का आयोजन करवाता है। बीसीसीआई ही 27 नवंबर को डब्ल्यूपीएल मेगा ऑक्शन भी कंडक्ट कराएगा। ऑक्शन नई दिल्ली के एयरोसिटी स्थित होटल में दोपहर 3.30 बजे से शुरू होना है।

2. कितनी प्लेयर्स पर बोली लगेगी?

बीसीसीआई ने 277 प्लेयर्स को ऑक्शन के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। इनमें भारत की 194 और विदेश की 66 प्लेयर्स हैं। जिनमें 159 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, जिनका इंटरनेशनल डेब्यू नहीं हुआ। हालांकि, 277 में ज्यादा से ज्यादा 73 प्लेयर्स ही बिक सकेंगी। क्योंकि 5 टीमों में इतनी ही जगह खाली है। इनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी प्लेयर्स हो सकती हैं।

3. 5 टीमों में कितना पर्स बाकी है?

मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्ज और गुजरात जायंट्स 5 टीमें हैं। सभी टीमों के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स था, लेकिन रिटेंशन के बाद हर टीम के पर्स में अलग-अलग राशि बची। यूपी के पास सबसे 14.50 करोड़ रुपए का पर्स है। गुजरात के पास 9 करोड़ रुपए हैं। वहीं एमआई, डीसी, और आरसीबी का पर्स 6.50 करोड़ रुपए से कम है।

4. कौन-कौन सी प्लेयर रिटेन हुई?

5 टीमों ने 17 प्लेयर्स को रिटेन किया, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। भारत की स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर और श्रेयांका पाटील रहीं। इनमें श्रेयांका को छोड़कर बाकी 6 प्लेयर्स वनडे वर्ल्ड जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहीं।

5. क्या रिटेंशन के लिए कोई लिमिट थी?

हां, मेगा ऑक्शन से पहले टीमें ज्यादा से ज्यादा 5 प्लेयर्स को ही रिटेन कर सकती थीं। 2 टीमों ने इसका पूरा इस्तेमाल किया। बाकी

3 टीमों ने 5 से कम खिलाड़ियों को रखा। इसलिए उनके पास ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड भी रहेगा। आरसीबी के पास 1, गुजरात के पास 3 और यूपी के पास 4 आरटीएम कार्ड हैं। आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल टीमें ऑक्शन में कर सकती हैं। टीमें रिलीज की गईं खिलाड़ियों को ऑक्शन में फिर से अपना हिस्सा बना सकती हैं।

इसे उदाहरण से समझते हैं। यूपी वॉरियर्ज ने ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को रिलीज कर दिया। ऑक्शन में उन्हें अगर डीसी ने 2 करोड़ रुपए में खरीद लिया। तब यूपीडब्ल्यू अपने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर हीली को अपनी टीम में शामिल कर सकती हैं। हालांकि, अगर डीसी ने हीली की कीमत 4 करोड़ रुपए कर दी तो यूपीडब्ल्यू को नई कीमत में हीली को स्क्वॉड में शामिल करना होगा। अगर यूपीडब्ल्यू ने नई कीमत देने से मना कर दिया तो हीली नई कीमत में डीसी का हिस्सा बन जाएंगी।

6. किस टीम में सबसे ज्यादा जगह खाली?

एमआई और डीसी ने 5-5 प्लेयर्स को रिटेन किया। आरसीबी ने 4 और गुजरात ने 2 प्लेयर्स को रखा। वहीं यूपी ने महज 1 अनकैप्ड प्लेयर को रिटेन किया। एक टीम में 15 से 18 प्लेयर्स हो सकते हैं, जिनमें ज्यादा से ज्यादा 6 विदेशी हो सकती हैं। इसी हिसाब से टीमों में 73 प्लेयर्स की जगह खाली है।

7. किन प्लेयर्स पर सबसे पहले बोली लगेगी?

ऑक्शन में प्लेयर्स को अलग-अलग सेट में बांटा गया है। सबसे पहले मार्की सेट का नंबर आता है। जिसमें 8 प्लेयर्स हैं, जिनकी डिमांड सबसे ज्यादा हैं। फिर इंटरनेशनल बैटर्स, ऑलराउंडर्स, विकेटकीपर, पेसर और स्पिनर्स का नंबर आता है। इंटरनेशनल के बाद अनकैप्ड खिलाड़ियों का नंबर आता है।

8. प्लेयर्स की बेस प्राइस कितनी है?

मार्की सेट में न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, अमीलिया केर, इंग्लैंड की सोफी एकलस्टन, ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली, मेग लैनिंग, साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट, भारत की दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह हैं।

मार्की सेट में 6 प्लेयर्स की बेस प्राइस 50 लाख रुपए हैं। रेणुका की 40 लाख और वोल्वार्ट की 30 लाख रुपए हैं। कुल 19 प्लेयर्स की बेस प्राइस 50 लाख रुपए रखी गई। 11 खिलाड़ियों की कीमत 40 लाख रुपए और 88 प्लेयर्स की 30 लाख रुपए हैं। बाकी प्लेयर्स की बेस प्राइस 10 और 20 लाख रुपए हैं।

9. कौन सबसे महंगी बिक सकती हैं?

भारत की वर्ल्ड कप विनिंग प्लेयर दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़ और श्री चरणी महंगी बिक सकती हैं। वहीं विदेशियों में एलिसा हीली, सोफी एकलस्टन, अमीलिया केर, मेग लैनिंग, फीबी लिचफील्ड और ग्रेस हैरिस भी करोड़पति बन सकती हैं।

10. कहां देख सकते हैं ऑक्शन?

डब्ल्यूपीएल के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स रिलायंस के पास हैं। टीवी के दर्शक स्टार स्पोर्ट्स और ओटीटी के दर्शक जियोहॉटस्टार पर ऑक्शन का लाइव कवरेज देख सकते हैं। इसके साथ ही आप दैनिक भास्कर ऐप पर भी नीलामी से जुड़ी डिटेल्स जान सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2047' में आमंत्रित किया है

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैश्विक निवेशकों को 8 और 9 दिसंबर को प्रतिष्ठित भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2047 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

बुधवार को हैदराबाद स्थित जीएमआर एयरोपार्क में एलईएपी इंजन एमआरओ के उद्घाटन और एम88 एमआरओ के शिलान्यास समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस सम्मेलन में विकास के क्षेत्रों और तेलंगाना की प्रगति के लिए एक विस्तृत विजन डॉक्यूमेंट जारी करेगी। उन्होंने कहा कि हम 30,000 एकड़ भूमि में फैला भारत फ्यूचर सिटी बना रहे हैं। यह फ्यूचर सिटी ग्रीन, नेट-ज़ीरो होगी और भारत की ओर से न्यूयॉर्क, टोक्यो, दुबई और सिंगापुर का उत्तर होगी। मैं प्रधानमंत्री जो इस कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े और निवेशकों से वैश्विक सम्मेलन में उपस्थित होने का अनुरोध करता हूँ। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से यह भी आग्रह किया कि बेंगलुरु-हैदराबाद को डिफेंस और एयरोस्पेस कॉरिडोर घोषित किया जाए, जिससे 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी। रेवंत रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना की औद्योगिक और एमएसएमई नीतियाँ देश में सर्वोत्तम मानी जाती हैं। हैदराबाद पहले ही भारत का प्रमुख एयरोस्पेस और डिफेंस हब बन चुका है, जहाँ 25 से अधिक वैश्विक कंपनियाँ और 1,500 से अधिक एमएसएमई कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर, समर्पित एयरोस्पेस पार्क और एसईजेड ने प्रमुख वैश्विक कंपनियों के बड़े निवेश आकर्षित किए हैं। आज हम उच्च-स्तरीय प्रिसिजन इंजीनियरिंग परियोजनाओं की पहली पसंद बन चुके हैं। कई कंपनियों ने यहाँ अपने विनिर्माण केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते वर्ष एयरोस्पेस और डिफेंस क्षेत्र में निर्यात दोगुना होकर 9 महीनों में 30,742 करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार फार्मा निर्यात से भी अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना को लगातार नागरिक उड्डयन मंत्रालय से एयरोस्पेस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिलता है और फाइनेंशियल टाइम्स की वैश्विक रैंकिंग में हैदराबाद एयरोस्पेस शहरों के भविष्य में लागत-प्रभावशीलता में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में सहभाग को स्वागतयोग्य बताते हुए और सफरान को बड़े निवेश के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नई सुविधा तेलंगाना के एयरोस्पेस और डिफेंस विकास के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि यह भारत में एलईएपी इंजनों का पहला मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्र है। 1,300 करोड़ रुपये के निवेश से बनी यह सुविधा 1,000 से अधिक तकनीशियनों और इंजीनियरों को रोजगार देगी। यह स्थानीय एमएसएमई और प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियों के लिए भी नए अवसर खोलेगी। उन्होंने कहा, हम सफरान को एयरोस्पेस और एमआरओ स्किलिंग प्रयासों में प्रमुख साझेदार बनने के लिए आमंत्रित करते हैं। तेलंगाना सरकार विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करते हुए एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर को निरंतर प्रोत्साहित करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नया सफरान एम 88 सैन्य इंजन एमआरओ केंद्र भारतीय वायुसेना और नौसेना की तेजी से बढ़ती राफेल बेड़ों को सहायता प्रदान करेगा। हैदराबाद पहले से ही भारत के प्रमुख एमआरओ और एयरो इंजन केंद्रों में शामिल है। उन्होंने बताया कि सौ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स (एटीसी) के रूप में उन्नत किया गया है, यह परियोजना टाटा टेक्नोलॉजीज़ के सहयोग से युवाओं को उन्नत विनिर्माण में जॉब-रेडी स्किल प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है। यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी भी विमान रखरखाव के विशेष प्रशिक्षण पर ध्यान दे रही है। एलईएपी इंजनों के लिए नागरिक एमआरओ केंद्र यह भारत में स्थापित पहला ऐसा केंद्र है। यह नई सुविधा 1,300 करोड़ रुपये के निवेश से 44,000 वर्गमीटर में फैली है। यह फ्रांस के बाहर राफेल इंजनों का पहला एमआरओ केंद्र है। यह भारतीय वायुसेना और नौसेना की राफेल फ्लीट को समर्थन देगा। 450 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र 5,000 वर्गमीटर में फैलेगा, यहाँ 150 प्रत्यक्ष और 600 अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होंगे। इसका कार्य 2026 की शुरुआत में शुरू होगा। इन परियोजनाओं को भारत में 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत एयरोस्पेस और डिफेंस क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने वाला बताया गया है।

बीजेपी स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी : एन.वी. सुभाष

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को राज्यभर में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विजय सुनिश्चित करने के लिए पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया है। बीजेपी मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने एक प्रेस बयान में कहा कि राज्य बीजेपी अध्यक्ष ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की, जिसमें सांसद, विधायक, एमएलसी और पूर्व उम्मीदवार शामिल थे। इस बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वे सभी पदों के लिए वार्ड सदस्य से लेकर सरपंच तक बीजेपी उम्मीदवार खड़े करें। राव ने जोर देकर कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव बीजेपी की आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता प्राप्ति की 'बुनियाद' बनना चाहिए।

उन्होंने पूर्व बीआरएस सरकार पर ग्राम पंचायतों की उपेक्षा करने और वित्त आयोग की निधियों का गलत उपयोग करने का आरोप लगाया, जिससे गांव का विकास रुक गया और सरपंचों तक ने खुदकुशी जैसी घटनाओं तक को जन्म दिया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भी आरोप लगाया कि उसने पिछले दो वर्षों में पंचायतों को एक रुपया भी जारी नहीं किया, जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में छह गारंटियां और 420 वादे किए थे। राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार की गांव-केंद्रित पहलों को उजागर करने का आग्रह किया, जैसे ग्रामीण सड़कें, पीएम-किसान, शौचालय, रोजगार योजनाएं, स्ट्रीट लाइटिंग और श्मशान विकास। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, बंडी संजय कुमार, राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण और बीजेपी राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) चंद्रशेखर भी वीडियो कांफ्रेंस में शामिल हुए।

पंचायत चुनाव आरक्षण पर केटीआर का कांग्रेस पर हमला

बीसी आरक्षण 42 प्रतिशत वादे से घटकर 17 प्रतिशत होने का आरोप

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी ग्राम पंचायत चुनावों के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण पैटर्न में भारी असमानताएं सामने आने के बाद बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। कई जिलों में बीसी समुदाय के लिए एक भी पंचायत आरक्षित न होने पर उन्होंने कांग्रेस के दावों पर सवाल उठाया। रामा राव ने कहा कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया था, लेकिन अब इसे घटाकर मात्र 17 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने पूछा कि जब आरक्षण बढ़ाना ही नहीं था, तो जाति जनगणना पर 160 करोड़ रुपये क्यों खर्च किए गए? एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तेलंगाना की जाति जनगणना को अन्य राज्यों के लिए आदर्श बताती रही, लेकिन वास्तव में उसने बीसी आरक्षण में कटौती कर दी है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस सरकार ने 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे के साथ करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन हाल ही में घोषित पंचायत चुनावों में बीसी वर्ग को सिर्फ 17 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जो पहले के 24 प्रतिशत से भी कम है। रामा राव ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या वे बता सकते हैं कि इस 'अनावश्यक कवायद' पर सरकारी धन क्यों बर्बाद किया गया?

राष्ट्रीय बीसी जेएसी के अध्यक्ष कृष्णैया ने निराहार दीक्षा की

> बीसी आरक्षण को लेकर संघर्ष तेज

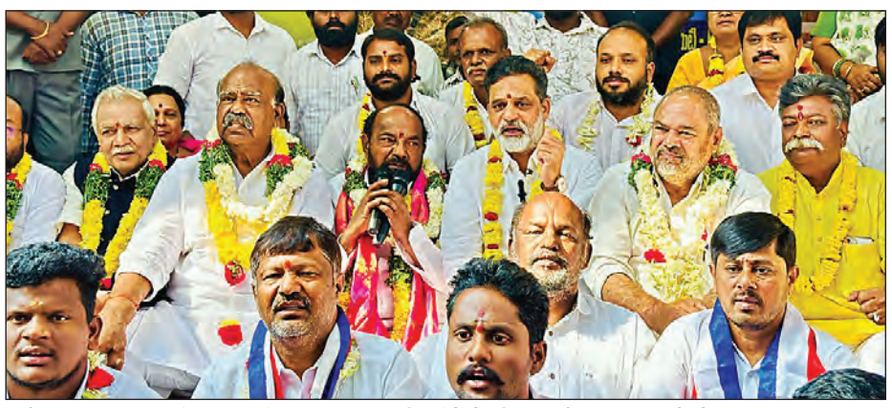

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण को लेकर संघर्ष तेज हो गया है।

आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट कहा है कि बीसी समुदाय के साथ विश्वासघात करने वाली सरकार को अब जवाब देना होगा। जी.ओ. सं. 46 को वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रीय बीसी जेएसी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने आज विधानगर स्थित बीसी भवन में एक दिन की निराहार दीक्षा प्रारम्भ की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्य बीसी आयोग अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने की। कृष्णैया ने कहा कि सरकार द्वारा जी.ओ. 46 जारी करना, जबकि संबंधित अदालती कार्यवाही अभी पूर्ण नहीं हुई थी, सहज न्याय सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आदेश के कारण सरपंच और वार्ड सदस्य पदों के आवंटन में बीसी समुदाय के साथ व्यापक अन्याय हुआ है और कई क्षेत्रों में बीसी वर्ग को एक भी पद नहीं दिया गया। इसे उन्होंने बीसी समुदाय के साथ हुआ सबसे बड़ा धोखा बताया। उन्होंने चेताया कि 42 प्रतिशत आरक्षण लागू होने तक शांतिपूर्ण आंदोलन, धरना, मौन-दीक्षा, प्रदर्शन और 29 नवम्बर को राज्यव्यापी सड़क जाम सहित सभी कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। दीक्षा स्थल पर पहुँचे विधान परिषद में बीआरएस पार्टी के प्रतिपक्ष नेता सिरिकोंडा मधुसूदनचारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार का निर्णय 'न्याय की आवाज़ का गला घोंटने' जैसा है, और बीआरएस आंदोलन को पूरा समर्थन देगी। डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के समय वादा किया, लेकिन सत्ता में आने के बाद दो वर्षों तक केवल दिखावा किया और अब आरक्षण देने से पीछे हट रही है, यह अनीतिपूर्ण है। फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं अभिनेता आर. नारायणमूर्ति ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार का रवैया लोकतांत्रिक मूल्याओं के विरुद्ध है। बीसी यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष पालूरु रामकृष्णैया, भाजपा मोर्चा अध्यक्ष आनंद गौड़ तथा बीसी कल्याण संघ के समन्वयक डॉ. र्यागा अरुण कुमार सहित कई संगठनों के नेताओं ने भी आंदोलन को समर्थन जताया और सरकार की नीतियों की आलोचना की। दीक्षा शाम 6 बजे तक जारी रही। इस दौरान गुज्जा सत्यम्, गोरीगे मल्लेश यादव, नीला वेंकटेश, भूमन्ना यादव, अन्नपूर्णा गौड़ सहित विभिन्न बीसी संगठनों के प्रतिनिधियों व समुदायों के नेताओं ने बड़ी संख्या में पहुँचकर आंदोलन के प्रति एकजुटता दिखाई। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कहा है कि यह समय बीसी अधिकारों की प्राप्ति के लिए निर्णायक है और जब तक 42 प्रतिशत आरक्षण लागू नहीं होता, संघर्ष और तेज किया जाएगा।

सड़क विकास में तेलंगाना सरकार का 60,000 करोड़ निवेश : कोमटिरेड्डी

> चार लेन विस्तार कार्य का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार राज्यभर में 60,000 करोड़ रुपए की लागत से व्यापक सड़क विकास कार्य कर रही है।

बुधवार को उन्होंने महबूबनगर-नलगोंडा सड़क के नागार्जुनसागर एक्स रोड से दर्वेशीपुरम एल्लम्मा मंदिर तक चार लेन विस्तार कार्य का शिलान्यास किया। मंत्री ने बताया कि यह परियोजना 50 करोड़ की लागत से विकसित की जा रही है, जिसमें सेंट्रल मिडियन और एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य एक सप्ताह के भीतर शुरू हो जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कोमटिरेड्डी ने बताया कि दर्वेशीपुरम के दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों में सुधार के लिए पहले ही कदम उठाए गए हैं, जहाँ 12 करोड़ रुपए की लागत से सीसी रोड, मिडियन और लाइटिंग के कार्य पूरे किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र की कई आंतरिक सड़कों-जैसे कोठापल्ली-मुसुमपल्ली मार्ग-ग्रामीण सड़क नेटवर्क और ड्रेनेज सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है। सिंचाई संरचना को मजबूत करने के लिए एएमआरपी नहर लाइनिंग हेतु 450 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। नलगोंडा शहर में प्रमुख मार्गों को मिडियन और रोशनी के साथ उन्नत किया गया है तथा ट्रैफिक को कम करने के लिए बाईपास सड़क का निर्माण जारी है। मंत्री ने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने दस वर्षों में एक भी राशन कार्ड जारी नहीं किया, जबकि वर्तमान सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 5 लाख इंदिरम्मा मकान, रायतु भारोसा, और उत्तम धान्य किस्मों की खेती करने वाले किसानों को प्रति क्विंटल 500 रुपए बोनस सहित सभी छह गारंटियां लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक गांव में राशन की दुकानों को स्वीकृति दी गई है और उनके निर्वाचन क्षेत्र में 18 नई दुकानें मंजूर की गई हैं। कोमटिरेड्डी ने यह भी कहा कि भाजपा ने तेलंगाना के लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

छात्र विरोध रोकने के लिए कड़े निर्देश

कॉलेज परिसरों से बाहर निकलकर प्रदर्शन करने पर लगी रोक

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी (टीजीएस डब्ल्यूआरईआईएस) ने सभी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे छात्रों को समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर परिसर छोड़कर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति न दें।

हाल ही में शादनगर स्थित सामाजिक कल्याण आवासीय महिला डिग्री कॉलेज नागरकुनूल की छात्राओं द्वारा किए गए बड़े विरोध के बाद यह कदम उठाया गया है। छात्राओं ने कॉलेज की प्रिंसिपल पर मेस से खाद्य सामग्री घर ले जाने और शिकायत करने वाले छात्रों को परेशान करने का आरोप लगाया था। उनके अचानक किए गए विरोध के कारण टाउन स्कायर पर लंबे समय तक जाम लगा रहा। स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए हालिया समीक्षा बैठक में सभी क्षेत्रीय और जिला समन्वय अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि छात्रों की सभी आवश्यकताओं का तत्काल समाधान किया जाए ताकि वे सड़कों पर उतरने को मजबूर न हों। सोसाइटी प्रतियोगी परीक्षाओं-जेईई और नीट यूजी-की कोचिंग को मजबूत करने के लिए नारायण और श्री चैतन्य जैसे कॉर्पोरेट जूनियर कॉलेजों के विशेषज्ञ शिक्षकों को शामिल करने पर भी विचार कर रही है। उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) में ऑनलाइन कक्षाओं की संख्या बढ़ाने की योजना है। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि श्रेष्ठ प्राध्यापकों को किसी भी परिस्थिति में उनके पदों से न हटाया जाए और छात्रों द्वारा पसंद किए जाने वाले शिक्षकों को कॉलेजों में बनाए रखा जाए। यदि किसी शिक्षक के जाने से रिक्त पद बनते हैं, तो कॉलेजों को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी। सभी सीओई के लिए शीर्ष स्तर के शिक्षकों के साथ ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने के अलावा, जेईई, नीट यूजी और सीएलएटी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए डिजिटल शिक्षण सामग्री तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है।

टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस सचिव एस. कृष्णा आदित्य के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख सचिव (एससी विकास) डॉ. ज्योति बुद्ध प्रकाश ने छात्र-शिक्षक अनुपात और फैकल्टी की दक्षता की जांच करने को कहा। उन्होंने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही सभी सामाजिक कल्याण आवासीय संस्थानों में वार्डन पद की स्वीकृति दी गई है, ताकि शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक जिम्मेदारियों का बोझ कम हो सके। अभी शिक्षकों को छुट्टियों और रात में भी कैंपस में रुकना पड़ता है। अंत में, कॉलेजों को सख्त निर्देश दिया गया कि प्रधानाचार्य, जिला समन्वयक या क्षेत्रीय अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश न दिया जाए।

हैदराबाद थिएटर फेस्टिवल का पहला संस्करण 12 से 14 दिसंबर तक

नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर सहित कई दिग्गज देंगे प्रस्तुति

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली थिएटर फेस्टिवल (डीटीएफ) और बेंगलुरु थिएटर फेस्टिवल (बीटीएफ) की सफलता के बाद अल्केमिस्ट लाइव अब हैदराबाद थिएटर फेस्टिवल (एचटीएफ) का पहला संस्करण लेकर आ रहा है। यह आयोजन 12 से 14 दिसंबर तक शिल्पकला वेदिका ऑडिटोरियम में होगा।

अल्केमिस्ट लाइव के सीईओ और सह-संस्थापक प्रभु टोनी ने कहा कि हैदराबाद कला और संस्कृति से समृद्ध शहर रहा है और यह मंच दर्शकों को नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, रत्ना पाठक शाह और लिलेट दुबे जैसे दिग्गज कलाकारों की लाइव प्रस्तुतियां देखने का अवसर देगा।

फेस्टिवल में दर्शक भारत के चुनिंदा और लोकप्रिय रंगमंच कलाकारों द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली नाटकों का आनंद उठा सकेंगे। टिकट बुकमाईशो पर उपलब्ध हैं। एचटीएफ सीज़न 1 के कार्यक्रम में 12 और 13 दिसंबर को नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह और हीबा शाह द्वारा 'इस्मत आपा के नाम', 13 दिसंबर को लिलेट दुबे, डेन्ज़िल स्मिथ और सुचित्रा पिल्लई अभिनीत 'ऑटोबायोग्राफी' तथा 14 दिसंबर को अनुपम खेर की प्रस्तुति 'कुछ भी हो सकता है' शामिल है।

जीएचएमसी में 27 नगर पालिकाओं के विलय के फैसले पर बीआरएस का विरोध

हैदराबाद, 26 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में आसपास की 27 नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों को शामिल करने के कैबिनेट निर्णय को बीआरएस ने कड़ा विरोध किया है। बीआरएस नेता केपी विवेकानंद ने इसे राजनीति से प्रेरित, अवैज्ञानिक और गैर-जिम्मेदाराना कदम बताया। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में विवेकानंद ने आरोप लगाया कि यह फैसला पूरी तरह राजनीतिक लाभ के लिए लिया गया है और इसका उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले रियल एस्टेट निवेशकों को फायदा पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े फैसले से पहले न तो कोई सर्वदलीय बैठक बुलाई गई और न ही स्थानीय विधायकों, सांसदों अथवा जनता से राय ली गई। बीआरएस नेता ने आशंका जताई कि विलय के तुरंत बाद नए शामिल क्षेत्रों में संपत्ति कर, पंजीकरण शुल्क और अन्य शुल्क बढ़ा दिए जाएँगे, जिसका सीधा बोझ निवासियों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा स्थापित विकेंद्रीकरण की भावना के विरुद्ध है। विवेकानंद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी धीरे-धीरे पूरे तेलंगाना को राजधानी क्षेत्र में मिलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे परिधीय क्षेत्रों की उपेक्षा बढ़ेगी। शहर के विस्तार के कारण दूरस्थ इलाकों की समस्याएँ अब मेयर या आयुक्त तक आसानी से नहीं पहुँच पाएँगी। उन्होंने याद दिलाया कि 200% में कांग्रेस सरकार ने भी इसी तरह का विलय प्रस्ताव रखा था, जिसका बीआरएस ने तब भी विरोध किया था। रेवंत रेड्डी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोगों की समस्याएँ सुलझाने के बजाय रियल एस्टेट लॉबी के हितों को साधने में लगे हैं और दिल्ली तक अपने सामान ढोते रहते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.